@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार 27 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 227 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शुभांशु 28 घंटे का सफर पूरा कर पहुंचे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशनः आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय

तेहरान (एजेंसी)। फ्लोरिडा,(ईएमएस)। भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है! दरअसल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। 28 घंटे का लंबा अंतरिक्ष सफर पूरा करने के बाद, 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4ः01 बजे शुभांशु और उनके तीन विदेशी साथी आईएसएस पर पहुंच गए हैं।

जानकारी अनुसार इस सफर के पूरा होने के साथ ही करीब दो घंटे बाद, यानी शाम 6 बजे स्पेस स्टेशन का हैच खुला और सभी अंतरिक्ष यात्री उसके अंदर दाखिल हुए। शुभांशु अगले 14 दिन आईएसएस में रहते हुए विज्ञान, स्वास्थ्य और माइक्रोग्रैविटी से जुड़े विभिन्न शोध करेंगे।

1984 के बाद दूसरी ऐतिहासिक उड़ान

शुभांशु शुक्ला से पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत स्पेस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय, लेकिन आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस!

उड़ान के बाद लाइव संवाद में शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं - कैसे चलना है, कैसे खाना है। जब रॉकेट लॉन्च हुआ, तो लगा जैसे सीट में पीछे धकेले जा रहे हों। फिर एकाएक सब शांत हो गया। बेल्ट खोलते ही हम वैक्यूम की शांति में तैरने लगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक उपलब्धि है और इस सफलता के लिए उन्होंने अपने परिवार, वैज्ञानिकों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया।

एक्सियम मिशन 4 के तहत उड़ान

शुभांशु एक्सियम स्पेस के एएक्स-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं। यह मिशन 25 जून को दोपहर 12 बजे अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से लॉन्च किया गया था। भारत के लिए यह उपलब्धि सिर्फ अंतरिक्ष विज्ञान का विस्तार ही नहीं बल्कि वैश्विक मंच पर वैज्ञानिक नेतृत्व की दिशा में एक और सशक्त कदम है। शुभांशु का यह मिशन और उनके अनुभव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन से बिगड़े हालात...

* हिमाचल में 24 घंटे में 5 जगह बादल फटा; 2 हजार टूरिस्ट फंसे, डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट
* संकट की घड़ी आई...नदिया उफनाई
* बद्रीनाथ हाईवे के पास बड़ा हादसा, अलकनंदा में गिरा टेंपो-ट्रेवलर, तीन की मौत, कई लापता
* मप्र में मानसून की बारिश बनी आफत, इंदौर में छाया अंधेरा, जबलपुर-विदिशा में घरों में घुसा पानी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। अहमदाबाद में बारिश के पानी के बहाव में आकर एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। 9 घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया। सूरत का गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगडने के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। वहीं वडोदरा में भारी बारिश के चलते अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम लग गया। उधर हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के होरनगढ़ गांव में बादल फटने के एक दिन बाद राहत कार्य जारी है। यहां कई गाडियां मलबे में दब गईं।

गुजरात के अहमदाबाद में पिछले 12 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे अहमदाबाद शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। पूर्वी क्षेत्र के मणिनगर, वटवा, सिटीएम, हाटकेश्वर, निकोल ओधव और विराट नगर समेत कई इलाकों में पानी भर गया है। बारिश के पानी के बहाव में एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। दमकल विभाग ने 9 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रेनेज लाइन से 200 फीट दूर उसका शव बरामद किया। इस सीजन में अब तक शहर में 6ः03 इंच बारिश हो चुकी है। सूरत में भी लगातार तीसरे दिन गुरुवार को बाढ़ के हालात हैं। गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगडने के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश में कुल्लु जिले में पिछले 24 घंटों में जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटा। इसके चलते अचानक आई बाढ़ में 9 से ज्यादा लोग बह थे। इसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 5 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। धर्मशाला के खनियारा से लापता एक मजदूर को आज सुबह सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं, कुल्लू में 2 हजार टूरिस्ट फंस गए हैं। डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, राजस्थान में मानसून की बारिश जारी है। बांसवाड़ा में एक दिन में सबसे ज्यादा 8 इंच पानी बरसा।

रुद्रप्रयाग में हादसाः उफनती अलकनंदा नदी में गिरी बस,10 लोग हुए लापता

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। जिले के घोलतीर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। उफनती अलकनंदा नदी में एक पूरी बस समा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा बद्रिनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे को लेकर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने कहा कि दुर्घटना ग्रस्त गाड़ी के टेम्पो ट्रैवलर होने की संभावना है। गाड़ी यात्रियों को लेकर जा रही थी। मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। पांच से सात लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि एक बॉडी रिकवर कर ली गई है। अस्पताल में भर्ती टैंपो ट्रैवलर के ड्राइवर सुमित ने पूरे हादसे की जानकारी दी है। उसने बताया कि बस केदारनाथ से बद्रीनाथ जा रही थी। इसी दौरान ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे टैंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होते हुए नदी में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लापता लोगों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गाड़ी में 18 से 19 यात्रियों के होने का अनुमान है। इस बीच जानकारी मिली है कि दुर्घटनाग्रस्त बस राजस्थान से आ रही थी, जिसमें कुल 18 लोग सवार थे। अभी तक इस हादसे में एक महिला यात्री की मौत हुई है। वहीं सात लोग घायल हैं। घायलों में 9 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। इन दोनों घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दस यात्री लापता हैं। इस बीत बड़ी जानकारी यह मिली है कि जो टैंपो ट्रैवलर अलकनंदा नदी में गिरी है, वो ट्रक की टक्कर की वजह से गिरी है।

आज से शुरु हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा, 8 जुलाई तक चलेगी

-भगवान जगन्नाथ, भाई और बहन के साथ मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से आषाढ़ मा?ह के शुक्ल पक्ष में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 27 जून यानी शुक्रवार से होगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी।

जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह यात्रा का कार्यक्रम 12 दिन का है। रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। पंचांग के मुताबिक जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से होती है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 मिनट से लेकर 27 जून को 11:19 मिनट तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी।

यात्रा के शुभारंभ के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र होंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5:25 से 7:22 तक है। उसके बाद से पुष्य नक्षत्र है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:56 से दोपहर 12:52 तक है।

अबूझमाड़ में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

नारायणपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया गया। जवानों ने मौके से दोनों के शव बरामद कर, एक 315 बोर की राइफल सहित अन्य हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया है। जानकारी अनुसार यह मुठभेड़ नारायणपुर जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र में हुई। बताया गया है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में नक्सलियों की हलचल बढ़ी है। इसी आधार पर नारायणपुर से डीआरजी और कोंडागांव से एसटीएफ की संयुक्त टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। बुधवार रात जवानों ने जैसे ही संदिग्ध इलाके की घेराबंदी शुरू की, नक्सलियों के द्वारा उन पर फायरिंग शुरू कर दी गई। इसके बाद दोनों ओर से रातभर गोलीबारी चली। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दो नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, इलाके में और भी नक्सलियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके चलते अतिरिक्त बल को भी तैनात किया गया है। फिलहाल सुरक्षा बल इलाके में डटे हुए हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह ऑपरेशन नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

हिंदी भाषा को लेकर शाह बोले- हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र

* भाषा राष्ट्र की आत्मा और हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र भाषा है। उन्होंने भारतीय भाषाओं और हिंदी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है।

समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा, कि हम किसी भी भाषा के विरोध में नहीं हैं और न ही किसी विदेशी भाषा से ही हमारा बैर होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के महिमामंडन का होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक व्यक्ति अपनी भाषा में सोचने, बोलने और उस पर गर्व करने की मानसिकता नहीं अपनाता, तब तक वह गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने युवाओं और भावी पीढ़ियों को अपनी भाषा में सोचने और अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना चाहिए।

हिंदी के साथ अन्य भारतीय भाषाएं आगे बढ़ें

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं मिलकर ही देश के स्वाभिमान और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे ले जा सकती हैं। इसके साथ ही, उन्होंने सभी भाषाओं को समृद्ध करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस प्रकार राजभाषा के इस समारोह में शाह ने जो विचार रखे, वह केवल भाषा की बात नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना और सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता की ओर इशारा करते हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के आपसी सहयोग और सम्मान से ही देश अपनी अस्मिता को और मजबूत बना सकता है।

राजनाथ ने एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया

किंगदाओ/नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों व प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इससे निपटने में 'दोहरा' मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित सीमापार से जारी आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने के लिए एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया।

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा दस्तावेज का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि सीमापार से जारी आतंकवादी गतिविधियों समेत आतंकवाद से निपटने के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है।

सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद से निपटने के मामले में 'दोहरा मापदंड नहीं' होना चाहिए एससीओ सदस्य देशों को एकजुटता के साथ इस खतरे की निंदा करनी चाहिए। भारत और चीन के अलावा एससीओ में पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

पाकिस्तान का परोक्ष उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के लिए सीमापार आतंकवाद को 'नीतिगत साधन' के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

उन्होंने कहा, 'पहलगाम आतंकी हमले के दौरान, पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली।' उन्होंने कहा, 'पहलगाम हमले का तरीका भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों के जैसा था। भारत की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति उसके कार्यों से प्रदर्शित होती है।'

उन्होंने कहा, 'इस नीति में आतंकवाद से खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे।' सिंह ने कहा कि एससीओ सदस्यों को आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने इस खतरे से सभी रूपों में लड़ने के भारत के संकल्प की पुष्टि की। रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी आह्वान किया।

सिंह ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये खतरे सभी देशों के सामने हैं और इनसे निपटने के लिए पारदर्शिता, आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकृत प्रयासों की जरूरत है।

आप विधायक का सभी पदों से इस्तीफा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में बोटाद सीट से आम आदमी पार्टी विधायक उमेश मकवाना ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मकवाना ने कहा- मैंने 20 साल तक भाजपा में अलग-अलग पदों पर काम किया। उस समय जब गुजरात में आप को कोई पहचानता भी नहीं था, तब मैंने सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी छोडक़र आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। अब मुझे लगता है कि आप पार्टी अंबेडकर के सिद्धांतों से भटक रही है। यही कारण है कि मैंने आम आदमी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मैं पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करना जारी रखूंगा। मैं बोटाद के लोगों के बीच जाऊंगा। फिर उनकी राय लूंगा। 3 दिन पहले गुजरात की विसावदर सीट पर हुए उपचुनाव में आप कैंडिडेट गोपाल इटालिया 17554 वोटों से जीते थे।

540 करोड़ का ड्रग-मनी लॉन्ड्रिंग मामलाः सात दिन के रिमांड पर बिक्रम मजीठिया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विजिलेंस ने 540 करोड़ के ड्रग व मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को अमृतसर से गिरफ्तार किया था। मजीठिया को गुरुवार को मोहाली कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने मजीठियो को सात दिन के रिमांड पर भेजा है।

फिनटेक के साथ फास्टैग इकोसिस्टम का किया जाएगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएंः गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग इकोसिस्टम में न केवल टोलिंग के लिए है बल्कि पूरे देश में निर्बाध डिजिटल यात्रा अनुभवों के आधार के रूप में अपार संभावनाएं भी इसमें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के जरिए हमारा लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक मजबूत मंच देना है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि 98.5 फीसदी टोल पेमेंट के साथ, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग प्रोग्राम 1,728 टोल प्लाजा पर संचालित होता है। इसके अलावा, 38 से ज्यादा बैंकों ने डिजिटल भुगतान का समर्थन करते हुए 11.04 करोड़ फास्टैग जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कारों के लिए 3,000 रुपए की कीमत वाले फास्टैग वार्षिक पास की शुरुआत की घोषणा की है, जो इस साल 15 अगस्त से प्रभावी होंगे।

फास्टैग सिस्टम के इनोवेटिव एप्लीकेशन का पता लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रमोटेड कंपनी इंडियन हाईवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा दिल्ली में फिनटेक कंपनियों के साथ एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी। वर्कशॉप का उद्देश्य विकास के अगले चरण का समर्थन करने के लिए नियामक अनुपालन, शिकायत निवारण, सुरक्षा और फास्टैग के गैर-टोल एप्लीकेशन जैसे पहलुओं पर अग्रणी फिनटेक प्लेयर्स से जानकारी जुटाना था।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इस वर्कशॉप में प्रस्तुतियां और चर्चाएं डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का मार्ग प्रशस्त करेंगी, जिससे देश के हर यात्री को लाभ मिलेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने कहा कि फिनटेक भारत के लिए एक उज्ज्वल स्थान है और इसने हमें कई इनोवेशन दिए हैं, जबकि फास्टैग ने देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह को बदल दिया है।

एनएचएआई के अध्यक्ष के मुताबिक वर्कशॉप भविष्य के इनोवेशन का मार्ग प्रशस्त करेगी, जो हमें टोल संग्रह से परे फास्टैग प्रणाली के दायरे और उपयोगिता को बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह भविष्य के समाधान बनाने का एक शानदार अवसर है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं की कई जरुरतों को पूरा करेगा।

ऑपरेशन सिंधुः ईरान से 272 भारतीयों, तीन नेपाली नागरिकों को निकाला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने इजराइल के साथ संघर्ष के बाद ईरान से 272 भारतीय और तीन नेपाली नागरिकों को निकाला है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीयों को लेकर एक विशेष विमान ईरानी शहर मशहद से आधी रात के बाद दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'ऑपरेशन सिंधु अपडेटः 272 भारतीय और 3 नेपाली नागरिकों को ईरान से एक विशेष विमान के जरिये निकाला गया, जो 26 जून को 00ः01 बजे (25 जून आधी रात 12 बजे के बाद) मशहद से नई दिल्ली पहुंचा। ऑपरेशन सिंधु के तहत 3426 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया गया है।' भारत ने बुधवार को ईरान से 296 भारतीय नागरिकों और चार नेपाली नागरिकों को निकाला था। भारत ने मंगलवार को ईरान और इजराइल से 1,100 से अधिक नागरिकों को निकाला था। उसने इजराइल से 594 भारतीयों की स्वदेश वापसी कराई जिनमें से 400 से अधिक के लिए भारतीय वायु सेना के सी-17 हेवी-लिफ्ट विमान का उपयोग किया गया। साथ ही, 161 भारतीयों को अम्मान से एक चार्टर्ड उड़ान में वापस लाया गया। वे सड़क मार्ग से इजराइल से जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

चीन की मदद से स्थिर हुई पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि चीन के लगातार वित्तीय और आर्थिक समर्थन से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने के लिए बीजिंग के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गेट्स फाउंडेशन गावी टीकों के लिए देगा 1.6 अरब डॉलर

न्यूयार्क, एजेंसी। गेट्स फाउंडेशन ने मंगलवार को कहा कि वह अगले पांच वर्षों में गावी को समर्थन देने के लिए 1.6 अरब डॉलर देगा। यह एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी है जो दुनिया के सबसे गरीब बच्चों के लिए टीके खरीदने में मदद करती है। फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने कहा, विदेशी मदद में भारी कटौती के कारण इस साल दुनिया भर में मरने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

ट्रंप प्रशासन गाजा में खाना बांटने वाले इस्राइल समर्थित समूह को 30 मिलियन डॉलर देगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने फैसला किया है कि वह गाजा में खाना बांटने वाले इस्राइल समर्थित समूह को 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर देगा। यह जानकारी एक अमेरिकी अधिकारी ने मंगलवार को दी। यह पैसा उस समय दिया जा रहा है जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है। यह पहली बार है जब अमेरिकी सरकार ने गाजा में मानवीय सहायता देने के लिए इस तरह की मदद की है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह एक संवेदनशील और विवादास्पद मामला है, लेकिन अमेरिका ने इस मदद को मंजूरी दे दी है।

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए स्पेन ने वीजा नियमों में दी ढील

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन ने विदेशी छात्रों के लिए अपने विश्वविद्यालयों में त्वरित प्रवेश (फास्ट एंट्री) को मंजूरी दे दी है। स्पेन के प्रवासन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि, जो छात्र वीजा निलंबन के कारण अमेरिका में अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सकते हैं, वे स्पेन जा सकेंगे। मंत्रालय ने कहा कि वीजा छात्रों को अंशकालिक काम करने की भी अनुमति देगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अमेरिका के कई शीर्ष विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों को वीजा नियमों में कड़ाई कर दी है। इसके चलते हजारों छात्र दूसरे देशों का विकल्प तलाशने लग गए हैं। ट्रंप के इस फैसले से स्पेन सहित कई यूरोपीय देशों को प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करने के लिए अवसर मिल गया। ओपन डोर्स वेबसाइट के अनुसार, विदेश में अध्ययन करने के इच्छुक छात्रों के लिए शीर्ष विकल्पों में स्पेन, ब्रिटेन और इटली के बाद तीसरे स्थान पर है। यहां हर साल कम से कम 20,000 छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए वीजा के लिए आवेदन करते हैं।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हथियारबंद लोगों के हमले में संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को बताया कि मध्य अफ्रीकी गणराज्य में हथियारों से लैस लोगों के हमले में एक शांतिरक्षक की मौत हो गई। इस घटना पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने चिंता जताई है, क्योंकि हाल के समय में शांतिरक्षकों पर हमले बढ़ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, यह हमला शुक्रवार को हुआ, जब कुछ संदिग्ध सूडानी सशस्त्र समूहों ने देश की उत्तरी सीमा के पास अम-सिसिया 1 नाम के गांव में शांतिरक्षकों की एक टीम पर हमला किया। इस हमले में जाम्बिया का एक शांतिरक्षक मारा गया और एक अन्य घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। मृतक सैनिक की पहचान 33 वर्षीय स्टीफन मुलोक सचचोमा के रूप में हुई है। वह संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन मिनुस्का के तहत जाम्बियन सेना में तैनात थे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 विद्रोही ढेर

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मंगलवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरारोगा क्षेत्र में 11 विद्रोहियों को मार गिराया। इस अभियान को खुफिया जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सात विद्रोही घायल हो गए। मुठभेड़ में दो सुरक्षाकर्मी भी मारे गए हैं। आईएसपीआर ने कहा कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने सरकार भंग करने की मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की धमकी को लेकर मंगलवार को चेताया कि यह देशद्रोह जैसा अपराध है। गंडापुर ने सोमवार को आरोप लगाया था कि संघीय सरकार प्रांत में आपातकाल लगाने की साजिश कर रही है। ऐसे में यदि पार्टी अध्यक्ष इमरान खान आदेश देंगे तो वह सरकार तुरंत भंग कर देंगे। कुंदी ने कहा, प्रांतीय सरकार एक सजायाफ्ता कैदी के निर्देश पर चल रही है।

हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक ने इंटरपोल से मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक इन दिन विवादों के केंद्र में हैं। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधी आयोग ने ट्यूलिप के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है और इस मामले में इंटरपोल की मदद लेने की बात कही जा रही है। बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद अब्दुल मोमेन ने मंगलवार को कहा कि ट्यूलिप सिद्दीक पर कार्रवाई इंटरपोल से परामर्श के बाद की जाएगी। लेकिन आखिर क्यों बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ट्यूलिप सिद्दीक के पीछे पड़ी है? आइए, जानते हैं।

मोमेन ने मीडिया से बातचीत में कहा, ट्यूलिप सिद्दीक के खिलाफ वारंटी जारी है और उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया है। इंटरपोल से सलाह-मशविरा कर हम आगे की कार्रवाई करेंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ट्यूलिप सिद्दीक ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर उनकी छवि खराब करने के लिए झूठा अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

भ्रष्टाचार के आरोप और गिरफ्तारी वारंट : ट्यूलिप सिद्दीक ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सांसद हैं और लंदन के हैम्पसटेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन पर बांग्लादेश में शेख हसीना के शासनकाल के दौरान अवैध रूप से जमीन हासिल करने और भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधी आयोग ने अप्रैल 2025 में ट्यूलिप, शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और अन्य 50 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

आयोग का दावा है कि ट्यूलिप ने अपनी खाला शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते हुए अपने राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर ढाका में गैरकानूनी तरीके से भूखंड हासिल किए। इसके अलावा, यह भी आरोप है कि हसीना सरकार के दौरान लगभग 234 अरब डॉलर (लगभग 27.38 लाख करोड़ टका) भ्रष्टाचार के जरिए देश से बाहर भेजे गए, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा ब्रिटेन में निवेश किया गया।

आरोपों का आधार और ट्यूलिप का जवाब : बांग्लादेश की भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने ट्यूलिप पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी खाला (मौसी) शेख हसीना के शासनकाल के दौरान अवैध रूप से जमीन हासिल की थी। एसीसी का दावा है कि ट्यूलिप या उनकी मां को ढाका के पुर्बाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का एक भूखंड आवंटित किया गया था। इसके अलावा, यूनुस ने मार्च 2025 में स्काई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि ट्यूलिप के पास बांग्लादेश में बहुत सारी संपत्ति है और उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। तुलिप ने इन बयानों को उनके खिलाफ निष्पक्ष जांच के अधिकार को प्रभावित करने वाला बताया है। ट्यूलिप ने अपने वकीलों के माध्यम से यूनुस और एसीसी को कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ चल रही जांच को तत्काल बंद किया जाए। नोटिस में कहा गया है कि यह अभियान पूरी तरह से गलत और गैरकानूनी है।

इंटरपोल की मदद क्यों? : बांग्लादेश पुलिस के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो ने हाल ही में इंटरपोल के माध्यम से एक अनुरोध भेजा है, जिसमें शेख हसीना सहित 12 लोगों के खिलाफ रेड नोटिस जारी करने की मांग की गई। रेड नोटिस का उपयोग प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई के लिए व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में किया जाता है। भ्रष्टाचार निरोधी आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ट्यूलिप के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने के लिए इंटरपोल के साथ परामर्श किया जाएगा। हालांकि, यह मामला जटिल है क्योंकि ब्रिटेन और बांग्लादेश के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है। इसलिए, गिरफ्तारी वारंट को लागू करना कानूनी और कूटनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

बांग्लादेश समाचार संघ के अनुसार, एसीसी प्रमुख ने कहा, सिर्फ पत्र भेजकर मामले को सुलझा लिया जाएगा, यह उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर किसी के खिलाफ मामला दर्ज है, तो उसे अदालत का सामना करना चाहिए।

ग्रीस दौरे पर पहुंचे भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह, रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

एथेंस, एजेंसी। भारत और ग्रीस के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने के मकसद से भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह आधिकारिक दौरे पर ग्रीस पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान ग्रीस की वायुसेना की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों देशों के बीच जारी सैन्य सहयोग को नई दिशा देने की उम्मीद इस दौरे से जताई जा रही है।सोमवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ग्रीस पहुंचे। वहां पापागु मिलिट्री बेस स्थित हेलेनिक एयर फोर्स जनरल स्टाफ में ग्रीस के वायुसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल डिमोस्थेनिस ग्रिगोरियादिस ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान उन्हें ग्रीस की वायुसेना की संरचना, मिशन और संचालन गतिविधियों की जानकारी दी गई।भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संचालन और प्रशिक्षण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूती देना है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों का दौरा किया और स्टाफ टॉक्स में हिस्सा लिया। दोनों देशों की वायुसेनाएं पहले भी संयुक्त सैन्य अभ्यास जैसे इनियोखोस-23, इनियोखोस-25 और तरंग शक्ति-24 में भाग ले चुकी हैं।गौरतलब है कि इन सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी यानी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की क्षमता में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हुई है, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में बेहद अहम मानी जा रही है।दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल सिंह, ग्रीस की लड़ाकू इकाइयों के अलावा डेकलिया एयर बेस स्थित हेलेनिक वायुसेना अकादमी का भी दौरा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच आपसी प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और संयुक्त सैन्य योजनाओं पर विस्तार से बातचीत होगी।विशेषज्ञों का मानना है कि जब भूमध्य सागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में भारत और ग्रीस का सैन्य सहयोग दोनों देशों की सामरिक तैयारियों को मजबूती देगा। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का यह दौरा न सिर्फ रक्षा साझेदारी को नई ऊंचाई देगा बल्कि भारत की वैश्विक सैन्य कूटनीति को भी मजबूत करेगा।

ताहो झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहा था परिवार, अचानक आया तेज तूफान; आठ लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। कैलिफोर्निया की ताहो झील में बड़ा हादसा हुआ। अचानक आए तूफान ने एक परिवार की खुशियां काफूर कर दीं। तूफान के चलते झील में नाव पर जन्मदिन का जश्न मना रहे एक परिवार के चार लोगों समेत आठ की मौत हो गई। जबकि दो लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बचाया गया।

उत्तरी कैलिफोर्निया के रेडवुड सिटी 73 वर्षीय टेरी पिक्ल्स ताहो झील में अपने बेटे सैन फ्रांसिस्को निवासी 37 वर्षीय जोश पिक्ल्स की नाव पर अपनी पत्नी 71 वर्षीय पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे। इस दौरान अचानक आए तेज तूफान में नाव पलट गई। हादसे में जोश पिक्ल्स, उनके पिता टेरी पिक्ल्स, मां पाउला बोजिनोविच और लिंकन निवासी उनके चाचा 72 वर्षीय पीटर बेयस की मौत हो गई। जोश पिकल्स की पत्नी जॉर्डन सुगर-कार्ल्सगार्ड ने कहा कि हम उस दर्द और पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं जो हमें यह जानकर महसूस हो रहा है कि झील पर आनंदमय समय बिताने के दौरान उनकी जान चली गई। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने दुखद रूप से अपनी जान गवां दी। परिवार के प्रवक्ता सैम सिंगर ने बताया कि सभी लोग पाउला बोजिनोविच का जन्मदिन मना रहे थे।

नेतन्याहू का दावा- जंग में इजराइल की जीत हुई:कहा- हमारी दहाड़ से तेहरान हिल गया

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, यानी मंगलवार को सीजफायर हो गया। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा- हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा- हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं। ईरान

की राजधानी तेहरान में कल विक्ट्री सेलिब्रेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने सबसे पहले मंगलवार तड़के 3:30 बजे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों देशों में सीजफायर की जानकारी दी थी।

ईरान के कमांडरों और वैज्ञानिकों का शनिवार को अंतिम संस्कार होगा

ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक चले संघर्ष में मारे गए शीर्ष सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों का शनिवार को राजधानी तेहरान में राजकीय अंतिम संस्कार आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दी है। एजेंसी ने यह भी बताया कि 13 जून कोमारे गए रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स प्रमुख हुसैन सलामी को गुरुवार को दफनाया जाएगा।

ईरान ने 700 लोगों को गिरफ्तारी किया : ईरान ने 12 दिन चले संघर्ष के दौरान 700 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर इजराइल से संबंध होने का आरोप है। यह जानकारी ईरान से जुड़े सरकारी मीडिया प्लेटफॉर्म नूरन्यूज़ ने दी है। इन लोगों पर संघर्ष के दौरान इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद से संबंध रखने और दुश्मन के पक्ष में काम करने का आरोप है।

ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद की गोपनीय ब्रीफिंग टली : ट्रम्प प्रशासन ने ईरान पर अमेरिकी हमले को लेकर सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सदस्यों के लिए तय गोपनीय ब्रीफिंग को टाल दिया है। न्यूज एजेंसी एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीनेट की ब्रीफिंग अब गुरुवार को होगी, ताकि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो उसमें शामिल हो सकें। वहीं, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की ब्रीफिंग शुक्रवार तक टाल दी गई है। यह जानकारी हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने दी।

ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी करने वाले 3 लोगों को फांसी दी : ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में तीन लोगों को आज सुबह फांसी पर लटका दिया है। इनके नाम इदरीस अली, आजाद शुजाई और रसूल अहमद रसूल हैं। यह तीसरा मामला है जब कुछ ही दिनों में इजराइल के लिए जासूसी करने वालों को फांसी दी गई है।

तुर्की की सेना में भरे राष्ट्रपति एर्दोगन के विरोधी, अब 158 सैनिकों को जेल में डाला

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की पुलिस ने मंगलवार को 158 सैन्य कर्मियों को गिरफ्तार किया। इन सैनिकों पर 2016 के असफल तख्तापलट की साजिश रचने के आरोपी फतेहुल्लाह गुलेन से संबंध होने का संदेह है। इस्तांबुल में सरकारी वकील के कार्यालय ने यह जानकारी दी। गुलेन एक धार्मिक नेता थे और 2024 में उनका निधन हो चुका है। वे कभी राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन के करीबी सहयोगी थे, लेकिन बाद में दोनों कट्टर विरोधी बन गए।

गुलेन 1999 में अमेरिका चले गए थे और कभी तुर्की वापस नहीं लौटे। तुर्की सरकार का आरोप है कि गुलेन का हिजमत आंदोलन देश में एक समांतर राज्य की स्थापना की कोशिश कर रहा था। इसी आरोप में 2016 के बाद से अब तक करीब 26,000 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। इनमें से 9,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया है।

ताजा गिरफ्तारियों में मुख्य रूप से सेना के सदस्य शामिल हैं। इनमें कई बड़े सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति एर्दोगन का विरोधी माना जाता है। साथ ही यह भी बताया गया कि 18 अन्य सैन्यकर्मियों की तलाश अभी भी जारी है। गौरतलब है कि मई के अंत में भी सेना के करीब 50 सदस्यों को इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, मई में ही 65 सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को गुलेन से संबंधों के संदेह में हिरासत में लिया गया था। तुर्की सरकार ने गुलेन के अनुयायियों को वैश्विक स्तर पर निशाना बनाने की कसम खाई है, और यह कार्रवाई उसी दिशा में एक कदम है। तुर्की सरकार हिजमत आंदोलन को आतंकी संगठन घोषित कर चुकी है।

2016 के तख्तापलट के प्रयास के बाद तुर्की में बड़े पैमाने पर छंटनी और गिरफ्तारियां देखी गई हैं। सरकार ने इस घटना के लिए गुलेन के आंदोलन को जिम्मेदार ठहराया था, जिसे तुर्की ने फतेहुल्लाहवादी आतंकी संगठन के रूप में नामित किया है। तब से, हजारों सैन्य कर्मियों, सिविल सेवकों, शिक्षकों और न्यायाधीशों को नौकरी से हटाया गया या गिरफ्तार किया गया है।

फ्रांस म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान लोगों पर सुई से हमला, 145 लोग घायल, 12 संदिग्ध गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में 21 जून को एनुअल स्ट्रीट म्यूजिक फेस्टिवल फेते डे ला म्यूजिक के दौरान कुछ संदिग्धों ने फेस्टिवल में आए लोगों को भीड़ का फायदा उठाते हुए इन्जेक्शन लगा दिए। सिरिंज हमले अक्सर अचानक और छिपकर किए जाते हैं। द गार्डियन के मुताबिक ये स्पष्ट नहीं है कि इन्जेक्शन में डेट-रेप ड्रग्स जैसे रोहिप्नोल या जीएचबी दिए गए या नहीं। ये ड्रग्स लोगों को बेहोश नशे में लाने के लिए इस्तेमाल होते हैं। कुछ पीड़ितों को टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया गया।घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। कई संदिग्धों ने मौके पर तोड़फोड़ भी की। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

देशभर में 145 सिरिंज लगाने की शिकायत, 12 गिरफ्तार : इन्जेक्शन देने की शिकायत के बाद पुलिस ने 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इससे पहले एक फेमिनिस्ट इन्फ्लुएंसर ने पहले चेतावनी दी थी कि सोशल मीडिया पर महिलाओं को सिरिंज से निशाना बनाने की बातें हो रही थीं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये पोस्ट कहां या किसने किए। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि देशभर में 145 लोगों ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की, जिनमें पेरिस में 13 मामले शामिल हैं। पेरिस में तीन लोगों, जिनमें एक 15 साल की लड़की और 18 साल का लड़का शामिल है, ने सिरिंज से चुभने की शिकायत की।

देशभर में 370 से ज्यादा लोग हिरासत में लिए गए

इससे पहले 2022 में भी क्लब, बार और संगीत आयोजनों में सिरिंज हमलों की शिकायतें आई थीं। सरकार ने तब लोगों को सतर्क रहने और सिरिंज से ड्रग दिए जाने की आशंका पर तुरंत पुलिस में शिकायत करने और टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट कराने की सलाह दी थी। इस बार के उत्सव में 370 से ज्यादा लोग विभिन्न आरोपों में हिरासत में लिए गए हैं। जिनमें पेरिस में 90 लोग शामिल हैं। 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें एक 17 साल का लड़का भी है, जिसे पेट में चाकू के घाव के साथ पाया गया। 13 पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह नहीं कर पाई अमेरिकी बमबारी, खुफिया रिपोर्ट लीक हुई तो भड़के ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान के तीन परमाणु स्थलों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों को सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक करार दिया था। हालांकि, एक नई खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ, बल्कि इसे केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेला गया। इस रिपोर्ट के बाद ट्रंप भड़के नजर आ रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया आउटलेट्स पर निशाना साधा।

ट्रंप ने बुधवार को मीडिया संस्थानों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेंटागन की प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट को लेकर सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने जो खबर चलाई वह झूठी और देश को कमजोर करने की साजिश है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, फेक न्यूज सीएनएन और फेलिंग न्यूयॉर्क टाइम्स ने मिलकर इतिहास की सबसे सफल सैन्य कार्रवाई को बदनाम करने की कोशिश की है। ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह हो चुके हैं!

शनिवार को अमेरिका ने इजरायल के समर्थन में ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों- फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर

'बंकर बस्टर' बमों से हमला किया था। ये बम 18 मीटर कंक्रीट या 61 मीटर जमीन के नीचे जाकर विस्फोट कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन का दावा था कि इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम समाप्त हो गया है।

25 जून 2025 को, रॉयटर्स और सीएनएन सहित कई समाचार एजेंसियों ने एक प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि हमलों से ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ। पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि हमलों ने फोर्दो और नतांज जैसी सुविधाओं के प्रवेश द्वारों को सील कर दिया, लेकिन भूमिगत संरचनाएं ढह नहीं सकीं। कुछ सेंट्रीफ्यूज और संवर्धित यूरेनियम का भंडार भी बरकरार रहा। इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का परमाणु कार्यक्रम केवल कुछ महीनों के लिए प्रभावित हुआ। इस रिपोर्ट के लीक होने पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह एक टॉप सीक्रेट रिपोर्ट थी, जिसे लीक कर के ट्रंप और हमारे सैनिकों को बदनाम करने की कोशिश की गई है। जब आप 30,000 पाउंड के 14 बम एकदम सही तरीके से गिराते हैं, तो नतीजा सिर्फ और सिर्फ तबाही होता है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी संघर्षविराम के बाद देश को संबोधित करते हुए कहा कि, हमने ईरान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ईरान अब कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा। अगर उन्होंने फिर से कोशिश की, तो हम पहले जैसी ही दृढ़ता और तीव्रता से जवाब देंगे।

संघर्षविराम के बाद ईरान ने संकेत दिया है कि वह अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर दोबारा वार्ता को तैयार है। राष्ट्रपति मसूद पेसेश्कियान ने कहा कि ईरान परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने वैध अधिकारों की रक्षा करता रहेगा।

जलभराव से निपटने को बारिश में भी जुटे रहे निगम कर्मी व अधिकारी

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। दो दिन से हो रही बारिश से शहर में हुई जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए बुधवार को निगम कर्मी व अधिकारी बारिश में भी डटे रहे। पानी निकासी में किसी प्रकार की रुकावट न हो, इसके लिए बारिश के बीच भी सफाई कर्मचारी नालों की जालियों में फंसा पॉलिथीन व अन्य कचरा निकालकर ब्लॉकेज खत्म करते रहे। वहीं, निगम अधिकारियों ने जलभराव वाले इलाकों का दौरा कर कर्मियों को पानी निकासी के निर्देश दिए। दो दिन से हो रही बारिश से बुधवार को शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। नगर निगम मेयर सुमन बहमनी व निगमायुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर निगम के वार्ड नंबर एक से सात तक सीएसआई हरजीत सिंह, वार्ड आठ से 15 तक सीएसआई विनोद बेनीवाल व वार्ड 16 से 22 तक सीएसआई अनिल नैन के नेतृत्व में सभी सफाई कर्मी जलभराव से निपटने को डटे रहे। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक की देखरेख में सभी सफाई निरीक्षक वार्डों में पानी निकासी करने में जुटे रहे। सफाई कर्मी नालों में लगे जालों में फंसे पॉलिथीन, बोरी, बैग, कपड़े व अन्य कचरा निकालकर निकासी करने में जुटे रहे। बारिश के बीच नालों के जालों में जहां कचरा फंसा हुआ मिला। उसे निकाला गया। ताकि पानी की निकासी होती रहे। वहीं, अभियंता शाखा के एक्सईएन विकास धीमान, निगम अभियंता मृणाल जैयसवाल, सुरेंद्र दहिया, दीपक सुखीजा, मुनेश्वर भारद्वाज सभी कनिष्ठ अभियंताओं के साथ वार्डों का दौरा करते रहे। निगम कर्मचारी बड़ों नालों समेत छोटे नालों के विभिन्न प्वाइंटों व जालों पर तैनात होकर सफाई करते रहे। कई स्थानों पर निगम की जेसीबी के माध्यम से नालों में फंसा कचरा साफ कर पानी की निकासी की गई। ताकि पानी को उतरने में गति मिले। निगम अधिकारियों ने निरीक्षण में जहां पानी का अटकाव नजर आया, वहां जेसीबी व कर्मचारियों के माध्यम से जल निकासी की गई।

सीएम ने कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले जत्थे को प्रदान किया किट

कौमी पत्रिका

गाजियाबाद, 26 जून: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा व मार्गदर्शन में पिछले 8 वर्ष में यूपी ने जो कार्य किया है, उससे गाजियाबाद नए गाजियाबाद के रूप में चमक रहा है। यहां के बारे में धारणा बदली है। जिस गाजियाबाद के नाम पर कभी अपराध और गैंगवार की फिल्में बनती थीं। आज यह गाजियाबाद विकास, स्वच्छता व सुव्यवस्था का मॉडल बनकर उभर रहा है। दुनिया की 50 और प्रदेश की पहली स्वच्छ सिटी के रूप में गाजियाबाद का नाम आ रहा है। 10 वर्ष पहले कोई सोचता नहीं था कि जनपद 12लेन के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के साथ जुड़ेगा और देश की पहली रैपिड रेल गाजियाबाद से होकर जाएगी, लेकिन आज यह सब कुछ हो गया। आज गाजियाबाद के पास

रैपिड रेल, 12लेन हाईवे, मेट्रो, एयरपोर्ट भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बातचीत की। उसके पहले कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे जत्थे को शुभारंभ किट उपलब्ध कराया। सीएम ने इन यात्रियों का हृदय से अभिनंदन करते हुए सुखद-मंगलमय यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहाकि देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना करता हूं कि इन सब पर कृपा बनी रहे। दर्शन करके आने वाले सभी यात्रियों को यूपी सरकार की तरफ से एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। कैलाश मानसरोवर भवन हमने यात्रियों की सुविधा के लिए स्थापित किया था। आज 200 से अधिक श्रद्धालु इस भवन में आकर यात्रा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि आज प्रात:कालीन सत्र में गाजियाबाद आया। यहां सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की स्वर्ण जयंती कार्यक्रम हिस्सा बना। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ ग्रीन फील्ड डेटा सेंटर का शिलान्यास किया। सीएम ने कहा कि सीईएल पहले घाटे का प्रतिष्ठान बन चुका था, लेकिन अब डिस इन्वेस्टमेंट से बचकर प्रॉफिट देने वाला भारत के मिनी रत्न प्रतिष्ठानों में से एक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहाकि गाजियाबाद अब ग्रेटर गाजियाबाद के रूप में नई यात्रा को प्रारंभ कर रहा है। यहां सभी संस्थाओं ने अच्छे कार्य किए हैं। सीएम ने कहा-ग्रेटर गाजियाबाद की दृष्टि से कुछ नए इनेसेटिव आगे बढ़ाने के साथ ही खोड़ा, लोनी, मुरादनगर को गाजियाबाद नगर निगम का हिस्सा बनाने और इसके वृहद विकास की कार्ययोजना बनाने को कहा है। इंटीग्रेटेड ऑफिस कॉम्प्लेक्स यानी सभी जनपदीय मुख्यालयों को एक छत के नीचे लाने और पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय के जरिए मुख्यालय के रूप में सुरक्षा व बेहतरीन कानून व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। सीएम ने कहा कि बाबा दुग्धेश्वरनाथ मंदिर कॉरिडोर निर्माण समेत विकास-बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। स्टेडियम बनाने के लिए बीसीसीआई ने बहुत पहले यहां जमीन ली थी, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से कहा गया कि उस लैंड का प्रयोग करे और स्टेडियम बनाकर उसका संचालन करे। सीएम ने कहा कि नागरिक अब मानसरोवर भवन, उत्तराखंड भवन या पूर्वांचल भवन का उपयोग शुरू करे। जीडीए व नगर निगम से कहा है कि इसका मॉडल बनाकर भेजें, जिससे इसे ठीक ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। सीएम ने कहा कि कुछ वर्षों में उठाए गए कदम के कारण गाजियाबाद में ग्रीनरी का लेवल बढ़ा है। यह सुंदर सिटी के रूप में आगे बढ़ी है। यहां कूड़े के ढेर समाप्त हुए और मियावाकी, सिटी फॉरेस्ट के रूप में नया मॉडल देखने को मिल रहा है। सीएम ने कहा कि कभी गाजियाबाद की पहचान रही हिंडन नदी के पुनरोद्धार, प्राकृतिक पद्धति से सुदृढ़ीकरण, एक पेड़ मां के नाम पर नदी के दोनों ओर व्यापक पौधरोपण, विकास, रोजगार समेत अनेक मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई है। डबल इंजन सरकार की विकास की यह यात्रा इसी प्रकार से आगे बढ़ेगी और जनप्रतिनिधियों के सुझाव व इनेसेटिव को प्रशासन धरातल पर उतारेगा। पत्रकारवार्ता के दौरान योगी सरकार के मंत्री सुनील कुमार शर्मा, नरेंद्र कश्यप, गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग, बागपत के सांसद राजकुमार सांगवान, महापौर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, मंजू सिवाच, नंदकिशोर गुर्जर आदि मौजूद रहे।

राज्य में सबसे पहले टीबी मुक्त होने वाले तीन जनपदों को किया जाएगा सम्मानित: धामी

कौमी पत्रिका

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन 1905 में 180 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। 06 माह से अधिक लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होने अनावश्यक रूप से जन शिकायतें फोर्स क्लोज न किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन को राज्य की बेस्ट प्रैक्टिस में लाने के लिए और प्रभावी प्रयास किए जाएं। गुरूवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन 1905 के समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक दिन पूरे राज्य में तहसील दिवस का आयोजन किया जाए। मुख्यमंत्री तहसील दिवस के दिन किसी एक जनपद में औचक रूप से प्रतिभाग करेंगे। इसी तरह एक दिन पूरे राज्य में थाना दिवस का आयोजन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए

जनता दर्शन, तहसील दिवस और बीडीसी का नियमित आयोजन किया जाए। पुलिस और प्रशासन द्वारा मिलकर अतिक्रमण और वेरिफिकेशन अभियान और प्रभावी रूप से चलाए जाएं। प्रत्येक जनपद में दो-दो गांवों को आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किए जाएं, इसके लिए सभी जनपदों में शीघ्र नोडल अधिकारी बनाए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां भी बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर की स्थिति खराब है, उन्हें शीघ्र बदला जाए। सभी ट्रांसफार्मरों का सेफ्टी ऑडिट भी किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं कम वोल्टेज और बिजली के तार लटकने की समस्या न आए, ऐसे प्रकरण पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी प्राधिकरणों से जु? अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों के घरों के नक्शे पास करने में पेंडेंसी न हो। उन्होंने कहा कि सबसे पहले टीबी मुक्त होने वाले तीन जनपदों को सम्मानित किया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों के निस्तारण में अच्छा कार्य करने पर मुख्यमंत्री ने परिवहन, कृषि, समाज कल्याण, आबकारी एवं ऊर्जा विभाग की सराहना की। लोक निर्माण विभाग, भू-विज्ञान और खनन, राजस्व, गृह एवं वित्त विभाग को शिकायतों के निवारण में और तेजी लाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए। सीएम हेल्पलाइन में पेयजल, स्ट्रीट लाइट के रखरखाव, जल जीवन मिशन के तहत कनेक्शन, बिजली कटौती और बिजली के बिल से संबंधित शिकायतें अधिक आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं से बात भी की। उत्तरकाशी के उपेन्द्र सिंह रावत की पेयजल लाइन की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी उत्तरकाशी को एक सप्ताह के अंदर उनकी समस्या का समाधान करवाने के निर्देश दिए। हरिद्वार से आलम ने स्ट्रीट लाइट से संबंधित शिकायत की थी, उनकी समस्या का समाधान हो चुका है। देहरादून के हृदेश नेगी ने कहा कि उनकी पुलिया के निर्माण संबंधी शिकायत पर कार्य शुरू हो चुका है। चमोली के गौरव नौटियाल की पेयजल संबंधी शिकायत का भी समाधान हो चुका है। नैनीताल से देवेंद्र ने कम वोल्टेज की शिकायत का भी समाधान किया जा चुका है। बैठक में उत्तराखंड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष श्री विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव श्री आर. के. सुधांशु, डीजीपी श्री दीपम सेठ, सचिवगण, अपर सचिवगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट ग्लोबल रैंकिंग 2025 में KIIT DU भारत में 5वें स्थान पर

* भारत में असमानताओं में कमी श्रेणी में पहला स्थान
* भारत में शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों की श्रेणी में पहला स्थान
* भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में तीसरा स्थान

नई दिल्ली। टाइम्स हायर एजुकेशन , एक अभिनव मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से दुनिया भर के विश्वविद्यालयों को उनके सामाजिक प्रभाव के आधार पर स्थान निर्धारित करता है। इस संदर्भ में, सामाजिक विकास में सक्रिय रूप से योगदान देने वाले विश्वविद्यालय रैंकिंग में भाग लेते हैं।चद्बद्बञ्ज-ष्ठ इस पहल में लगातार भागीदार रहा है, और इसके जबरदस्त प्रदर्शन के कारण हर साल इसकी स्थिति में लगातार सुधार होता आ रहा है । इस साल भी, चद्बद्बञ्ज ने टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट ग्लोबल रैंकिंग 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय को तीन प्रमुख मानदंडों में इसके प्रभाव के लिए मान्यता दी गई है। असमानता को कम करने (एसडीजी-10) और शांति, न्याय और मजबूत संस्थानों (एसडीजी-16) और सस्ती स्वच्छ ऊर्जा (एसडीजी-7) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए केआईआईटी-डीयू ने देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके अतिरिक्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (एसडीजी-4) सुनिश्चित करने के लिए इसे भारत में तीसरा स्थान

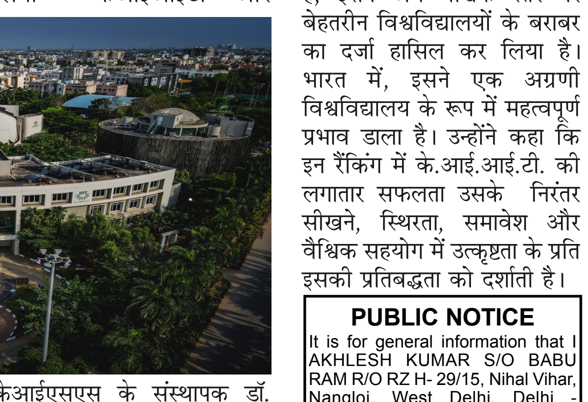

दिया गया है। कुल मिलाकर, केआईआईटी डीम्ड विश्वविद्यालय इम्पैक्ट रैंकिंग में सभी भारतीय विश्वविद्यालयों में पांचवें स्थान पर रहा। वैश्विक स्तर पर, इसे इस वर्ष की रैंकिंग में 101 समूह में रखा गया था, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में उनके योगदान के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करता है। इस वर्ष 130 देशों के 2,400 से अधिक विश्वविद्यालयों ने रैंकिंग में भाग लिया केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने अपनी संस्थान की प्रभावशाली रैंकिंग की सराहना की। उन्होंने कहा, हालांकि के.आई.आई.टी. की शुरुआत बहुत ही साधारण रही है, लेकिन इसने वैश्विक स्तर पर सभी मान्यताओं और रैंकिंग में अपना स्थान बनाया है, इसने अब वैश्विक स्तर पर बेहतरीन विश्वविद्यालयों के बराबर का दर्जा हासिल कर लिया है। भारत में, इसने एक अग्रणी विश्वविद्यालय के रूप में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि इन रैंकिंग में के.आई.आई.टी. की लगातार सफलता उसके निरंतर सीखने, स्थिरता, समावेश और वैश्विक सहयोग में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

Lost & found

SO NO 430/2025 Delhi Police P.S: Crime Branch, Delhi LR No:2950293/2025
GURU CHARAN SINGH,S/D/W/O PRITAM SINGH, GARANGA ROAD NEAR RAILWAY CROSSING MARINDA, ROPAR DISTT, ROPAR-140101, PUNJAB
10:54 am, 26/6/2025] G.P.A.Doc. No.257/2003 dated 11.08.2003 boodk 4 vokme 31 Pages 115 to 116, G.P.A 260/2003 dated 18.08.2003 book 4 Volume No.31 pages 121 to 122 GPA No.256/2003 dated 11.08.2003 book 4 volume 31 pages 113 to 114, GPA No.262/2003 dated 18.08.2003 book 4 volume No.31 pages 125 to 126, GPA.No.261/2003 dated 18.08.2003 book 4 volume No.31, pages 123 Coal 24 [10:54 am, 26/6/2025] Under survey numbers 87/1 Acres 3, 87/4 Acres 3.22 cents, 87/5 Acres 3.26 cents, 88/5A Acre 1.48 cents, 90/4 Acre 2.4 cents totally Acre 12.94 cents situated at siramum village, sivagangai Taluk, Sivagangai Registration District Ramanathapuram Zone, Tamil Nadu. Station House Officer:

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Bittu Kumar & Sanjay Kumar Patel** are Purchasing Plot No. B-10/2 area measuring 50 sq. yds. situated in Block B residential colony Defense Colony (The Vayu Sena Hindon Sahakari Avas Samiti Ltd.) village Brahampur alias Bhopara pargana loni Tehsil & Distt. Ghaziabad U.P. from Anamika Devi who is the owner of the abovementioned property vide Sale Deed dated 07.08.2023 registered as Doc no. 8062 read with Rectification Deed dated 16.10.2023 registered as Doc no. 10805 and intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

Lost & found

SO No: 430/2014 Delhi Police LR No 2950322 /2025 . BIPIN SOOD,S/O JAGAN NATH SOOD, R/O HOUSE NO-5346 MANI MAJRA MODERN COMPLEX CHANDIGARH -160101cbhalla615@gmail.com
I LOST MY ORIGINAL PROPERTY .That I have lost my original sale deed number 827/2003 Kaliyarkovil Sub Registrar Office, Sivagangai Taluk, Sivagangai Registration District, Ramanathapuram Zone, Tamilnadu State and also previous document (i)G.P.A.Doc.No.27/1994, dated 2.5.1994 Book 4 Volume, 17 pages 59-60, G.P.A.No.28/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume 17, pages 61-62, G.P.A. No. 29/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume 17, pages 63-64; GPA Doc. No. 30/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume, 17 page 65-66, G.P.A. Doc. No.31/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume 17, Pages 67-68, G.P.A.No.32/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume 17, pages 69-70. G.P.A.No.34/1994 dated2.5.1994 Book 4 Volume 17, pages 73-74, G.P.A.No. 35/1994 Dated 2.5.1994 Book 4 Volume 17, pages 75-76, G.P.A. No. 39/1994 Dated 6.5.1994 Book 4 Volume 17, Pages 83-84, G.P.A. No.82/1994 Dated 2.8.1994 Book 4 Volume 17, Pages 191-193, G.P.A. No.83/1994 Dated 2.8.1994 Book 4 Volume 17, Pages 195-197, Under survey numbers 84/4 Acres 2.32, 84/5 Acres 2.32, 87/2 Acres 3; 87/3 Acres 3; 88/1 Acres 4.94; 88/3 Acres 2.11; 89/2 Acres 0.14; 89/5 Acres 3; 89/6A Acres 0.32; 89/6C Acres 0.3, 90/1 Acres 2.59, 90/2 Acres 4.30 totally Acres 28.07 situated at Siramam Village, Sivagangai Taluk, Sivagangii Registration District, Ramanathapuram Zone, Tamilnadu.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I Praveen Kumar S/O Late Shri Rattan Lal Tyagi owner of A-1/106-A, LIG Flats, Lawrence Road, Delhi-110035, has applied for certified paper of the aforesaid flat such as original DDA office Possession Letter and NOC for Water and Electriç has been lost. File no.F-26(1391) 1973/HB. And FIR no 2548291-2025 to this effect has been lodged in the police station crime branch Delhi on dated 01/02/2025. Any person claiming any right, intrest, having any objection or found in possession of original documents may write/ contact 9990301121.Dy. Director (LAB) Housing or Director (Housing). DDA Office Vikas Sadan. New Delhi, within 15 days from the date of publication of this notice.

NAME CHANGE

I, No.- 15709375Y Rank-NK Name-MONIBUL SK permanently residing at VILL-RASULPUR, PO-KHALISHPUR, TEHSIL-KALNA, DISTT-PURBA BARDDHAMAN, WEST BENGAL-713422, have changed my mother's name from SAKILA BIBI to SAKILA SEKH for all future purposes vide affidavit dated 23/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DISHA AMIT DHOLAKIYA is legally spouse of No. 15673206K Rank-HAV Name DHOLAKIYA AMIT MANUBHAI, R/O VILL-VANJWARI CHOWK, PO-JUNAGADH, TEH-JUNAGADH, DIST-JUNAGADH (GUJRAT)-362001 have changed my name from DISHA AMIT DHOLAKIYA to DHOLAKIYA DISHABEN AMITKUMAR for all future purposes. And in my husband service records my date of birth wrongly mentioned is 22/08/1989 instead of 20/08/1989. Vide Affidavit Dated 26/06/2025 Before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I Praveen Kumar S/O Late Shri Rattan Lal Tyagi owner of A-1/106-A, LIG Flats, Lawrence Road, Delhi-110035, has applied for certified paper of the aforesaid flat such as original DDA office Possession Letter and NOC for Water and Electriç has been lost. File no.F-26(1391) 1973/HB. And FIR no 2548291-2025 to this effect has been lodged in the police station crime branch Delhi on dated 01/02/2025. Any person claiming any right, intrest, having any objection or found in possession of original documents may write/ contact 9990301121.Dy. Director (LAB) Housing or Director (Housing). DDA Office Vikas Sadan. New Delhi, within 15 days from the date of publication of this notice.

NAME CHANGE

It is for general information that I MANJU KATIYAR W/o DHARMENDER SINGH R/O Police Colony, House No.-32, Pocket-6, Sector-A5, Narela, PO Narela, Dist. North West Delhi-110040, declare that name of mine has been wrongly written as MANJU in my minor son namely DAKSH SINGH aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is MANJU KATIYAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-15447406Y Rank-NK (N ASST.) Name-SUNIL residing at VPO-KURTHALA, TEH-NUH, DISTT-NUH, HARYANA-122107, have changed my mother's name from SHEELA DEVI to SHILA DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 06/03/1968 instead of her correct date of birth as 01/01/1968 vide Affidavit dated 26/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15447406Y Rank-NK (N ASST.) Name-SUNIL residing at VPO-KURTHALA, TEH-NUH, DISTT-NUH, HARYANA-122107, have changed my father's name from NETER PAL SINGH to NETHARPAL for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 18/11/1965 instead of his correct date of birth as 10/04/1963 vide Affidavit dated 26/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-13776793N Rank-NK Name-CHAMAN LAL permanently residing at VILL-BAKHALI, PO-SAROA, TEH-CHACHAYOT, DISTT-MANDI, HIMACHAL PRADESH-175124, have changed my mother's name from DROMPTI DEVI to DAROPATI DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/01/1972 instead of her correct date of birth as 17/08/1973 vide Affidavit dated 26/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15181092W Rank-HAV Name-SOMPAL SINGH residing at VPO-SHAHJAHANPUR, TEHSIL-BEHROR, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301706, have changed my mother's name from VIMLESH DEVI to BIMAALA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 02/03/1967 instead of her correct date of birth as 01/03/1966 vide Affidavit dated 06/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I AKHLESH KUMAR S/O BABU RAM R/O RZ H- 29/15, Nihal Vihar, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as AKHILESH KUMAR and REETA DEVI in my minor son RACHIT aged 14 year in his School record Tha actual name of mine and my wife are AKHLESH KUMAR and RITA DEVI respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRAKASH VEER KOLI S/o FAQIR CHAND residing at House No. 9579, Gaushala, Baradari, Kishan Ganj, North Delhi, Delhi - 110006 , declare that name of mine has been wrongly written as PRAKASH VEER in my SC Certificate No. 880/SDM/KB issued by Govt. of NCT of Delhi. The actual name of mine is PRAKASH VEER KOLI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, LALIT SINGH S/o RAMESHWAR SINGH R/o House No. 1101C, Street No. - 22, Shahid Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar, Dist: North East, Delhi - 110094 have changed the name of my minor Son RUDRA SINGH aged 6 years and he shall hereafter be known as ANIRUDRA SINGH.

NAME CHANGE

I hitherto known as PUSHPA alias PUSHPA KAUR D/o UDIYA NAND W/o RANJEET SINGH, R/o B-96, Indra Marg, Mandawali, East Delhi, Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as PUSHPA KAUR.

NAME CHANGE

I, ASHISH SAINI S/O BAL KISHAN SAINI R/O H. No. 48 D, Gali No. 26 D, Molarband, Extn. Badarpur, South Delhi, Delhi - 110044 have changed the name of my minor Daughter ASHVI SAINI aged 10 year and she shall hereafter be known as EESHVI SAINI.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि लागू नियमों एवं संस्थागत नीति के अनुसार, 31 मार्च 2022 तक के सभी चिकित्सा अभिलेखों (Medical Records) को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया आरंभ की जा रही है। वे मरीज या उनके अधिकृत प्रतिनिधि, जो अपने अभिलेख प्राप्त करना चाहते हैं या किसी प्रकार की आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, कृपया यह कार्य 15-07-2025 तक अवश्य कर लें। इस तिथि के बाद उक्त अभिलेखों को स्थायी रूप से नष्ट कर दिया जाएगा, और फिर उनकी कोई प्रतिलिपि या जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकेगी।
अधिक जानकारी या रिकॉर्ड संबंधित अनुरोध के लिए कृपया संपर्क करें-

Pushpanjali Hospital
Medical Record Department
RR-30, Mianwali Nagar,
New Delhi-110087

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राहुल सोनी, श्री गुलशन कुमार (पुत्र श्री जगबीर सिंह) से एक संपत्ति क्रय करने के इच्छुक हैं, जो कि मकान संख्या 414/20, क्षेत्रफल 62 वर्ग गज, खसरा नंबर 496/232-236 से संबंधित है, जो कि वाका मौजा हिदायतपुर छावनी, कॉलोनी जिसे शांति नगर के नाम से जाना जाता है, गुरुग्राम तहसील एवं जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। उक्त संपत्ति श्री गुलशन कुमार ने श्री सतपाल सिंह से विक्रय विलेख दिनांक 19.11.2010 के माध्यम से खरीदी थी। यह संपत्ति GIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- गुड़गांव, हरियाणा द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। कृपया ध्यान दें कि निम्नलिखित मूल चेन दस्तावेज़ (मूल बिक्री विलेख) खो गए हैं मूल बिक्री विलेख दिनांक 07.08.1997, दस्तावेज़ संख्या 6130, बुक नंबर 01, जो कि 07.08.1997 को उप-पंजीयक कार्यालय, गुरुग्राम में पंजीकृत हुआ था। मूल बिक्री विलेख दिनांक 18.07.2007, दस्तावेज़ संख्या 8555, बुक नंबर 01, जो कि 18.07.2007 को उप-पंजीयक कार्यालय, गुरुग्राम में पंजीकृत हुआ था। इस संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 132271002500493 और 132271002500494) दिनांक 21.06.2025 को हरियाणा पुलिस सिटीजन सर्विसेज़ पर दर्ज करवाई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I Pawan Kumar S/O Kashi Nath, R/O HOUSE NO-1/206/33, S D MANDIR, SADAR BAZAR DELHI CANTT, Moradabad Pahari, South 5 West Delhi, Delhi, 110010, have changed the name of my minor son Rajit aged 16 years and he shall hereafter be known as Rajit Saraf.

NAME CHANGE

I, Anuj Dhankar S/O Harpal Singh, R/O E-225, Near Rathi Market Dharamshala, Krishan Vihar, Pooth Kalan, North West Delhi, Delhi 110086 have changed the name of my minor daughter Taniya Dhankhad aged 17 years and she shall hereafter be known as TANIYA DHANKAR .

NAME CHANGE

I hitherto known as RAJWATI alias KM RAJNI D/O BHAWAR SINGH W/O JITENDRA KUMAR R/O HOUSE NO- 1045, SIHANI NOORNAGAR, PO: MEERUT ROAD DISTRICT GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201003, have changed my name and shall hereafter known as KM RAJNI.

NAME CHANGE

I Avdhesh Kumar S/O Noubat Ram, R/O House No-114, PVT No-4, 1st Floor, BLK-A, PKT 3, Vatsalya Mandir, Sector-7, Rohini,PO Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi, 110085, have changed the name of my minor daughter namely Alia aged 9 years and she shall hereafter be known as Shambhavi

NAME CHANGE

I hitherto known as Santosh W/o Shri Surjeet Kumar R/o H.No-05, Gali No-01, Razapur, Ghaziabad, Kavi Nagar, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Sunita.

NAME CHANGE

I hitherto known as Gourav Valmiki S/o Nand Kishor R/o Mandaula, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Gourav Gahlot.

NAME CHANGE

I, Sunil Kumar, S/O Kashi Nath, R/O House No.206/33, FIRST FLOOR, S D Mandir, SADAR BAZAR, DELHI CANTT, NEW DELHI, South West Delhi, 110010, have changed the name of my minor daughter Priyanshi aged 17 years and She shall hereafter be known as Priyanshi Saraf.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Shankar alias Shankar Choudhary S/O Bindeshwar Chaudhry, House nO-510 rahat enclev Loni Dehat Loni Ghaziabad Ghaziabad Uttar Pradesh 201102, have changed my name and shall hereafter be known as UMA Shankar

NAME CHANGE

I, ASHAR S/O NOOR MOHAMED residing at B-79, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025 have changed my name ASHAR AHMED for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Be it known that my client Sh. Ram Ashrya S/o. Late Sh. Tijay Ram R/o. House No. RZ-L-225, Vijay Enclave, Palam Village, New Delhi-110045, Aadhar No.3444 5245 1854 hereby severed all their relation and has debarred and disinherited his sons and daughters-in-laws Dharmender Kumar, S/o Sh. Ram Ashrya, Kamla W/o. Sh. Dharmender Kumar, Jitender Kumar S/o. Sh. Ram Ashrya, Vimla W/o. Sh. Jitender Kumar and Upender Kumar S/o. Sh. Ram Ashrya from all his properties both immovable and movable. My client has no control over his sons and daughters-in-laws who have no respect and regard for my client, anybody dealing with them in any manner will do so at their own risk and consequences.

Arabinda Nayak Advocate
Ch. No. 245-A,
Lawyer's Chamber Block,
District Court Complex, Saket,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, Sunil Kumar, S/O Kashi Nath, R/O House No.206/33, FIRST FLOOR, S D Mandir, SADAR BAZAR, DELHI CANTT, NEW DELHI, South West Delhi, 110010,have changed the name of my minor son Kartik aged 14 years and he shall hereafter be known as Kartik Saraf.

NAME CHANGE

I hitherto known as Harish S/O Shami, R/O HOUSE N0-303/9, AMRITPURI-B. GARHI, South Delhi, Delhi-110065, have changed my name and shall hereafter be known as HARISH PAL.

NAME CHANGE

I, RAHUL SINGH RAWAT son of Late Shri Jaspal Singh resident of H.No. 53, Kaba Mohalla, Chhawla, South West Delhi-110071 have change my Grand-father's name UMMED SINGH RAWAT was wrongly written in my father's Jaspal Singh aadhar card bearing No. 434207302376 as UMESH SINGH RAWAT But his real and correct name is UMMED SINGH RAWAT instead of UMESH SINGH RAWAT in future for all purposes. That UMMED SINGH RAWAT and UMESH SINGH RAWAT is the same and one person.

सार्वजनिक सूचना

सभी को ज्ञात हो कि मेरे मुवक्किल अर्थात श्री सुरजीत सिंह सेम्भी पुत्र श्री दर्शन सिंह निवासी डी-12, किरण गार्डन नवादा मेट्रो स्टेशन के पास पिलर संख्या 714. उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 ने अपनी पत्नी अर्थात निर्मल कौर और दो बेटों अर्थात हरविंदर सिंह और केवल सिंह. सभी निवासी डी-12ए, किरण गार्डन, नवादा मेट्रो स्टेशन के पास पिलर संख्या 714. उत्तम नगर नई दिल्ली-110059 को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है. क्योंकि ऊपर बताई गई सभी व्यक्ति मेरे मुवक्किल के नियंत्रण से बाहर हैं। मेरे मुवक्किल ने उनसे सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं। अब से मेरे मुवक्किल ने अपनी उपर्युक्त पते की चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया जाएगा। अपनी उपरोक्त पत्नी और बेटों के किसी भी कृत्य, कर्म और चीजों के लिए जिम्मेदार नहीं होगा और उनके साथ किसी भी प्रकार से व्यवहार करने वाला व्यक्ति अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर ऐसा करेगा ।

DAL SINGH SINHA ADVOCATE
SEAT HO.-5, HALL NO.-2, LAWYERS CHAMBER COMPLEX, DISTRICT COURTS, DWARKA SECTOR-10, NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE

Be it known that my client Smt. Ganeshi Devi W/o. Late Sh. Gyasi Ram R/o. House No. 9/266, DDA Flats, Kalkaji, New Delhi-110019, hereby severed all their relation and has debarred and disinherited her son, daughters-in-law, grandson and granddaughters Sanju Kushwa S/o. Late Sh. Gyasi Ram, Rekha W/o. Sh. Sanju Kushwa, Sagar Kushwa S/o. Sh. Sanju Kushwa, Ankita Kushwa D/o. Sh. Sanju Kushwa and Radhika Kushwa D/o. Sh. Sanju Kushwa from all her properties both immovable and movable. My client has no control over her son, daughters-in-law, grandson and granddaughters who have no respect and regard for my client, anybody dealing with them in any manner will do so at their own risk and consequences.

Arabinda Nayak Advocate
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber Block, Distract Court Complex, Saket, New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE

Mr. Rakesh Kumar Sharma Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit no. 11, Block- -4, on 2nd floor, Phase-IV, , Kendriya Vihar -II, Sector-82, Noida, G.B. Nagar, U.P. , Mr. Rakesh Kumar Sharma have lost Original Allotment Letter Cum Call Cup dated 13.02.2002 By Central Government Employees Welfare Housing Organization (i.e CGEWHO) In favour of Mr. Rakesh Kumar Sharma and Last Page of Sub-Lease Deed By New Okhla Industrial Development Authority AND Central Government Employees Welfare Housing Organization In favour of Mr. Rakesh Kumar Sharma . vide regd. Doc No. 6449, Book No.1, Vol no. 2780, on pages 119-160, dated 17.08.2011., for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Original Allotment letter and Last page of Sub Lease deed aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Madhu Bala purchasing Freehold Residential Plot area measuring 78 Sq. Yds., out of Khet no. 2142. Situated in the outer town area Jewar, Pargana-Jewar, Tehsil Khurja Distt Bulandsher, U.P. from Mr. Pawan Kumar., initially Mr. Jagat Swaroop S/o Mr. Motilal owner by virtue of Sale Deed dated 05.12.1991 As Doc No. 8280, Vol No. 1831 Book No. 01 on Pages 153-154 in SR0- Khurja., thereafter Mr. Jagat Swaroop S/o Mr. Motilal Died on 24.02.2001, and same property sold to be Mrs. Madhu Bala our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Sector-16 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Chirag Arora S/o Mr. Vinod Arora is the owner of Freehold Residential Entire Built-up Commercial Property with roof rights Built-up Property Bearing No. 1046 (Old No. 489/37-A), area measuring 27.65 Sq. Yds. i.e. 23.11 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 631/395/61/2/2/1, out of entire area 55.30 Sq. Yds, situated at Abadi of Patel Block, now Known as PATEL GALI, Gandhi Nagar, in the area of Village Seelampur, Illaqa Shahdara, Delhi-110031. by virtue of Gift Deed dated 30.04.2025 as Doc no. 2025/18/I/3610 in Book No. 1 Vol no. 5420 on Page no. 79-102 SR- IV B Vivek Vihar. In the chain documents below mentioned document not available i.e. Probate Order of Will Deed dated 14.05.2003, our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by DCB Bank Limited Branch: Karol Bagh Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना

यह मेरे मुवक्किल श्री राहुल जयंत घाडगे की ओर से आम जनता को सूचित करना है कि वह फ्लैट नंबर ई-58, तीसरी मंजिल, लाजपत नगर- II, नई दिल्ली -110024 वाली संपत्ति खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह सभी संबंधितों के ध्यान में लाया जाता है कि उक्त संपत्ति के मूल शीर्षक दस्तावेज खो गए हैं। इस संबंध में डीडी नंबर 40 ए दिनांक 20/06/2025 के माध्यम से लाजपत नगर पुलिस स्टेशन में पहले ही पुलिस शिकायत दर्ज की जा चुकी है। कोई भी व्यक्तिओं, संस्थाओं, या इकाइयों जिनके पास उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा, अधिकार, शीर्षक, ब्याज या आपत्ति हो सकती है, एतद्द्वारा इस नोटिस के 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करने का अनुरोध किया जाता है, जिसमें विफल होने पर यह माना जाएगा कि ऐसा कोई दावा नहीं है, और लेनदेन तदनुसार आगे बढ़ेगा। ऐसे किसी भी पत्राचार या आपत्ति के लिए कृपया संपर्क करें-

प्रशांत चतुर्वेदी (एडवोकेट)
चैंबर नंबर 411,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली,
मोबाइल: 9810204277

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नशा मुक्त पानीपत बनाने के लिए पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालकों को चेताया

पानीपत। पानीपत पुलिस ने नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ बैठक कर की सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे की दवा खरीदने आए तो पुलिस को सूचित करें।नशा मुक्त अभियान पुलिस की टीम ने पानीपत मे सिविल अस्पताल के पास व समालखा में बाजार में स्थित मेडिकल स्टोरों पर संचालकों के साथ बैठक कर सहयोग की अपील करते हुए कहा की अगर मेडिकल स्टोर पर कोई व्यक्ति नशे की दवा की खरीद करने आता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। ताकि उन पर सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा सके। कुछ नशेड़ी किस्म के लोग सिरिंज के नशे के रूप में इस्तेमाल करते है। अगर मेडिकल स्टोर संचालक ऐसी बातों पर थोड़ा सा ध्यान दे तो ऐसा होने से रोक सकते हैं। डॉक्टरों की पर्ची के बगैर दवा नहीं देनी चाहिए। इसके साथ ही पुलिस टीम ने औद्योगिक सेक्टर 29 में स्थित फैक्ट्रियों में श्रमिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया, और नशा न करने की शपथ दिलाई। नशे से संबंधित कोई भी सूचना टोल फ्री नंबर 1933 पर या नजदीकी पुलिस थाना में देने की अपील की गई ताकी नशा तस्करों को काबू कर जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा सके और नशे जैसी बुराई को समाप्त किया जा सके।

माल्यार्पण अभियान के 1000वें दिन सक्षम जिंदल ने मार्ल्यापण किया

हिसार। महाराजा अग्रसेन चौक पर लगी महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर प्रतिदिन के मार्ल्यापण अभियान के 1000वें दिन जेईई में आल इंडिया लेवल पर दूसरा स्थान प्राप्त कर हरियाणा का नाम रोशन करने वाले सक्षम जिंदल ने मार्ल्यापण किया। अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष ललित बंसल ने हरियाणा सरकार से सक्षम जिंदल को स्कॉलरशिप देने की मांग की। उन्होंने कहा कि सक्षम जिंदल ने आल इंडिया में दूसरा स्थान हासिल करके हरियाणा में टॉप किया है। यह उपलब्धि हरियाणा ही नहीं देशभर के लिये गर्व की बात है। ललित बंसल ने हरियाणा सरकार से मांग की कि सक्षम जिंदल को स्कॉलरशिप दी जाये व खेलों की तर्ज पर ऐसे मेधावी बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये में उच्च अधिकारी के पद भी आरक्षित किये जायें।इस मौके पर महाराजा अग्रसेन प्रचार प्रसार सेवा ट्रस्ट के प्रधान आत्मा राम गर्ग, डॉ. उमेश जिंदल, संजीव गोयल, अनिल गुप्ता, राम गोयल, कर्ण अग्रवाल, विक्की बंसल, रिंकू बंसल, पवन बंसल, राजकुमार गर्ग, सुनील मित्तल, उमेश बंसल, विजय जैन, विनोद सिंगल, मेहू, यशवी, पुष्कर, प्रयाग, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीडीएलयू को शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनाने की दिशा में गंभीरता से कार्य करें: कुलपति

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा को शोध और उच्च शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय गंभीरता से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार बुधवार को विभिन्न संकायों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षक वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आगामी सोमवार तक एक व्यापक शैक्षणिक एक्शन प्लान तैयार करें, जिसके माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2025-26 से विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान अनेक विभागाध्यक्षों एवं निदेशकों ने विश्वविद्यालय की प्रगति हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए, जिन पर कुलपति ने सकारात्मक रूप से विचार करते हुए यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यू सेल गठित करने के निर्देश भी दिए। यह सेल विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का समावेश करने और एकजुटता के साथ रहने की भावना विकसित करने की दिशा में कार्य करेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सीडीएलयू में स्थापित कॉम्पिटिटिव एग्जाम सेंटर को और अधिक सशक्त व उन्नत बनाया जाएगा, ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विश्वविद्यालय की नेक की रैंकिंग की सुधर की दिशा में भी कार्य योजना तैयार करने पर बैठक के दौरान चर्चा हुई।

अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल थोपा: रामचंद्र जांगड़ा

सोनीपत। गोहाना स्थित भगवान बाल्मीकि आश्रम में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने बतौर मुख्य अतिथि सभा को संबोधित करते हुए आपातकाल की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल थोप दिया। उस दौर में न दलील थी, न अपील थी। प्रेस पर ताला जड़ा गया, नेताओं को जेल में डाला गया, जबरन नसबंदी कराई गई और जनता से मौलिक अधिकार छीन लिए गए। जांगड़ा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह आज भारतीय जनता पार्टी पर संविधान बदलने का आरोप लगाती है जबकि असल में आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने ही संविधान की मूल भावना को बदला था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। संयोजक रणधीर लठवाल और सह-संयोजक ओमबीर वत्स व सुमित कक्कड़ मौजूद रहे। सभा में आपातकाल के विरुद्ध विचार रखे गए और लोकतंत्र की रक्षा की शपथ ली गई।

संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में: मुख्यमंत्री

संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल है और वे संविधान को बचाने की दुहाई देते हैं,जबकि वे आज भी सरकार बनने पर कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस करने जैसे बयान देकर भी संविधान को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद से पिछले 11 वर्षों में यह देश संविधान के अनुरूप चला है और असल मायने में आजाद भारत को लोगों ने देखा है। मुख्यमंत्री सैनी करनाल में भारतीय लोकतंत्र का

काला अध्याय-देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 साल पूर्ण होने पर संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी का दंश झेल रहा था, उस समय हमारे देश के नायकों ने अपना बलिदान दिया ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में साँस ले सकें, लेकिन उस समय किसी को यह नहीं पता था कि देश एक ऐसा दौर भी देखेगा, जब पवित्र संविधान की हत्या की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25जून का दिन हम सबको याद कराता है कि उस समय कैसे रात के 12बजे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश में इमरजेंसी लगाने का आदेश पारित किया था। इमरजेंसी काल में आम लोगों को यातनाएं देते हुए पकड़ लिया जाता था। उन पर किए गए अत्याचारों से आज भी हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सैनी ने कहा कि यह आदेश उस सरकार की अपनी इच्छाशक्ति को पूरा करने के लिए जारी किया गया था। यह एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था। देश के पवित्र संविधान को अपने स्वार्थ के लिए कुचल दिया गया था। इमरजेंसी के दौरान संविधान और लोकतंत्र का एक बार भी स्मरण नहीं किया गया। किस प्रकार नेताओं और अपनी आवाज को बुलंद करने वाले लेखकों पर अत्याचार किए गए,उनको जेलों में बंद कर दिया गया, ताकि वे सरकार के खिलाफ कुछ न लिख सकें।नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस समय की सरकार ने जम्मू - कश्मीर जाने के लिए परमिट प्रथा शुरू की। सरकार की क्या सोच थी कि उस हिस्से को देश से अलग करना चाहते थे। परंतु डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने परमिट प्रथा का विरोध किया और कहा कि इस देश में दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।

वे यात्रा लेकर निकल पड़े और बिना परमिट के जम्मू -कश्मीर में चले गए। उन्हें अपनी कुर्बानी देनी पड़ी, तब जाकर परमिट प्रथा समाप्त हुई उसके बाद भी लंबे समय तक इस देश में दो संविधान, दो प्रधान और दो निशान चलते रहे।

महिलाओं की सुरक्षा करेगी रेड डॉट कॉम टीम

फरीदाबाद। महिला सुरक्षा को लेकर फरीदाबाद पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है जिसके अंतर्गत फरीदाबाद पुलिस के प्रत्येक जोन में महिला थाना प्रबंधक की अध्यक्षता में रेड डॉट नाम से टीम गठित की गई है , ये टीम जगह-जगह जाकर महिलाओं को जागरूक कर फीडबैक लेंगी। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि जिला फरीदाबाद में महिलाओं की सुरक्षा व उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी देने के लिए जोनवार प्रबन्धक थाना महिला को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त कर महिला पुलिस कर्मचारियों की रेड डॉट टीम गठित की गई है। ये टीम अपने-अपने जोन में महिला कार्यस्थलों, स्कूल, कॉलेज, फैक्टरियों, पार्कों, बाजारों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं से सम्पर्क कर उनको जागरूक करेगी तथा घरेलू हिंसा व महिला उत्पीडन से सम्बन्धित फीडबैक लेगी।

पैरा ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेताओं ने चंडीगढ़ में आरती सिंह राव से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में पेरिस 2024 पैरा ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों ने हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री एवं हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कुमारी आरती सिंह राव से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने अपनी मांगों, जैसे नकद इनाम और खेल कोटे के तहत नौकरी को लेकर एक लिखित ज्ञापन मंत्री को सौंपा। खिलाड़ियों की मांगों पर त्वरित और सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कुमारी आरती सिंह राव ने उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने इस मुद्दे के शीघ्र समाधान के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम से बातचीत की और खेल विभाग के महानिदेशक एवं प्रमुख सचिव को भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पैरा ओलंपिक पदक विजेता नितेश कुमार (बैडमिंटन), हरविंदर सिंह (तीरंदाजी), मनीष नरवाल (शूटिंग), नवदीप सिंह (भाला फेंक), पैरा एशियाई खेलों की पदक विजेता कोकिला (जूडो), पूजा (एथलेटिक्स), सरिता (तीरंदाजी), अशोक मलिक (पावरलिफ्टिंग), हनी (एथलेटिक्स) सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस मौके पर हरियाणा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव ज्योति कुमार छाबड़ा, कोषाध्यक्ष पवन अढाना और सचिव सुरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

सोम नदी उफान पर, ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

एजेंसी

यमुनानगर। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश से अब खतरे के संकेत देने लगी है। सोम और पथराला नदियां उफान पर हैं और उनका जल स्तर काफी तेजी से बढ़ने लगा है। जिसके चलते तटीय 20 गांवों के लोगों को बाढ़ का डर सताने लगा है। किसान अशोक ,प्रदीप व करनैल ने बताया कि सोम नदी, जिसकी सामान्य क्षमता दस हजार क्यूसेक पानी की है। उसमें अब 16,400 क्यूसेक पानी बह रहा है। इससे नदी के किनारे बसे गांवों और खेतों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पिछले साल के मुकाबले इस बार अधिक पानी आ गया है। खेतों में पानी भरने से फसलें खराब होने का खतरा है और गांवों में आने वाले समय में जलभराव की स्थिति बन सकती है। बढ़ते खतरे को देखते हुए किसान और स्थानीय ग्रामीण मिलकर पानी की निकासी के वैकल्पिक रास्ते बना रहे हैं, ताकि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। प्रशासन की ओर से भी निगरानी बढ़ा दी गई है। सिंचाई विभाग की ओर से भी युद्ध स्तर पर सोम नदी की तटों रेत और गिट्टी के कट्टे लगाकर पानी से हो रही मिट्टी की कटाई को रोका जा रहा है। फिलहाल मौसम विभाग ने आगे और वर्षा की चेतावनी जारी की है, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

आपातकाल ने भारत के लोकतंत्र को खतरे में डाला: महिपाल ढांडा

एजेंसी

यमुनानगर। भारतीय जनता पार्टी जिला यमुनानगर द्वारा 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल एमरजेंसी के दिवस को संविधान हत्या दिवस के रुप में जिला स्तरीय कार्यक्रम अग्रसेन कॉलेज, जगाधरी में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, पंचकूला मेयर कुलभूषण गोयल व विशिष्ट अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा रहे।हरियाणा सरकार कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस की तत्कालीन सरकार प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में आपातकाल की घोषणा की गई थी, जिसने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को खतरे में डाल दिया था। इस अवसर पर, हम आपातकाल के दौरान देश के लिए लड़ने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद करते हैं और उनके बलिदानों को सलाम करते हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल ने भारत के लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया था और नागरिकों के अधिकारों को सीमित कर दिया था।आपातकाल के दौरान नागरिकों के मानवाधिकारों का जमकर हनन हुआ था और कई लाख निर्दोष लोगों को जेल में डाला गया था, आपातकाल के दौरान मीडिया की

स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया था और उस समय सरकार के खिलाफ कोई खबर नहीं चलाई जा सकती थी। आपातकाल के बाद, जनता के आंदोलन से भारत देश में लोकतंत्र की बहाली हुई और नागरिकों के अधिकारों को फिर से बहाल किया गया। 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित किया जाना, उन 19 महीनों की अवधि की मार्मिक याद दिलाता है जब भारत के संविधान को 25 जून 1975 में आपातकाल एमरजेंसी लगाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गाँधी द्वारा कमजोर किया गया था। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में घोषित किया जाना, उन 19 महीनों की अवधि की मार्मिक याद दिलाता है जब भारत के संविधान को 25 जून 1975 में आपातकाल एमरजेंसी लगाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गाँधी द्वारा कमजोर किया गया था,कांग्रेस और इंदिरा गांधी के आपातकाल में जो हुआ, वह केवल राजनीतिक दमन नहीं था – वह था भारत के गरीबों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, दलितों और हर उस आवाज पर हमला, जो राज परिवार के खिलाफ उठी।

गांवों में खुलेंगे इंडोर जिम, स्टेडियम और व्यायामशालाएं सुधारेंगे : पंवार

एजेंसी

झज्जर। राज्य सरकार प्रदेश के गांवों में इंडोर स्टेडियम बनाएगी और देहात में पहले से चल रहे स्टेडियम व व्यायामशालाओं का सुधार किया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश के पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्णलाल पंवार ने बहादुरगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में दी। पंचायत मंत्री व हरियाणा ओलंपिक संघ के महासचिव कृष्ण लाल पंवार का बुधवार को बहादुरगढ़ के एक निजी रेस्टोरेंट में हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री व उनके साथियों ने स्वागत किया। दोनों के बीच हरियाणा में खेलों को लेकर भी चर्चा हुई। पंवार ने बताया कि 30 जून को हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन की (वार्षिक आमसभा) एजीएम हो रही है। इस एजीएम में हरियाणा के सभी खेल

संघों की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के गांवों में स्थित व्यायामशालाओं और खेल स्टेडियमों का सुधारीकरण किया जाएगा। इसको लेकर पिछली कैबिनेट में चर्चा भी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश के सभी गांवों में इंडोर जिम खोलने जा रही है। 250 गांवों में इंडोर जिम खोले भी जा चुके हैं। पंचायत मंत्री ने बताया कि हरियाणा में ग्राम स्तर पर खेल सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश में दो हजार नर्सरियां खोली गई हैं।

खेल स्टेडियम में सुविधाओं का इजाफा किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि देशभर में हरियाणा राज्य खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा इनामी राशि देता है। नेशनल गेम्स से लेकर इंटरनेशनल इवेंट्स के विजेताओं को कैश अवार्ड सरकार की तरफ से दिया जाता है। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय पहलवान महेंद्र सिंह, हरियाणा तैराकी संघ के सदस्य सुरेश जून, भीम अवार्डी चरण सिंह, दिनेश खत्री और बलवान कादयान सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नशा को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार कृत संकल्पित: कंवर सिंह यादव

एजेंसी

नारनौल। राज्य में नशा को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार चलाई गई साइक्लोथॉन यात्रा का उद्देश्य भी लोगों को इस सामाजिक बुराई के प्रति जागरूक करना था। यह बात महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने बुधवार को कोचिंग संस्थान में युवाओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक कुरीति है तथा हम सभी को मिलकर इसे खत्म करना है। राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा सरकार व नारकोटिक्स विभाग दृढ़ संकल्पित और निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता है। इसकी लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। समाज से नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, परिवार, शिक्षा संस्थाएं, मीडिया और आम नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन मुहिम नशे के खिलाफ एक सशक्त संदेश देती है और समाज के सभी वर्गों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि एक जागरूक समाज ही बेहतर भविष्य का निर्माण करता है। विधायक कंवर सिंह यादव ने विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य स्टाफ को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए युवाओं को नशा न करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर हरियाणा एनसीबी की रेवाड़ी युनिट इंचार्ज इंस्पेक्टर नीरज भी मौजूद रहे।

भारत बना दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था, जल्द टॉप थ्री में होंगे शामिल: रणबीर गंगवा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पिछले 11 साल में हुए ऐतिहासिक निर्णयों व विकास कार्यों की बदौलत आज भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बना है और जल्द ही हम दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे। मंत्री गंगवा बुधवार को सिरसा में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ-सबका विकास के साथ सबका विश्वास जीतने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में भारत की अलग पहचान बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अर्थव्यवस्था के मामले में 11वें स्थान से आज दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था में शामिल हो गया है। भारत दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में शामिल होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश में पिछले 11 साल में अनेकों जनहितैषी कार्य हुए हैं। आज प्रदेश का कोई क्षेत्र विकास से अछूता नहीं

है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चारों ओर सडक़ों जाल बिछा हुआ है। प्रदेश का कोई ऐसा जिला नहीं है, जो हाइवे से ना जुड़ता हो। इस प्रकार से विकास कार्यों की कोई कमी नहीं और आगे भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे। गांव में शहरी तर्ज पर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने अपराध को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। कोई भी व्यक्ति प्रदेश की कानून व्यवस्था को बिगाडऩे का काम करेगा, उसको किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार अंत्योदय व राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एमएसपी पर 24 फसलें खरीद रही हैं। किसानों के खाते में फसल की सीधी पेमेंट की जा रही है। बारिश के मौसम में जलभराव से निपटने की तैयारियों को लेकर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार की पूरी तैयारी है। सभी अधिकारियों को पानी निकासी व साफ-सफाई व्यवस्था और दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान भाजपा नेता अशोक गुज्जर, जिला अध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट, पूर्व विधायक रामचंद कंबोज, जगदीश चोपड़ा, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, प्रदीप रातुसरिया आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को किया जा रहा है पूरा: आरती सिंह राव

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने सिंधु भवन पहुंचकर दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दिवंगत परमेश्वरी देवी की सबसे बड़ी देन यही है कि उनके परिवार में 90 से अधिक सदस्य होने के बावजूद भी सिंधु परिवार एक छत के नीचे रह रहा है तथा परिवार की सांझा रसोई चल रही है। दिवंगत परमेश्वरी देवी ने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए।आज भी यह परिवार संयुक्त परिवार के रूप में एकजुटता से रह रहा है। यह इस परिवार की बहुत बड़ी विरासत है। उन्होंने आशा व्यक्त की सिंधु परिवार भविष्य में भी इस विरासत को कायम रखेगा। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पीजीआई के साथ-साथ सभी सिविल अस्पतालों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करवाने के प्रयास किए जा रहे है। प्रदेश में डॉक्टरों की कमी पूरी की जा रही है तथा दवाईयां भी उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार कृतसंकल्प है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातो में नहीं कोई वजन: विष्णु देव साय

एजेंसी

रोहतक। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री बुधवार को कैप्टन अभिमन्यु के रोहतक स्थित सिन्धु आवास पर पहुंचे। उन्होंने दिवंगत परमेश्वरी देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने प्रभु से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाती है। उन्होंने कहा कि वह दौर एक दुखदायी काल की तरह था। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल द्वारा महाराष्ट्र चुनाव को लेकर दिए गए ब्यान को

लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि राहुल गांधी महाराष्ट्र चुनाव को लेकर जिस तरह की बयान बाजी कर रहे हैं उसे उनके झूठे बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है क्योंकि वह देश की एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता है लेकिन उनके बोलने का कोई वजन नहीं है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण बुधवार को रोहतक पहुंचे और पूर्व वितमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुत्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के डी पार्क स्थित आवास पहुंचे

NAME CHANGE

I, NEHA THAPA, SPOUSE OF GAURAV THAPA, RESIDENT OF HOUSE NO. A-94, FIRST FLOOR, BLOCK-A, DEVLI ROAD, DUGGAL COLONY, KHANPUR, NE W DELHI 110062 HAVE CHANGED MY NAME FROM NEHA THAPA TO NEHA, VIDE AFFIDAVIT DATED 26.06.2025 BEFORE NOTARY PUBLIC AT SAKET COURT, NEW DELHI

PUBLIC NOTICE

It is general information that I, VICKUNJ BAREJJA S/o CHANDER PARKASH BAREJA, R/o House No. 204, Sector-19, Near Rama Krishna Mndir, Faridabad-121002, Haryana declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIKUNJ BAREJA and CHANDER PRAKASH BAREJA in my 10th and 12th Class Educational documents. The actual name of mine and my father are VICKUNJ BAREJJA and CHANDER PARKASH BAREJA, which may be amended accordingly.

दो लाख लोगों को नशा न करने की शपथ दिला चुके

एजेंसी

हिसार। जिले हांसी उपमंडल स्थित गांव कुतुबपुर निवासी राहुल शर्मा ने नशा मुक्ति के क्षेत्र में वह कर दिखाया है, जो बड़े-बड़े संस्थान और योजनाएं भी कई बार नहीं कर पाती। बिना किसी सरकारी सहायता और मानदेय के, बीते पांच वर्षों से वे अपने दम पर नशे के खिलाफ एक संगठित और लगातार मुहिम चला रहे हैं।राहुल शर्मा वर्ष 2021 से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत मास्टर वालंटियर के रूप में कार्य कर रहे हैं। आज वे न केवल हिसार जिले, बल्कि हरियाणा के कोने-कोने में युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने अब तक गांवों, स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और श्रमिक स्थलों पर जाकर दो लाख से अधिक लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और नशा न करने की शपथ दिलाई है।उनकी जागरूकता गतिविधियां सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं हैं। वे जगह-जगह जाकर साइकिल रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, संवाद सत्र, हस्ताक्षर अभियान और शपथ कार्यक्रमों के ज़रिए नशा विरोधी संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। खास बात यह है कि वे ये सभी गतिविधियां अपने निजी खर्चे पर आयोजित करते हैं। प्रचार सामग्री भी स्वयं तैयार करते हैं और गांव-गांव जाकर बांटते हैं। सोशल मीडिया के ज़रिए भी राहुल अभियान चलाते हैं। उनकी सेवाओं को जिला प्रशासन हिसार और समाज कल्याण विभाग ने न केवल मान्यता दी है, बल्कि सराहा भी है। शिक्षा विभाग, हरियाणा पुलिस विभाग और नेहरू युवा केंद्र जैसे कई संस्थानों ने उनके समर्पण के लिए सम्मान पत्र और प्रमाण पत्र भी जारी किए हैं।राष्ट्रीय स्तर पर भी उनके योगदान को पहचान मिली है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने उनके कार्य को ई-न्यूज़लेटर में प्रकाशित किया,

रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 डॉलर पर

रुपया बुधवार को तीन पैसे गिरकर 86.08 डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 86.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.41 पर आ गया।

जियो फाइनेंशियल ने जियो पेमेंट में किया 190 करोड़ का नया निवेश

नई दिल्ली।

रिलायंस समूह की कंपनी` जियो फायनें शियल से विंसेज ने (जेएफएसएल) ने अपनी सहायक कंपनी` जियो पेमेंट बैंक में 190 करोड़ का नया निवेश किया है। इस निवेश के तहत जेएफएसएल को 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर अलॉट किए गए हैं। अब` जियो पेमें ट बैंक पूरी तरह से जेएफएसएलकी 100 फीसदी स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। इस निवेश से कुछ दिन पहले जेएफएसएल ने` जियो पेमेंट में बची हुई 17.8 फीसदी हिस्सेदारी भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से खरीद ली थी। यह सौदा 104.54 करोड़ में हुआ और इसे भारतीय रिज़र्व बैंक ने 4 जून 2025 को मंजूरी दी थी। इससे पहले जेएफएसएल के पास पहले से 82.2 फीसदी हिस्सेदारी थी। अब कंपनी ने पूरे 100 फीसदी शेयर अपने नाम कर लिए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक जेएफएसएल की सहायक कंपनी बन चुकी है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत-आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी से अब तक रेपो रेट में 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है, जिससे यह 5.5 फीसदी पर आ गया है। इसके अलावा, 6 सितंबर से चरणबद्ध तरीके से 100 बीपीएस की सीआरआर कटौती से करीब 2.5 लाख करोड़ की नकदी बाजार में आएगी। इससे फंडिंग की लागत में कमी आने और कर्ज वितरण में तेजी आने की संभावना है।

जियो फाइनें शियल ने जियो पेमेंट में किया 190 करोड़ का नया निवेश

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की कंपनी` जियो फायनें शियल से विंसेज ने (जेएफएसएल) ने अपनी सहायक कंपनी` जियो पेमेंट बैंक में 190 करोड़ का नया निवेश किया है। इस निवेश के तहत जेएफएसएल को 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर अलॉट किए गए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक पूरी तरह से जेएफएसएलकी 100 फीसदी स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। इस निवेश से कुछ दिन पहले जेएफएसएल ने` जियो पेमेंट में बची हुई 17.8 फीसदी हिस्सेदारी भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से खरीद ली थी। यह सौदा 104.54 करोड़ में हुआ और इसे भारतीय रिज़र्व बैंक ने 4 जून 2025 को मंजूरी दी थी। इससे पहले जेएफएसएल के पास पहले से 82.2 फीसदी हिस्सेदारी थी। अब कंपनी ने पूरे 100 फीसदी शेयर अपने नाम कर लिए हैं। अब` जियो पेमेंट बैंक जेएफएसएल की सहायक कंपनी बन चुकी है।

जेपी ग्रुप पर 57185 करोड़ कर्ज, फिर भी पांच कंप नियां खरीदने को तैयार

कंपनी का मार्केट गिरकर 800 करोड़ से भी कम हुआ

नई दिल्ली।

देश के कई शहरों में इन्फ्रा प्रोजेक्ट बनाने वाली जेपी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) ने बताया है कि उसे दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से कंपनी के अधिग्रहण के लिए बयाना राशि के साथ पांच बोलियां मिली हैं। यानी कि कंपनी के दिवालिया होने के बावजूद कई कंपनियां इसमें पैसे लगाने के लिए तैयार हैं। खास बात ये है कि कंपनी का मार्केट अब 800 करोड़ से भी कम हो गया है, जबकि इस पर 57 हजार करोड़ से भी ज़्यादा की देनदारी दिख रही है। जेएएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे दिवालिया प्रक्रिया के दौरान पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। जेएएल की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में जारी समाधान योजना की अपील के जवाब में समाधान पेशेवर को प्रस्तुत करने की तिथि तक बयाना राशि के साथ पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। हालांकि, जेएएल ने उन कंपनियों के नाम नहीं बताए जिन्होंने समाधान योजना पेश की है। सूत्रों के अनुसार, जेपी एसोसिएट्स को खरीदने में जिन 5 कंपनियों ने रुचि दिखाई है, उनमें अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, खनन दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता, डालमिया भारत सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि जेपी इन्फ्राटेक की समाधान योजना को कुछ मानदंडों को पूरा न करने के कारण खारिज कर दिया गया है। जेपी इन्फ्राटेक का पहले सुरक्षा समूह ने अधिग्रहण किया था।

नेस्ले इंडिया अपने शेयर धारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली।

रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल ने अपने मौजूदा शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव गुरुवसा कसे मंजूर कर लिया है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक रुपये अंकित मूल्य का बोनस शेयर कंपनी के सदस्यों द्वारा धारित एक रुपये अंकित मूल्य के शेयर को पूर्ण रूप से जारी किया जाएगा। बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों के अधिकार का निर्धारण करने की रिकॉर्ड तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। नेस्ले ने 19 जून को घोषणा की थी कि कंपनी का निदेशक मंडल बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। कंपनी के निवर्तमान चेयरमैन ने कहा कि नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 1=1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है जो 24 जुलाई को नेस्ले इंडिया द्वारा आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में अंतिम मंजूरी के अधीन है। वर्ष 1996 के बाद यह पहला बोनस जारी किया गया है। इस घोषणा के बाद नेस्ले इंडिया के शेयर में तेजी देखने को मिली।

अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं

खतरनाक संकेत दे रहे हैं इकनॉमिक इंडिकेटर्स

वाशिंगटन।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं है। देश के बड़े आर्थिक सूचकांक अब भी मंदी का संकेत दे रहे हैं। लीडिंग इकनॉमिक इंडेक्स (एलआईई) में मई में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। पिछले 39 महीनों में 37 बार इसमें गिरावट आई है जो देश के इतिहास में सबसे लंबे दौर में से एक है। पिछले छह महीने में 5 फीसदी की सालाना दर से गिरावट आई है जो इस बात का संकेत है कि देश में अब भी मंदी का खतरा बना हुआ है। एलआईई अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी गिर चुका है और यह नौ साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 1960 के बाद हर बार मंदी से पहले एलईआई में लंबे समय तक गिरावट आई है। इससे आशंका बढ़ गई है कि अमेरिका का इकॉनमी मंदी में जा सकती है। अमेरिका की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट को मंदी कहा जाता है। इस बीच अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। पॉलिसी बदलावों का दौर अभी चल रहा है और इकॉनमी पर उनके प्रभाव के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी तो हम इंतजार कर रहे हैं।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1000 अंक ऊपर आया , निफ्टी 25,549 पर पहुंचा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए। कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें बढ़त रही। इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे दुनिया भर के साथ ही भारतीय बाजार में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी और एमएंडएम के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में बढ़त रही। सुबह

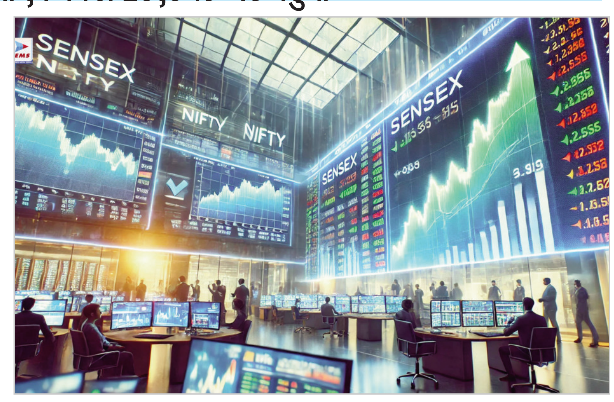

बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 82,882.92 पर खुला। खुलते ही बाजार में खरीदारी देखने को मिली जिससे इंडेक्स में बढ़त और बढ़ गई। यह 242.79 अंक की बढ़त लेकर 82,998.30 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ हरे निशान में खुलकर 95.80 अंक की बढ़त के साथ 25,340.55 पर कारोबार कर रहा था। । जापान का निक्केई इंडेक्स 0.98 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.51 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स-200 0.11 फीसदी फिसल गया। अमेरिकी बाजारों में बुधवार रात हल्की हलचल रही। एसएंडपी 500 मामूली गिरावट के साथ 6,092.16 पर बंद हुआ, जबकि नेशनल कम्पो जिट 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 19,973.55 पर बंद हुआ। वहीं डाओ जोंस 0.25 फीसदी गिरकर 42,982.43 पर बंद हुआ।

सोने के भाव 97,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.06 लाख रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 243 रुपये की तेजी के साथ 97,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,357 रुपये था। इस समय यह 123 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 425 रुपये की तेजी के साथ 1,06,405 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,980 रुपये था। इस समय यह 422 रुपये की तेजी के साथ 1,06,402 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,347.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,343.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 12.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,355.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा

भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.22 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.11 डॉलर था। इस समय यह 0.21 डॉलर की तेजी के साथ 36.32 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एक्मे सोलर को मिली आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की बीईएसएस परियोजनाएं

नई दिल्ली।

एक्मे सोलर होल्डिंग्स को आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की संचयी क्षमता वाली एकल बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड आंध्र प्रदेश में कुप्पम और घनी में दो परियोजनाओं में 275/550 मेगावाट घंटा की संचयी क्षमता वाली बीईएसएस परियोजनाओं के लिए एनएचपीसी की निविदा में विजेता बोलीदाता के रूप में सामने आई है। बयान में कहा गया कि कुप्पम परियोजना के लिए उसने 50/100 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,10,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर और घनी परियोजना के लिए 225/450 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,22,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर बोली हासिल की। परियोजना के तहत एक्मे सोलर को 27 लाख रुपये प्रति मेगावाट या कुल परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (जो भी कम हो) की दर से व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्राप्त होगा।यह नीलामी आंध्र प्रदेश में ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए एनएचपीसी द्वारा फरवरी 2025 में जारी निविदा का हिस्सा थी। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक अग्रणी एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी है। इसके पास सौर, पवन, भंडारण, एफडीआरई और हाइब्रिड समाधानों सहित 6,970 मेगावाट और 550 मेगावाट घंटे का विविध खंड है।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली।

देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमतें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गईं हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए।

आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकाइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही। देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयों भी इसकी मुख्य वजह रही।

युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है।

इस साल अप्रैल-जून में शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में सालाना 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनसीआर में सबसे अधिक 27 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई। इसके बाद बेंगलुरु में 12 प्रतिशत और हैदराबाद में 11 प्रतिशत की औसत मूल्य वृद्धि दर्ज की गई।

इवेंट में कई इनोवेटिव डिवाइसेज पेश करेगी शाओमी

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी शाओमी चीन में 26 जून को एक लॉन्च इवेंट का आयोजन करने जा रही है। इस इवेंट में वह अपने कई इनोवेटिव डिवाइसेस को पेश करेगी। शाओमी मिक्स फलीप 2,शाओमी टेबलेट 7एस प्रो, रेडमी के80 अल्ट्रा और रेडमी के पेड टेब्लेट जैसे डिवाइसेज इस इवेंट में लॉन्च होंगे। इनके साथ ही एमआई बेंड 10, वॉच एस4 41एमएम और ओपन इयरफोन्स प्रो को भी पेश किए जाने की पुष्टि हो चुकी है। शाओमी मिक्स फलीप 2 कंपनी का पहला कॉम्पैक्ट फ्लिप स्मार्टफोन होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 5100एमएएच बैटरी और 67 वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा। यह फोन ब्लू, पर्पल, गोल्ड और ब्लैक जैसे चार कलर ऑप्शन में आ सकता है। शाओमी टेबलेट 7एस प्रो को 12.5 इंच के एलसीडी पैनल और 10610 एमएएच की दमदार बैटरी के साथ पेश किया जाएगा। यह टैब 120 वॉट की सुपर फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा और इसमें नया एक्सरिंग 01 चिपसेट देखने को मिलेगा। रेडमी के80अल्ट्रा में 144 एचर्ट्ज रिफ्रेश रेट वाला 6.83 इंच का 1.5के अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जिसकी पीक ब्राइटनेस 3200 निट्स होगी। यह डाइमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और 100 वॉट की फास्ट चार्जिंग से लैस 7410एमएएच की बैटरी के साथ आएगा। इसका मेन कैमरा 50एमपी का होगा। रेडमी के पेड टेबलेट में 8.8 इंच का डिस्प्ले, 165एचर्ट्ज रिफ्रेश रेट, डाइमेंसिटी 9400प्लस प्रोसेसर और 16जीबी तक रैम होगी। यह डिवाइस 7500एमएएच बैटरी और 67 वॉट की फास्ट चार्जिंग के साथ लॉन्च होगा।

गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन होगा न्यूयॉर्क में

नई दिल्ली।

सैमसंग अगले महीने न्यूयॉर्क में अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन करेगा, जिसमें एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अल्ट्रा-स्लिम फोल्डेबल डिजाइन वाले नए गैलेक्सी जेड सीरीज स्मार्टफोन पेश किए जाएंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने घोषणा की है कि वह इस इवेंट में कंपनी गैलेक्सी जेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 7 जैसे लेटेस्ट मॉडल लॉन्च कर सकती है, जिनमें बड़ी स्क्रीन, बेहतर कैमरे और उन्नत एआई फीचर्स शामिल होंगे। कंपनी का कहना है कि अगली पीढ़ी के गैलेक्सी डिवाइस पूरी तरह से एआई-पावर्ड इंटरफेस पर आधारित होंगे, जिन्हें खासतौर पर उच्च स्तरीय हार्डवेयर के साथ तैयार किया गया है। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी एआई और उनकी टेक्नोलॉजिकल क्राफ्टमैनशिप का यह अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन होगा। कंपनी का दावा है कि स्मार्टफोन अब केवल ऐप्स और टूल का संग्रह नहीं रह गया है, बल्कि यह एक इंटेलिजेंट साथी में तब्दील हो रहा है, जो यूजर की मंशा को समझने और तत्काल प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। गौरतलब है कि सैमसंग हर साल दो बार, सर्दियों और गर्मियों में, गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करता है। पिछला इवेंट इस साल जनवरी में कैलिफोर्निया के सैन जोस में हुआ था, जहां कंपनी ने गैलेक्सी एस25 सीरीज को लॉन्च किया था। अब गर्मियों के इस इवेंट में फोल्डेबल स्मार्टफोन की नई रेंज से पर्दा हटेगा, जो भविष्य की मोबाइल तकनीक की झलक पेश करेगी। सैमसंग का मानना है कि जैसे-जैसे एआई तकनीक स्मार्टफोन यूजर इंटरफेस का मूल आधार बन रही है, यह हमारे तकनीक के साथ संबंधों को नया रूप दे रही है। कंपनी ने कहा कि यह बदलाव स्मार्टफोन को प्रतिक्रिया देने वाले उपकरण से एक ऐसा सहायक बना रहा है, जो यूजर की जरूरतों और इरादों को पहले से समझकर काम करता है।

ऑडी ने लांच किया क्यू7 सिग्नेचर एडिशन

नई दिल्ली।

भारत में लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने लोकप्रिय एसयूवी क्यू7 का नया वैरिएंट क्यू7 सिग्नेचर एडिशन लॉन्च कर दिया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 99,81,000 रखी गई है। ऑडी ने इस एडिशन में ऑडी जेन्यून एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया है, जिससे इसके लुक और फील को और निखारा गया है। इसमें एलईडी पैडल लैम्प्स दिए गए हैं, जो दरवाजा खोलते ही ऑडी का लोगो जमीन पर प्रोजेक्ट करते हैं। डायनामिक व्हील हब कैप्स इसमें व्हील घूमने के चलते समय भी सीधे रहते हैं और खास स्टेनलेस स्टील पेडल कैप्स इसके प्रीमियम अहसास को बढ़ाते हैं। एसयूवी को पांच शानदार रंगों में पेश किया गया है, जिनमें साकिर गोल्ड, वैटोमो ब्ल्यू, मायथोस ब्लेक, ग्लेशियर व्हाइट और समुराई ग्रे शामिल हैं। टेक्नोलॉजी ट्रिम पर आधारित इस एडिशन में इन-कार कॉफी मेकर और यूनिवर्सल ट्रैफिक रिकॉर्डर (डैशकैम) जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। ऑडी क्यू7 सिग्नेचर एडिशन में वही 3.0 लीटर वी6 टीएफएसआई पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 340 एचपी की पावर और 500 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह एसयूवी केवल 5.6 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 250किमी प्रतिघंटा है। इसमें ऑडी का क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम और एडॉप्टिव एयर सस्पेंशन मिलता है। इसमें 7 ड्राइव मोड्स दिए गए हैं और यह 7-सीटर एसयूवी है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें 8 एयरबैग्स, लेन डिपार्चर वार्निंग और इलेक्ट्रॉनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।कंपनी ने इसे चुनिंदा लग्जरी फीचर्स और एक्सक्लूसिव डिजाइन एलिमेंट्स के साथ पेश किया है, जो इसे पहले से भी ज्यादा प्रीमियम और आकर्षक बनाते हैं।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल

आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की संवैधानिक विरासत की समझ को झकझोर कर रख दिया था। इंदिरा गांधी ने 25 जूनङ्क 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत ह्यआंतरिक अशांति' के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब ह्ललोकतंत्र की जननीह्व कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत ह्लआंतरिक अशांतिह्व के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरूआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की ह्लआत्माह्व कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था।

इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बबार्दी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए–जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दशार्ती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दशार्ते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद ह्यए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्लाह्ल के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में श्री खन्ना को वरिष्ठतम होने के बावजूद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा करके लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा को और अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नए शब्द सामाजिक, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गई। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किए गए और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गई। आपातकाल के बाद गठित शाह आयोग ने इतिहास के उन काले दिनों के दौरान ढेर सारे लोगों को बेवजह नजरबंद करने, गरीबों की जबरन नसबंदी करने और सत्ता के संस्थागत रूप से दुरूपयोग की भयावह तस्वीर प्रस्तुत की थी।

इस तानाशाही शासन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस का भी गला घोंटा गया। जो पत्रकार सहानुभूतिपूर्वक विपक्षी नेताओं की खबरों को प्रकाशित कर रहे थे उन्हें जेल भेजा गया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित सम्मानित नवजीवन प्रेस को जब्त कर लिया गया, यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर सीधा हमला था। चार प्रमुख समाचार एजेंसियों–प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती–को जबरदस्ती मिलाकर समाचार नामक एक संस्था बना दी गई। आज, 50 वर्ष बाद, कांग्रेस की दोहरी मानसिकता उजागर हो चुकी है–एक ओर वे ह्यसंविधान बचाओ यात्राह्ल के नाम पर भ्रम फैलाते हैं, दूसरी ओर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए संविधान के अपमान पर चुप रहते हैं। श्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को लोकसभा में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के इस भयावह काले अध्याय के बारे में गर्व से कहा, ह्लआपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था ह्व यह कथन यह दशार्ता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता सर्वोच्च है। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उस समय मात्र 25 वर्ष के थे, लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक इस तानाशाही शासन का विरोध किया। उन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से भूमिगत रहकर गुप्त बैठकों का आयोजन किया और आपातकाल विरोधी साहित्य व पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन एवं वितरण में यत्न से जुटे रहे। जब आरएसएस को प्रतिबंधित कर दिए जाने के कारण इसे भूमिगत होना पड़ा तब मोदी जी ने गुजरात लोक संघर्ष समिति के महासचिव के रूप में लोकतंत्र की रक्षा हेतु अहम भूमिका निभाई।

विगत में संविधान की आत्मा पर किए गए गहरे प्रहार की याद में मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी की गई गजट अधिसूचना के माध्यम से 25 जून का दिन ह्यसंविधान हत्या दिवसह्ल के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिन उस विश्वासघात की याद दिलाता है जो आपातकाल के दौरान संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ किया गया था। यह प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र का जागरूक प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है, ताकि हम इतिहास के उन काले अध्यायों से सीख प्राप्त करें और हम काफी यत्न से प्राप्त की गई स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा कर सकें। देश में आपातकाल का काला अध्याय 50 वर्ष पहले समाप्त हो गया है लेकिन वह भयावह दौर हमें इस बात की याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें हमेशा सजग प्रहरी बने रहने की आवश्यकता है। हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है। आज जब भारत हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में ह्यविकसित भारत @ 2047ह्ल की ओर अग्रसर है, तो हमें एक जीवंत और विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण हेतु अपने नागरिकों के संकल्प से सामर्थ्य प्राप्त कर राष्ट्र की पवित्रता की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को एक बार फिर से दोहराने की आवश्यकता है।

(केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

खतरे की घंटी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्राइल-ईरान के दरम्यान अस्थाई युद्धविराम के राजी होने के ऐलान के कुछ देर बाद ही हमले पुनः चालू हो गए। ईरानी सेना का आरोप है कि ऐलान के कुछ देर बाद ही इस्त्रइल की तरफ से हवाई हमलों की बौझार शुरू हो गई जिसमें चार की जान गई जबकि इस्त्रइल का कहना है कि ईरान की तरफ से दो मिसाइलें दागी गई जिन्हें उसने निष्क्रिय कर दिया। हालांकि ट्रंप ने कहा था कि इस्त्रइल अपने लड़ाकू विमान वापस बुलाएगा और वह ईरान में शासन परिवर्तन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। परंतु हमलों के जारी रहने के बाद देर शाम अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट से पता चला कि परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों से ईरान का कार्यक्रम नष्ट नहीं हुआ है जबकि व्हाइट हाउस ने खंडन करते हुए इसे पूरी तरह गलत कहते हुए इसे ट्रंप को नीचा दिखाने का प्रयास बताया। रिपोर्ट के अनुसार कुछ ढांचे नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए हैं। मगर ज्यादातर सेंट्रीफ्यूज सुरक्षित हैं। शीर्ष अधिकारी पहले ही दावा कर रहे थे कि ईरान ने संवर्धित यूरेनियम का कुछ हिस्सा अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया था। ट्रंप इसे फेक न्यूज बता रहे हैं। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने एक न्यूज चैनल से कहा, यह देशद्रोह है, इसकी जांच होनी चाहिए। हमलों के बावजूद इस्त्रइल और ईरान के मीडिया अपने-अपने देशों की विजय का दावा कर रहे हैं। ईरान पहले ही अमेरिका को चेता चुका था। तनाव की स्थिति में कहना जल्दबाजी होगी कि खतरा टल गया है। इराक, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन, सीरिया, कतर जैसे देशों में अपने सैन्य अड्डे ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज में आने के कारण अमेरिका के लिए चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। वास्तव में यदि दोनों पक्ष युद्धविराम का उल्लंघन करने पर तुले हैं तो यह योजनाबद्ध प्रतिशोध वैश्विक चेतावनी का सूचक है। ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर लिखने, कि इस्त्रइल बम मत गिराओ इसे उल्लघंन माना जाएगा, को इतिहास में अमेरिका की तरफ से सबसे कड़ी फटकार मानी जा रही है। परंतु इस सारे मसले में अमेरिका को स्वार्थ त्याग कर स्पष्ट रूप से विश्व शांति के प्रयास करने चाहिए। अगर वह महाशक्ति है तो चीन/रूस भी अपने कदम पीछे लौटाने की बजाए संघर्ष को प्राथमिकता देंगे। ट्रंप के आलोचक उनके इस कदम को न सिर्फ जोखिम भरा कह रहे हैं, बल्कि युद्ध शक्ति अधिनियम का उल्लंघन भी ठहरा रहे हैं। बेशक, खतरा टला नहीं है।

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था।......

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

संजय गोस्वामी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फहान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फहान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर कोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिजाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3,000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरूआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (खत्रह्ढ) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (क्अएअ) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला। यह न केवल एक कूटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दशार्ते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चचाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओँ का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जरूर बढ़ सकता है। खासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद खतरनाक है।

लगातार बारिश के कारण फिर बंद हुआ हिमकोटि मार्ग, माता वैष्णो देवी के दर्शन पुराने मार्ग से चालू

श्रीनगर (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए 12 मास लोग आते है। हर मौसम में मां के द्वार खुले रहते हैं। बारिश के समय भी दर्शन करने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहती है। लेकिन कुछ समय से माता वैष्णो देवी की पहाड़ियों पर लगातार बारिश हो रही है। जिससे तीर्थयात्रा मार्ग फिर बाधित हो गया है, इस साल यह तीसरी बार है जब नए हिमकोटि मार्ग को बंद करना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण हिमकोटि मार्ग पर बड़ा भूस्खलन हुआ है, इससे करीब 30 फीट मलबा और बड़े-बड़े पत्थर मार्ग को अवरुद्ध कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, सुरक्षा कारणों से मार्ग पर बैटरी कार, केबल कार और हेलीकॉप्टर सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित किया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत और निकासी अभियान तेजी से शुरू किया। जबकि नया मार्ग बंद है, यात्रा को पारंपरिक पुराने मार्ग से जारी रखने की अनुमति दी जा रही है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी ने कहा, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यात्रा को मूल मार्ग पर मोड़ दिया गया है। आपदा प्रबंधन कर्मियों के साथ हमारी टीमें युद्ध स्तर पर मलबा साफ कर रही हैं। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से सतर्क रहने, केवल अधिकृत मार्गों का अनुसरण करने और मौसम संबंधी सलाह का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। आगंतुकों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए अतिरिक्त कर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है।

बेटी ने प्रेमी को बुलाकर मां का सिर हथौड़े से कुचल, मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 39 वर्षीय महिला की हत्या का आरोप उसकी 16 वर्षीय बेटी और बेटी के प्रेमी पर लगा है। मामला हैदराबाद के जीडीमेटला इलाके का है। पुलिस के अनुसार, मृतका अपनी दो बेटियों के साथ जीडीमेटला के शापुर नगर में किराए के मकान में रहती थीं। उनकी बड़ी बेटी कक्षा 10 की छात्रा है। उसने पिछले दिसंबर में इंस्टाग्राम के जरिए 19 वर्षीय पी. शिवा से दोस्ती की थी, जो नालगोंडा जिले का रहने वाला एक डीजे है। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। 19 जून को किशोरी अपने प्रेमी के साथ घर से भाग गई थी, जिसके बाद अंजलि ने पुलिस में अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने लड़की को सूर्यापेट में शिवा के दादा-दादी के घर से बरामद किया और उसे उसकी मां को सौंप दिया। इसके बाद से मां-बेटी के बीच इस रिश्ते को लेकर लगातार तनाव और झगड़े हो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 23 जून की शाम को बेटी ने अपनी मां की आपत्तियों से तंग आकर शिवा को फोन किया और अपनी मां के खिलाफ शिकायत की। जैसे ही शिवा और उसका भाई यशवंत घर पहुंचे, लड़की ने दरवाजा खोल दिया। पुलिस के अनुसार, दोनों भाइयों ने पहले महिला को चुनरी और साड़ी से गला घोंटकर मारने की कोशिश की। जब वे समझे कि वह मर चुकी है, तो वहां से भाग गए। लेकिन बाद में लड़की ने देखा कि उसकी मां अब भी सांस ले रही है। इसके बाद उसने फिर से शिवा को फोन किया, और वह अपने भाई के साथ दोबारा लौटा। इस बार दोनों ने हथौड़े से महिला की खोपड़ी और नाक पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

अखिलेश ने किया तेज प्रताप यादव को फोन, बिहार से लेकर यूपी तक सियासी चर्चा हुई तेज

पटना (एजेंसी)। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने दो टूक कहा कि वे चुप नहीं बैठने वाले है। अपने राजनीतिक भविष्य और निजी जीवन को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच तेज प्रताप लगातार सक्रिय हैं। तेज प्रताप ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने लिखा, अखिलेश हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया, तब लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं। इससे सवाल उठने लगा है कि क्या तेजप्रताप अखिलेश की मदद से राजनीतिक वापसी की तैयारी में हैं। तेज प्रताप ने न सिर्फ अखिलेश से बात की, बल्कि उसी दिन पटना में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें भी कीं। उन्होंने लिखा, मुलाकातों का सिलसिला जारी है। जब जनता का प्यार हमारे साथ होता है, तब हमें हर परिस्थिति का हिम्मत से सामना करने की ताकत मिलती है। अपनी राजनीतिक पार्टी से निकाले जाने और अपने ही परिवार की आलोचनाओं का सामना करने के बावजूद तेज प्रताप की बढ़ती सार्वजनिक सक्रियता यह दर्शाती है कि वे राजनीति से दूर नहीं जा रहे हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में तेज प्रताप की क्या भूमिका होगी। क्या वह अपना खुद का गुट बनाएंगे? क्या वह किसी दूसरी पार्टी से हाथ मिलाएंगे? या फिर वह अपने अगले कदम को तय करने के लिए सार्वजनिक और कानूनी फैसलों का इंतजार करेंगे?

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में 50 से भी कम सीटें जीतेगी बीजेपी : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें जीतेगी। बनर्जी ने कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुकी थी। मैंने कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, यह सच साबित हुआ।

बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला कर कहा कि अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते, तब ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं?

उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद सकते है। अभिषेक ने कहा, ममता बनर्जी लोगों के आशीर्वाद से 34 साल पुरानी सीपीआई(एम) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अपने बलबूते पर सीएम बनी हैं।

राहुल गांधी का चुनाव आयोग से सवाल पूछना कुछ लोगों को नहीं हो रहा हजम

-कांग्रेस सांसद भगत ने कहा- आयोग की भूमिका हमेशा संदेह के घेरे में रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को कहा कि जिस अंदाज में राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई है और राहुल गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता भगत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई। इसे लेकर हमने आयोग से कई साक्ष्य मांगे थे, लेकिन आयोग ने हमारी मांग नहीं मानी। हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता बरकरार रहे और उसकी गरिमा पर

किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हम इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं भारत-पाक सीजफायर को लेकर उन्होंने इसे सही नहीं बताया। भगत ने कहा कि आतंकवाद को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद को वैश्विक मोर्चे पर हम सभी को परास्त करने के लिए एकजुट होना ही होगा, तभी जाकर हम सभी को इसमें अपेक्षित सफलता मिल पाएगी और इस दिशा में हमें सफलता मिली भी है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चाहे वो इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन, भारत ने दोनों ही स्थिति में अहम भूमिका निभाई। भारत बढ़त की स्थिति में रहा, लेकिन पाकिस्तान के साथ स्थिति बिल्कुल उलट रही। पहले हम पाकिस्तान पर हावी हुए, लेकिन जब मसला सीजफायर का आया, तो कहीं ना कहीं हमारी भूमिका कमतर साबित हुई, जिसे लेकर आज भी केंद्र की मोदी सरकार से देश की जनता सवाल पूछ रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

जोहरान हमदानी को कंगना ने सुना दी खरी-खरी, वे भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते

नई दिल्ली। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद की उम्मीदवारी की रेस में जीत को लेकर टिप्पणी की है। कंगना ने ट्वीट कर लिखा है कि जोहरान हमदानी, तब भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते हैं। कंगना ने लिखा, उनकी

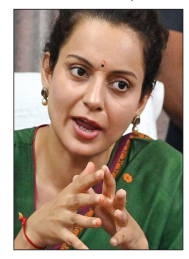

मां मीरा नायर हैं। वह हमारी इंडस्ट्री की एक शानदार फिल्ममेकर हैं और पद्मश्री से सम्मानित हैं। उन्होंने गुजराती मूल के नामी लेखक महमूद ममदानी से शादी की थी और बेटे का नाम जोहरान है। कंगना अपनी पोस्ट में उनके नाम पर सवाल उठाकर लिखती हैं, जोरहान नाम भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है। अब वह हिंदुत्व को ही खत्म करने के लिए तैयार हैं। हर जगह यही कहानी है। खैर, मीरा जी से कई बार मुलाकात हुई है। पैरेंट्स को बधाई। जोहरान को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से न्यूयॉर्क का मेयर कैंडिडेट बनने के लिए हुए चुनाव में जीत मिली है। वह न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर भी बन सकते है। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था और फिर परवरिश अमेरिका में हुई। उनकी मां मीरा नायर ने कई मशहूर फिल्मों को डायरेक्ट किया है और भारत के अलावा पाकिस्तान सहित कई देशों में उन्हें सराहा जाता रहा है। दरअसल कंगना रनौत ने शेयर किए गए ममदानी के एक वीडियो को रीट्वीट कर यह सख्त टिप्पणी की। वीडियो में दिखता है कि कुछ प्रदर्शनकारी हिंदू विरोधी नारे लगा रहे हैं और उन्हें अपशब्द कह रहे हैं। इस बीच ममदानी भी माइक ले लेते हैं और भारत में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का विरोध करते हैं।

आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने मांगी थी माफी

-शरद पवार बोले-आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं मानते

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि देश में 50 साल पहले लगाया गया आपातकाल दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने इसके लिए माफी मांगी थी। मुंबई में एक कार्यक्रम में शरद पवार ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना एक पवित्र कार्य है और लोगों को आज भी इनकी रक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है।

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने याद दिलाया कि समाजवादी दिग्गजों जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर और मधु दंडवते से परामर्श के बाद 1978 में महाराष्ट्र में सरकार में परिवर्तन किया गया और वह सीएम बने। केंद्र में बीजेपी नीत सरकार का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि मौजूदा सरकार की आलोचना को अस्वीकार्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज हमें सावधान रहना होगा। आज भी मीडिया में सरकार की आलोचना को अच्छा नहीं माना जाता है। पत्रकारों को धमकाया जाता है। घोषित और अघोषित आपातकाल में फर्क होता है।

उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी कीमत पर संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। वरिष्ठ समाजवादी नेता दिवंगत जॉर्ज फर्नांडिस की तारीफ करते हुए पवार ने कहा कि वह एक श्रमिक संघ के नेता से केंद्र में मंत्री बने थे। पवार ने आपातकाल को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया, लेकिन साथ ही कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाने, असहमति को दबाने, सामूहिक गिरफ्तारियां करने और प्रेस सेंसरशिप जैसे उपायों को लागू करने के लिए माफी भी मांगी थी।

बिहार में शुरु हुआ सीट संग्राम: भाकपा ने 24 सीटों पर दावा ठोककर तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ाईं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हैं। महागठबंधन के नेता भी सीट शेयरिंग को लेकर अपने अपने समीकरण बैठा रहे हैं। ऐसे में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी यानी भाकपा ने 24 से अधिक सीटों पर दावेदारी करके राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने महागठबंधन कोऑर्डिनेशन कमेटी के संयोजक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की मांग रखी है, ताकि सीट बंटवारे पर चर्चा हो सके।

भाकपा, जो महागठबंधन का हिस्सा है, ने अपनी रणनीति को और आक्रामक करते हुए 24 से अधिक सीटों पर दावा किया है। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने कहा, हमारी पार्टी बिहार में मजबूत आधार रखती है, खासकर ग्रामीण और मजदूर वर्ग के बीच। इन सीटों पर हमारी जीत की संभावना मजबूत है और हम महागठबंधन के साथ मिलकर एनडीए को कड़ी चुनौती देंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव से जल्द मुलाकात की मांग की है, ताकि गठबंधन के साझा एजेंडे और सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा सके। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, बछवाड़ा, हरलाखी, झंझारपुर, रूपौली, फुलवारीशरीफ, डुमरांव, गोह, बांका,

बेलदौर, केसरिया, चनपटिया, मोतिहारी, जाले, बारिसनगर, सिकंदरा, खजौली, और करगहर जैसी विधानसभा सीटें शामिल हैं। बिहार में इस बार का विधानसभा चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद है।

सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में चुनौतियां भी हैं। राजद और कांग्रेस के बीच पहले से ही सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें हैं। राजद, जो महागठबंधन का सबसे बड़ा घटक है, 150 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है, जबकि कांग्रेस 50-60 सीटों की मांग कर रही है। भाकपा (माले) ने भी 40-45 सीटों की दावेदारी की है। ऐसे में भाकपा की 24 से अधिक सीटों की मांग गठबंधन के भीतर समीकरण को और जटिल बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी, तो महागठबंधन को नुकसान हो सकता है, जिसका फायदा एनडीए को मिल सकता है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले), भाकपा, माकपा, और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव 2020 में भाकपा (माले) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 पर जीत हासिल की थी, जो महागठबंधन में तीसरे सबसे बड़े घटक के रूप में उभरा था। इस बार भाकपा भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के मूड में है। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, और बछवाड़ा जैसे क्षेत्रों में उसका मजबूत जनाधार रहा है, खासकर अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़े वर्गों के बीच। इसके अलावा, फुलवारीशरीफ और डुमरांव जैसी शहरी और ग्रामीण मिश्रित सीटों पर भी पार्टी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

भाकपा की बढ़ती मांग और डी राजा की सक्रियता से यह साफ है कि महागठबंधन में एक साझा रणनीति के लिए तेजस्वी को कठिन संतुलन बनाना होगा। चुनाव आयोग जल्द ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है, और सितंबर-अक्टूबर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। भाकपा की इस दावेदारी ने बिहार की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। अब यह देखना होगा कि तेजस्वी यादव और डी राजा की मुलाकात के बाद महागठबंधन का सीट बंटवारा किस दिशा में जाता है और क्या यह गठबंधन एनडीए के डबल इंजन सरकार को चुनौती दे पाएगा। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और बीजेपी ने पहले ही कार्यकर्ता सम्मेलनों और रैलियों के जरिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चिराग पासवान ने दावा किया है कि एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतेगा। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने 'माई बहन मान योजना' जैसे वादों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की है।

आख़िरकार बिहार में मिली किराए की कोख को कानूनी मंजूरी

पटना (एजेंसी)। आख़िरकार बिहार में लंबे इंतजार के बाद अब किराए की कोख यानी सरोगेसी को कानूनी मंजूरी मिल गई है। राज्य सरकार ने सरोगेसी प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए दो दर्जन सदस्यीय मॉनिटरिंग बोर्ड का गठन कर दिया है, जिसमें चिकित्सक, एमएलए और महिला समाजसेवी शामिल है। बोर्ड का नाम रखा गया है एआरटी (सहायक प्रजनन तकनीक) एंड सरोगेसी मॉनिटरिंग बोर्ड। राज्य सरकार का यह निर्णय उन दंपतियों के लिए राहत लेकर आया है जो संतान सुख की चाह में सालों से जूझ रहे थे। अब प्रक्रिया पूरी करने के लिए उन्हें झारखंड, पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इन राज्यों में न केवल खर्च अधिक होता था, बल्कि कानूनी और चिकित्सा जटिलताओं से भी गुजरना पड़ता था। अब बिहार में ही इस पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुरक्षित रूप में पूरा किया जा सकेगा।

* क्या होता है सरोगेसी (किराए की कोख)?

सरोगेसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कोई महिला किसी अन्य दंपति के लिए गर्भ धारण करती है। वो बच्चे को जन्म देती है। भारत में इसे किराए की कोख के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन यह शब्द कई बार नकारात्मक भाव पैदा करता है, इसलिए इसे चिकित्सा जगत में सरोगेसी कहा जाता है। वर्ष 2021 के कानून के तहत भारत में सरोगेसी का व्यवसायीकरण प्रतिबंधित है और सरोगेसी एक परोपकारी प्रक्रिया है, इसलिए सरोगेट मदर भी इच्छुक दंपति से कोई अतिरिक्त पैसे की डिमांड नहीं कर सकती। कंसेंट फॉर्म में यह सब कुछ होता है जिस पर दोनों की सहमति होती है।

सरोगेसी की प्रक्रिया में सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है, बल्कि वह सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इस प्रक्रिया में संतान प्राप्ति को इच्छुक दंपत्ति में पिता का शुक्राणु और माता का अंडाणु लेकर आईवीएफ तकनीक से टेस्ट ट्यूब में निषेचन किया जाता है। निषेचन के बाद भ्रूण को सरोगेट मदर के गर्भाशय में ट्रांसप्लांट किया जाता है। भारत में सरोगेसी कानून के अनुसार, जब किसी महिला को गर्भधारण में शारीरिक या चिकित्सकीय कठिनाई होती है, तभी वह सरोगेसी के माध्यम से संतान सुख की प्राप्ति कर सकते हैं। सरोगेसी के लिए विवाहित जोड़े में पुरुष की उम्र 26 साल से 55 साल के बीच और महिला की उम्र 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा महिला यदि विधवा अथवा तलाकशुदा है तो उसकी उम्र 35 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए, ऐसी महिलाओं के अंडाणु से स्पर्म के निषेचन के लिए डोनर पुरुष का सहारा लिया जाता है। भारत में कानून के मुताबिक कुंवारी महिला जो पहले से ना तो शादीशुदा है ना ही विधवा है, वह सरोगेसी के तहत मां बनने के योग्य नहीं है। इसके अलावा लिविंग में रहने वाले जोड़े, समलैंगिक कपल और एकल पुरूष भी सरोगेसी के तहत संतान सुख प्राप्त करने के योग्य नहीं है। वैसे दंपति अथवा विधवा महिला जिन्हें पूर्व से संतान है वह भी सरोगेसी के तहत संतान प्राप्ति के योग्य नहीं है।

थरुर की रुसी यात्रा पर उठे सवाल, यात्रा सरकारी कूटनीति का हिस्सा थी या निजी?

-खड़गे ने कहा था- कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की तारीफ के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऐसा काम किया है जिससे कांग्रेस को स्वीकार करना सहज नहीं है। दरअसल शशि थरूर रूस यात्रा पर हैं। उन्होंने वहां के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इससे सियासी हलचल पैदा हो गई है।

बता दें मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी पहले को तरजीह देते हैं। जानकारों का कहना है कि उनकी यह टिप्पणी शशि थरूर को लेकर थी। थरूर बीते कुछ समय से पीएम मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ कर रहे हैं। दुनिया में भारत का पक्ष रखने वाली सांसदों की टीम में वह थरुर काफी सक्रिय रहे थे।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तनातनी ने सियासत को गरमा दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब थरूर ने अपने एक लेख में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रचार के लिए पीएम मोदी की ऊर्जा और गतिशीलता को भारत की अहम संपत्ति बताया था। इसके बाद खड़गे ने थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी भाषा बहुत अच्छी है, इसलिए उन्हें कार्यसमिति में रखा गया। कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं।

जवाब में थरूर ने एक्स पर एक रहस्यमय पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा- उड़ने की अनुमति न मांगो, पंख तुम्हारे हैं, आकाश किसी का नहीं। इसके तुरंत बाद थरूर की रूस यात्रा और वहां विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात ने सवाल खड़े किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर 24 जून को मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग्स में अपनी किताब इंग्लोरियस एम्पायर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के प्रचार के लिए गए थे। इस मुलाकात का समय और संदर्भ खासकर खड़गे की टिप्पणी के बाद इसे कूटनीतिक या निजी हितों से जोड़कर देखा गया।

कोरोना के 22 और नए वायरस मिले, ये मौत से पहले इंसान को बना देंगे पागल?

-शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में ये नए वायरस खोजे, जो मचा सकते हैं हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस से मची तबाही भूल नहीं सकते। ये ऐसी महामारी थी, जिसने न लाखों लोगों की जान ले ली, बल्कि संक्रमण की वजह से मानवीय रिश्तों में भी दरार देखने को मिली। अब इस कोरोना के 22 और वायरस लाइन में हैं, जिनके निकलते ही हर तरफ हाहाकार मच जाएगा। ये खोज ऐसे समय सामने आई है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 महामारी के नए वेरिएंट से जूझ रही है। कोविड-19 का पहला मामला 2019 में चीन के वुहान शहर में सामने आया था। एक बार फिर चमगादड़ों के ज़रिये ही 22 जानलेवा वायरस फिर फैल सकते हैं, जो मौत से पहले इंसान को पागल बना देंगे।

चीन में शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों में कम से कम 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनसे पशुओं और इंसानों में भविष्य में खतरा पैदा हो सकता है। युनान प्रांत में 2017 से 2021 के बीच 142 चमगादड़ों के गुर्दे के ऊतकों से 22 वायरसों की पहचान की गई है। इनमें से दो वायरस हेंड्रा और निपाह की तरह ही हैं। रिसर्च में एक अज्ञात बैक्टीरिया और क्लोसिएला युन्नानेंसिस नाम का एक परजीवी मिला है। चमगादड़ फलों के बागों और गांवों के आसपास रह रहे थे, जिससे चमगादड़ के मूत्र के जरिए फलों को दूषित करने का खतरा है। यह इंसानों या पशुओं में बेहद आसानी से फैल सकता है।

ये वायरस युनान बैट हेनिपावायरस 1 और 2, पहले अज्ञात थे और इनका जेनेटिक मटेरियल, अन्य हेनिपावायरस से 52 से 57 फीसदी मिलता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये वायरस फलों या पानी के जरिए इंसानों तक पहुंच सकते हैं यानि इनका संक्रमण बहुत ही आसान होगा। कोरोना की तरह सांस की गंभीर बीमारी के अलावा ये वायरस दिमाग में सूजन पैदा कर सकते हैं, जो मरीज के मस्तिष्क को डैमेज करेगा। ये वायरस चमगादड़ों के गुर्दों में पाए गए हैं और इंसानों या पशुओं में फैलने की संभावना रखते हैं। इनके कारण कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। अभी तक शोधकर्ताओं ने किसी नई महामारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खतरे को गंभीरता से लिया है।

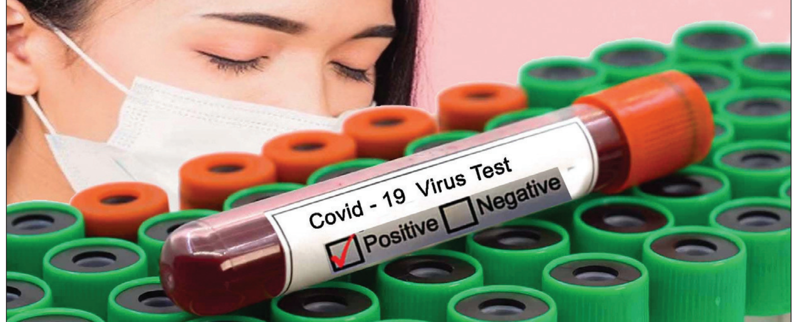

केला-अक्वाडो व ओट्स बढ़ाएंगे आपकी उर्जा

- अक्वाडो में एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है
- ओट्स में कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में होता है, यह आपके उर्जा के स्तर को दिन भर बनाए रखता है

अक्सर थकान महसूस करने वाले लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही है। कारण एक ही हैं भाग-दौड़ भरी जिंदगी आपको थका देती है। ऐसे में आपको को अपने अंदर एनर्जी बढ़ानी होगी। आपकी क्षमता कम होने का मतलब है कि आपकी उर्जा की सहन शक्ति, उर्जा, चेतना आदि कम होना। हम इंसानो को सामान्य जीवन जीने के लिए यह बहुत आवश्यक घटक है उर्जा। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं होगी तो आप काम नहीं कर पाएंगे, इससे आपके जीवन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं है तो कसरत करना, काम पर जाना, लोगों से मिलना-जुलना आपको मुश्किल ही लगेगा। अत- आपको कुछ ऐसे पदार्थो को अपने आहार में शामिल करना होगा जिससे आपकी प्यार्प्त उर्जा बनी रहे। इन पदार्थो से आप एक सप्ताह में अपनी प्रतिदिन की उर्जा बढ़ा सकते हैं साथ ही अपने दुनिया भर के कामों को आराम से अंजाम दे सकते हैं।

सप्ताह भर में आपकी उर्जा बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ

ओट्स: ओट्स नाश्ते में खाया जाने वाला एक अन्य पदार्थ है जिसमें कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है तथा यह आपके उर्जा के स्तर को दिन भर बनाए रखता है।

केला : केले में पोटाशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में कुछ विशेष प्रकार के हार्मोन्स का उत्पादन बढ़ाता है जिससे शरीर में उर्जा का स्तर बढ़ता है। यहां तक कि कसरत करने से पहले भी केले का सेवन किया जाता है।

एक्वाडो : एक्वाडो एक विशेष फल होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है जिसकी आवश्यकता शरीर की प्रत्येक कोशिकाओं को होती है। इस प्रकार यह आपके स्टेमिना को बढ़ाता है।

कॉफी : कॉफी में कैफीन पाया जाता है जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करके उसे सक्रिय रखता है। इससे आपका शरीर पूरे दिन सक्रिय और उर्जावान बना रहता है। लेकिन कॉफी को ज्यादा नहीं पीना चाहिए।

पीनेट बटर : पीनेट बटर में प्रोटीन और ओमेगा-3 फैट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये दोनों ही आपके उर्जा के स्तर को बढ़ाते हैं तथा मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

खुशी बढ़ाने की तकनीक

टोक्यो। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने समेत सामाजिक चुनौतियों का नवाचारी समाधान विकसित करने वाली कंपनी हिताची लिमिटेड ने आर्टिफिशल इंटेलीजेंस पर आधारित एक ऐसे तकनीक का विकास करने का दावा किया है जो कामकाजी लोगों के व्यवहार के आधार पर खुश रहने के लिए दैनिक सुझाव देता है।

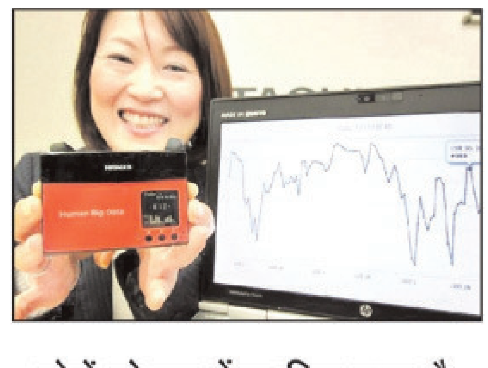

कंपनी ने बताया कि उसने अपने विपणन एवं बिक्री विभाग के 600 कर्मचारियों पर इस तकनीक का ट्रायल भी शुरू कर दिया है। इसके तहत लोगों को एक सेंसर दिया जाता है जिसे पहचान पत्र की तरह गले में पहना जाता है। यह सेंसर लोगों के दैनिक व्यवहार के आंकड़े इकट्ठा करता है और हिताची एआई तकनीक की मदद से इन आंकड़ों की समीक्षा की जाती है। समीक्षा के हिसाब से यह तकनीक खुश रहने के लिए स्वत: सुझाव देता है।

> लोगों को एक सेंसर दिया जाता है जिसे पहचान पत्र की तरह गले में पहना जाता है
>
> यह सेंसर लोगों के दैनिक व्यवहार के आंकड़े इकट्ठा करता है और आंकड़ों की समीक्षा करता है
>
> समीक्षा के हिसाब से यह तकनीक खुश रहने के लिए स्वतः सुझाव देता है
>
> इस तकनीक से विश्व भर के विभिन्न संस्थानों को अपनी उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी

कंपनी ने कहा कि इस तकनीक से मिलने वाले सुझाव को निजी तौर पर लोगों स्मार्टफोन या टैबलेट पर डिलिवर किए जाते हैं। उसने कहा कि इस तकनीक से विश्व भर के विभिन्न संस्थानों को अपनी उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि कार्यस्थल का माहौल खुशनुमा रहने एवं कर्मचारियों के खुश रहने से कार्य की दक्षता एवं उत्पादकता बेहतर होती है। हिताची ने पिछले साल एक तकनीक विकसित की थी जो कंपनियों की संस्थानिक गतिविधियों एवं कर्मचारियों की खुशी का अंतर्सबंध बताता है। इसके अनुसार, अधिक खुश रहने पर उत्पादकता बढ़ जाती है। इस तकनीक का द बैंक ऑफ तोक्यो-मित्सुबिशि यूएफजे लिमिटेड और जापान एयरलाइंस कंपनी लिमिटेड समेत 13 अन्य संस्थानों में ट्रॉयल किया गया था। एक कॉल सेंटर में किए गए ट्रॉयल के अनुसार, कर्मचारियों की खुशी का औसत स्तर नकारात्मक होने की जगह सामान्य रहने पर बिक्री में 34 फीसद की बढ़ोतरी हुई।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यो में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

एक आदमी तोता खरीदने के लिए तोते वाले के पास गया और एक तोते की ओर इशारा करके पूछा, 'यह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '3 हजार रुपए का.'

आदमी ने पूछा, 'अरे इतना महंगा?'

तोते वाला बोला, 'यह तोता फोन अटेंड कर लेता है.'

फिर आदमी ने दूसरे तोते के बारे मे पूछा, 'वह कितने का है?'

तोते वाले ने कहा, '5 हजार रुपए का.'

वह आदमी बोला- 'यह इतना महंगा क्यों है?'

तोते वाले ने कहा, 'यह फोन अटेंड भी कर लेता है और मैसेज भी नोट कर लेता है.'

उस आदमी ने फिर एक तीसरे तोते के बारे में पूछा, 'इसमें क्या खास बात है?'

तोते वाला बोला, 'यह तो पता नहीं, लेकिन दोनों तोते इस तोते को बॉस कहकर पुकारते हैं.'

☺ ☺ ☺

मालिक गुस्से में नौकर से- 'मैं एक घंटे से घंटी बजा रहा हूं.'

नौकर तुरंत बोला- आप मालिक है. एक घंटे तो क्या आप सारे दिन घंटी बजा सकते हैं.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

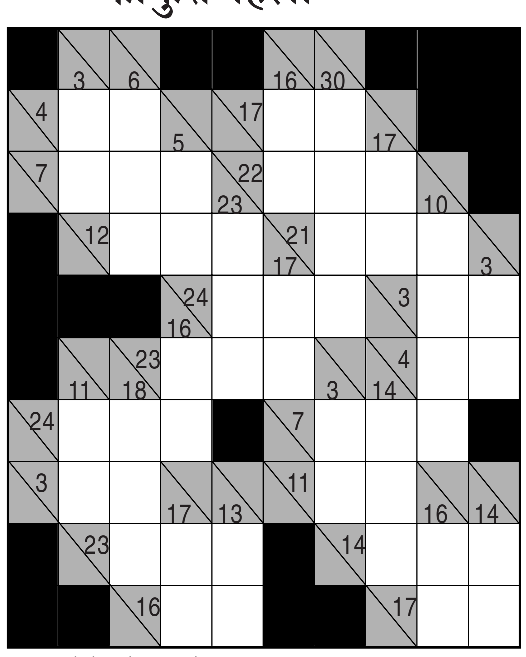

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

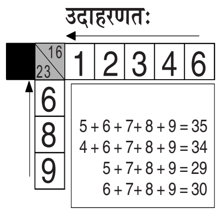

$5+6+7+8+9=35$
$4+6+7+8+9=34$
$5+7+8+9=29$
$6+7+8+9=30$

काकुरो - 4094 हल

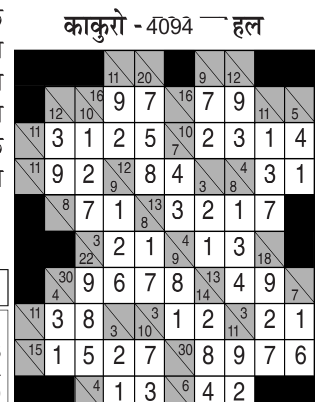

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

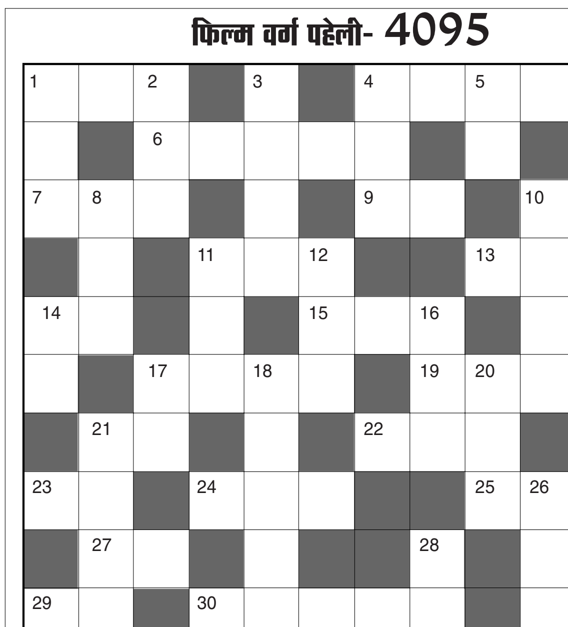

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4094

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -'4095

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -'4095 हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 4095

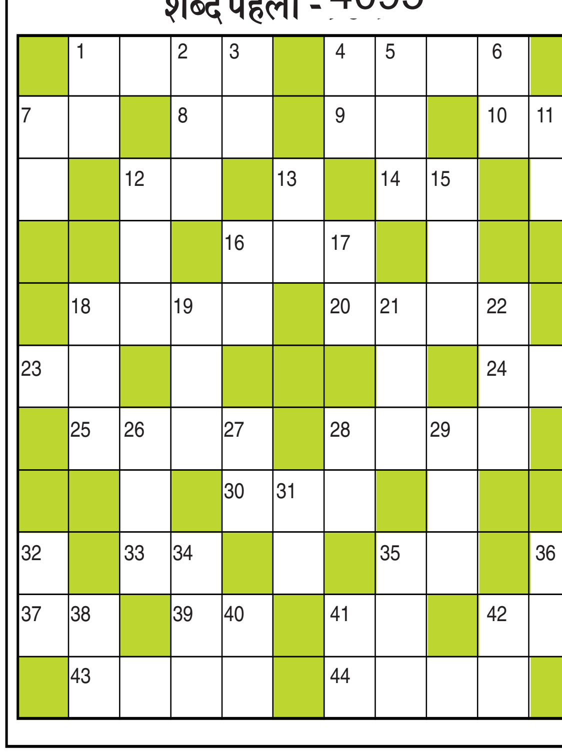

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली - 4095 हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द								सो	
अ	सा	म	यि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खौ	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

नक्सली के गांव में सीआरपीएफ जवानों ने नेग-उपहार व आशीर्वाद देकर विवाहिता को किया विदा

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सुकमा और बीजापुर जिले के सीमा क्षेत्र पर एक करोड़ के ईनामी नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में विवाह के बाद एक विवाहिता की विदाई की तस्वीर सामने आई है, जिसमें परिवार के साथ बेटी सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर वहां तैनात जवानों से मिलकर उनके पैर छुए, जवानों ने नजर उतारी और भाई बनकर उसे विदाई दी। इस दौरान जवान पूरे गांव वालों के साथ जमकर थिरके। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने बुधवार को पूवर्ती की बेटी के विवाह बाद विदाई का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर कर उन्होंने लिखा कि सीआरपीएफ 150वीं बटालियन के जवानों ने पूरी आत्मीयता के साथ नेग दिया, आशीर्वाद दिया और खुशी से झूम उठे। जहां कभी सन्नाटा था, वहां अब प्रेम, अपनापन और सुरक्षा का उजाला फैल रहा है, यह बदलते बस्तर की तस्वीर है। नक्सली हिड़मा एवं देवा के ग्राम पूवर्ती में मंगलवार को एक लड़की का विवाह हुआ, उसकी विदाई में पूरा गांव उमड़ा था। विवाह में ग्रामीणों ने जश्न में पास के कैंप में तैनात जवानों को आमंत्रित किया गया। जब दुल्हन को विदा किया जा रहा था, तो पूरी बारात जंगल में चली गई, ताकि दुल्हन को सीआरपीएफ के जवानों से मिलवाया जा सके। इसके बाद बेटी स्वयं अपने घर से सीआरपीएफ कैंप तक आई, इसके साथ पूरे गांव के लोग भी थे।

बादल फटने से कुल्लू में तीन लोग बहे, पांच जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने दस्तक देते ही अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। खासकर कुल्लू जिले में बुधवार को बादल फटने की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। वहीं प्रदेश के पांच जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लू जिले के सैंज घाटी, गड़सा, बंजार और मणिकर्ण के ब्रह्मगंगा नाले में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। सैंज के जीवानाला, गड़सा घाटी के शिलागढ़, मनाली के स्नो गैलरी और बंजार के होरनगढ़ क्षेत्रों में दोपहर बाद अचानक बारिश का जोर बढ़ा और बादल फटने से नदियों-नालों में बाढ़ आ गई। इससे कई वाहन बह गए और दर्जनों स्थानों पर सड़कें व पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अतिरिक्त उपायुक्त कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि कुल्लू में तीन स्थानों पर बादल फटने की पुष्टि हुई है। इनमें सैंज का जीवा नाला, गड़सा की शिलागढ़ घाटी और मनाली के स्नो गैलरी क्षेत्र शामिल हैं। सैंज घाटी के मझान नाले में अचानक जलस्तर बढ़ गया। गड़सा घाटी में हुरला, पचा और मनिहार नालों में भारी जलप्रवाह दर्ज किया गया है। बंजार के होरनगढ़ क्षेत्र में बंजार-बठाहर सड़क पर बना एक छोटा पुल और एक वाहन बाढ़ में बह गया। होरनगढ़ पटवार सर्कल के चेहणी गांव में एक गोशाला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है और सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पानी व मलबा घुस गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी किए टोल फ्री नम्बर

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में आंतरिक सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान हेतु उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस विभाग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 1800-233-1905 जारी किया गया है, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी दिनों में सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य का कोई भी नागरिक, अपने क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों अथवा उनकी गतिविधियों के संबंध में सूचना सीधे पुलिस प्रशासन को दे सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना किसी भय के राष्ट्रहित में सहयोग कर सकें। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि देश की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार राज्य को घुसपैठियों और अवैध गतिविधियों से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक ऐसी ताकतों को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक हमारे नागरिकों की सुरक्षा और शांति खतरे में रहेगी। यह हेल्पलाइन आम जनता को एक सीधा, सुरक्षित और प्रभावी माध्यम प्रदान करती है, जिससे वे देशहित में अपनी भागीदारी निभा सकें। राज्य में अवैध बांग्लादेशी नागरिको की सूचना पर पूरी ताकत के साथ जांच और पहचान कर रहा है।

कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान का गला घोंट दिया था : रविशंकर प्रसाद

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने मुंबई में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के दौरान संविधान का गला घोंट दिया था। सांसद प्रसाद ने कहा कि क्या कांग्रेस पार्टी इसके लिए देश की जनता से माफी मांगेगी। सांसद रविशंकर प्रसाद आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भाजपा के मुंबई स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। सांसद प्रसाद ने कहा कि आपातकाल के दौरान देश भर में डेढ़ लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जनसंघ और समाजवादी पार्टी जैसे प्रमुख विपक्षी दलों के सभी नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण को गिरफ्तार कर हरियाणा की जेल में रखा गया था। मोरारजीभाई देसाई को भी उसी जेल में रखा गया था। हालांकि, दोनों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। जेल में आरएसएस के स्वयंसेवकों और जनसंघ कार्यकर्ताओं को शारीरिक यातनाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान 253 पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से 110 पत्रकार मीसा कानून और 110 बाल संरक्षण कानून के तहत गिरफ्तार किए गए थे।

लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप जैसा था आपातकाल : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

नैनीताल। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज से पचास वर्ष पूर्व, इसी दिन लोकतंत्र को नष्ट कर देने वाला 'आपातकाल' थोप दिया गया था, जो लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप से कम नहीं था। उन्होंने इस कालखंड को भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय समय बताया। उन्होंने कहा कि उस समय की प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत हितों को सर्वोपरि रखते हुए कैबिनेट को दरकिनार कर राष्ट्रव्यापी आपातकाल की घोषणा करवाई और राष्ट्रपति ने संवैधानिक मर्यादाओं की उपेक्षा कर इस पर हस्ताक्षर कर दिये। उपराष्ट्रपति धनखड़ बुधवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं अन्य गणमान्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि आपातकाल के दौरान लगभग 1.4 लाख लोगों को जेलों में डाल दिया गया था। उन्हें न्यायपालिका तक पहुंच भी नहीं मिली। तब मौलिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं थी, लेकिन इनमें से कुछ लोग बाद में इस देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बने। उस दौरान नौ उच्च न्यायालयों ने मौलिक अधिकारों की स्थिरता पर बल दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश सर्वोच्च न्यायालय ने इन निर्णयों को पलट दिया और कहा कि कार्यपालिका के निर्णय न्यायिक समीक्षा से परे हैं। इससे लोकतंत्र को भारी आघात लगा। उन्होंने कहा कि 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का उद्देश्य युवाओं को इस अंधकारमय इतिहास से अवगत कराना है ताकि वे इसे भूलें नहीं और इस तरह की घटना दोबारा न दोहराई जाए। उन्होंने न्यायमूर्ति एचआर खन्ना के साहसिक असहमति मत का उल्लेख करते हुए उन्हें लोकतंत्र का प्रहरी बताया। समारोह से पूर्व उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित हरमिटेज भवन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत अपने पूज्य माता-पिता के नाम पर दो पौधों का पौधरोपण भी किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल प्रमाणपत्र देने के केंद्र नहीं, बल्कि विचार और नवाचार के स्वाभाविक जैविक स्थल होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ये परिसर ही हैं जहाँ भविष्य की दिशा तय होती है।

मुख्यमंत्री ने कतर में फंसी उज्जैन की मनीषा की स्वदेश वापसी के लिए गृह मंत्री शाह से किया अनुरोध

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी रजत भटनागर की पत्नी मनीषा ईरान-इजराइल युद्ध के हालातों के बीच दोहा, कतर में फंसी हुई है। मनीषा को भारत सुरक्षित वापस लाने के प्रयास तेज हो गए हैं। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मनीषा की स्वदेश वापसी कराने में सहयोग के लिए अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए कहा कि मनीषा की सकुशल वापसी को लेकर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से सहयोग का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि केंद्र सरकार के संपर्क में रहते हुए मनीषा की सकुशल स्वदेश वापसी सुनिश्चित करें गौरतलब है

कि महिला के परिवार ने राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक्स पर संवदेशीलता जताते हुए इसकी जानकारी दी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हर नागरिक की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिला के जल्द सकुशल वापसी की उम्मीद जताई है। सरकार इसके लिए प्रयास कर रही।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान से अब तक 53 लाख से अधिक आदिवासी लाभान्वित

एजेंसी

नई दिल्ली। आदिवासी सशक्तीकरण के लिए शुरू धरती आबा जनभागीदारी अभियान अब तक 31 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के एक लाख से अधिक आदिवासी गांवों और बस्तियों को कवर करने वाला एक ऐतिहासिक अभियान बन गया है। पांच जून से 15 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में केवल नौ दिनों में 53 लाख से अधिक आदिवासी नागरिकों को लाभान्वित किया जा चुका है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने बताया कि देश के कुछ सबसे दूरदराज और कम सुविधा वाले आदिवासी क्षेत्रों में आयोजित 22,000 से अधिक जनसेवा शिविरों के माध्यम से महत्वपूर्ण योजनाएं दरवाजे तक पहुंच गई हैं। अब तक 1.38 लाख से अधिक आधार नामांकन, 1.68 लाख आयुष्मान भारत कार्ड, 46,000 पीएम-किसान पंजीकरण, 22,000 नए पीएम उज्ज्वला लाभार्थी और 32,000 पीएम जन धन खाते खोले गए। अभियान के तहत कानूनी सहायता, पोषण सहायता, स्वास्थ्य जांच और वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) दावों की सुविधा प्रदान किया जा रहा

है। अभियान को वास्तव में असाधारण बनाने वाली बात यह है लद्दाख के चांगथांग से लेकर केरल के सुल्तान बाथरी तक और गुवाहाटी से सीहोर तक, प्रत्येक क्षेत्र ने आदिवासी विरासत को अपनाते हुए स्थानीय जरूरतों के हिसाब से अभियान को अपनाया है। इस अभियान के तहत हाल ही में लद्दाख में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोंगो गांव में एक आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया, चांगपा जनजाति के साथ बातचीत की और अभियान की समग्र स्वास्थ्य पहल के हिस्से के रूप में बाजरा आधारित पोषण को बढ़ावा दिया। मध्य प्रदेश में राज्यपाल मंगूभाई छगनभाई पटेल ने झोलियापुर बुदनी में अभियान का उद्घाटन किया। यह अभियान भगवान बिरसा मुंडा को याद करता है, जिन्हें धरती आबा के रूप में सम्मानित किया जाता है - जो आदिवासी पहचान, प्रतिरोध और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार है जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की वकालत करते हैं।

2028 के लिए चलाई जाएंगी 100 विशेष ट्रेनें, रेलवे चैयरमैन ने स्टेशनों का लिया जायजा

एजेंसी

उज्जैन। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने उज्जैन स्टेशन सहित उज्जैन के पास फ्लैग स्टेशनों का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उज्जैन सिंहस्थ 2028 में शामिल होने के लिए करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं के रेल यात्रा द्वारा आने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा के लिए नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन, विक्रम नगर और पंवासा स्टेशन को तैयार करवाया जा रहा है। कुम्भ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 100 विशेष ट्रेन चलाई जाएंगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह से चर्चा हुई है। एमपी सरकार के साथ मिलकर हम कार्य कर रहे हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने उज्जैन प्रवास के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक में सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत रेलवे द्वारा किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार उज्जैन संभाग व जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बैठक में शासन द्वारा किए जा रहे सिंहस्थ 2028 के प्रस्तावित और प्रगतीरत कार्यों की जानकारी दी और रेल्वे संबंधित स्वीकृतियों और कार्यों पर

चर्चा की। बैठक में रेलवे के दक्षिण पूर्वी जोन के जनरल मैनेजर अनिल कुमार मिश्रा, संभागायुक्त संजय गुप्ता, डीआरएम अश्विन कुमार, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा और रेल्वे अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चिंतामण, पंवासा में रेलवे स्टेशनों को फुल फ्लेज्ड स्टेशन के रुप में विकसित करने के जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर रेल्वे बोर्ड के चेयरमैन द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई, साथ ही नईखेडी, मोहनपुरा, पिंग्लेश्वर, विक्रमनगर आदि स्टेशनों के उन्नयन के कार्यों पर भी सहमति दी गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि भीड़ प्रबंधन के लिए सभी स्टेशनों पर बेलेन्स्ड क्राउड रहे, भीड़ बड़ने पर दूसरे स्टेशन पर भीड़ को डायवर्ट करने और सभी रुट्स पर होल्डिंग एरिया का निर्माण करने की कार्ययोजना बनाने में ए.आई तकनीक का उपयोग कर जिला प्रशासन और रेल्वे द्वारा संयुक्त रुप से कार्य करने पर भी चर्चा की ग ।

गुजरात के प्रत्येक गांव को मिलेगा हाईस्पीड इंटरनेट: राज्य में अमेंडेड भारतनेट प्रोजेक्ट के तीसरे चरण का होगा शुभारंभ

एजेंसी

गांधीनगर। गांधीनगर में राज्य के मुख्य सचिव पंकज जोशी तथा भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के सचिव नीरज मित्तल की प्रेरक उपस्थिति में अमेंडेड भारतनेट (फेज-3) के क्रियान्वयन के लिए गुजरात के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीटीएस), गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क लिमिटेड (जीएफजीएनएल), भारत सरकार के डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) तथा भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) सहित कुल चार सहभागी पक्षों के बीच स्टेट एग्रीमेंट किया गया। इसमें भारत सरकार की ओर से अपर सचिव एवं डीबीएन के प्रशासक नीरज वर्मा तथा गुजरात सरकार की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव मोना खंधार द्वारा हस्ताक्षर किए गए। गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को अधिक सुदृढ़ बनाने

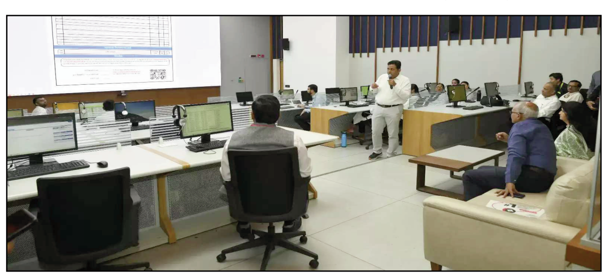

तथा शहरी-ग्रामीण डिजिटल दूरी को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दृष्टिवान नेतृत्व में राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अमेंडेड भारतनेट कार्यक्रम (चरण-3) का प्रारंभ किया जाएगा। भारतनेट के तीसरे चरण अंतर्गत गुजरात के सुदूरवर्ती-दूरदराजी क्षेत्रों में भी 98 प्रतिशत से अधिक सर्विस अपटाइम सुनिश्चित कर समान डिजिटल सुलभता प्रदान करने का राज्य सरकार ने निश्चय किया है। राज्य आधारित मॉडल में अमेंडेड भारतनेट कार्यक्रम (फेज-3) के क्रियान्वयन के लिए मेमोरैंडम ऑफ को-ऑपरेशन (एमओसी) पर हस्ताक्षर करने वाला गुजरात देश के 8 राज्यों में पहला राज्य बना है। अक्टूबर 2024 में नई दिल्ली में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में राज्य सरकार ने भारतनेट फेज-3 के क्रियान्वयन के लिए एमओसी पर हस्ताक्षर किए थे।

इसके बाद गत जनवरी 2025 में भारत सरकार द्वारा भारतनेट फेज-3 के लिए गुजरात को एकमुश्त पूंजी खर्च (कैपेक्स) तथा 10 वर्ष के निर्वहन खर्च (ऑपेक्स) के लिए कुल 5631 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका ने पनडुब्बी सहयोग के क्षेत्र में दो समझौते किए

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 9वीं संयुक्त रक्षा समिति (जेडीसी) की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बैठक के पहले दिन की शुरुआत दोनों सह-अध्यक्षों की टिप्पणियों के साथ हुई, जिसमें एजेंडा निर्धारित किया गया। दोनों पक्षों ने अपने-अपने रक्षा उद्योग की क्षमताओं के बारे में जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उस देश के कार्यवाहक रक्षा सचिव डॉ. थोबेकिले गामेदे ने किया। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के साथ ऐतिहासिक संबंधों को याद किया तथा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने रक्षा विनिर्माण और निर्यात में भारत की बढ़ती ताकत पर प्रकाश डाला तथा दक्षिण अफ्रीका के साथ संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के दूसरे दिन आपसी हित के क्षेत्रों पर चर्चा की गई तथा भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को और मजबूत करने के लिए आगे का रास्ता तय किया गया। पनडुब्बी सहयोग के क्षेत्र में हाल ही हस्ताक्षरित दो समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। बैठक में रक्षा नीति एवं सैन्य सहयोग तथा रक्षा अधिग्रहण, उत्पादन, अनुसंधान एवं विकास संबंधी दो उप-समितियों ने जेडीसी को चर्चा के परिणाम की रिपोर्ट दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में रक्षा विभाग, रक्षा उत्पादन विभाग, सेना और भारतीय उच्चायोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

प्राक्कलन समिति और वित्त समितियों की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल राधाकृष्णन

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने मुंबई में कहा कि प्राक्कलन समिति और वित्त समितियां देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और पारदर्शिता और जवाबदेही सुशासन की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानमंडल का इतिहास गौरवशाली और प्रेरणादायक रहा है और महाराष्ट्र ने देश को कई अभिनव योजनाएं दी हैं। संसद और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्राक्कलन समितियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन की उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र भक्ति, शक्ति और प्रगति की भूमि है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज्य की नींव रखी।

महाराष्ट्र ने 1970 में रोजगार गारंटी योजना शुरू की और देश ने इसे स्वीकार किया। सरकारी खर्च की योजना बनाने, दक्षता का मूल्यांकन करने और नीति सुधारों में प्राक्कलन समितियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है और यह अमृतकाल महत्वपूर्ण होगा ।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, विधानसभा के उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, महाराष्ट्र विधानसभा के समिति अध्यक्ष अर्जुन खोतकर, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, संसद और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्राक्कलन समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

उत्तम योजकता के धनी थे उत्तम दा : रामदत्त चक्रधर

एजेंसी

कोलकाता। पूर्वांचल कल्याण आश्रम के दक्षिण बंगाल प्रांत संगठन मंत्री उत्तम महतो उत्तम स्वयंसेवक, उत्तम कार्यकर्ता, उत्तम प्रचारक, उत्तम संगठक एवं उत्तम पालक थे जिन्होंने अपनी कर्मठता, कार्य कुशलता एवं योजकता से कल्याण आश्रम के कार्य का व्यापक विस्तार किया। ऐसे निष्ठावान युवा कार्यकर्ता का अचानक चले जाना कल्याण आश्रम की अपूरणीय क्षति है।

उपरोक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने पूर्वांचल कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित उत्तम महतो की सार्वजनिक स्मरण सभा को संबोधित करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि गत 22 जून को 52 वर्ष की उम्र में उत्तम दा का आकस्मिक देहावसान हो गया। 1972 में जन्मे उत्तम दा ने संघ के प्रचारक के रूप में पुरुलिया, बांकुड़ा, अंडमान निकोबार का कार्य किया तथा 2018 से कल्याण आश्रम का दायित्व ग्रहण किया। स्मरण सभा

के दौरान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग के लिखित शोक संदेश का वाचन किया गया। इस दौरान महादेव गोड़ई, संजय रस्तोगी, भगवान सहाय, सुशील सोरेन, विवेक गोयल, शकुंतला अग्रवाल, जितेंद्र चौधरी, मालती सोरेन, स्नेहलता बैद, शशि अग्रवाल एवं कुसुम सरावगी ने अपने संस्मरणों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। स्मरण सभा का प्रारंभ रामधुन के साथ हुआ और संचालन कोलकाता-हावड़ा संभाग प्रमुख संदीप चौधरी ने किया। सभा के दौरान डॉ जयंत राय चौधरी, अद्वैत चरण दत्त , डॉ जिष्णु बसु, शारदा पाल, जलधर महतो, प्रशांत भट्ट, रणजीत अग्रवाल, मोहनलाल गर्ग, महेश मोदी, महावीर बजाज, शंकरलाल अग्रवाल, विभाष मजूमदार, अमित सांतरा, पवन अग्रवाल, रायचंद सुराणा, बिमल मल्लावत सहित कोलकाता एवं हावड़ा महानगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्तम दा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मुंबई, ठाणे समेत कोंकण क्षेत्र में आंधी-तूफान की संभावना, 22 जिलों के लिए येलो अलर्ट

एजेंसी

मुंबई। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार से अगले पांच दिनों तक महाराष्ट्र के कोंकण, मुंबई, पुणे समेत पूरे विदर्भ में तूफान सहित भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने मराठवाड़ा सहित राज्य के 22 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है । पिछले दो दिनों से राज्य के तटीय इलाके बारिश के अनुकूल हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी विदर्भ के कुछ जिलों में आज दोपहर से भारी बारिश का अनुमान है। नासिक और पुणे घाट इलाकों के साथ-साथ पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच मध्य महाराष्ट्र में बारिश से थोड़ी राहत मिली है और अगले पांच दिनों तक मराठवाड़ा के कोल्हापुर, सांगली, सातारा, पुणे, नागर, सोलापुर और बीड, धाराशिव, लातूर जिलों में बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि अगले चार दिनों तक कोंकण घाट में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश और मराठवाड़ा में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार 25 से 30 जून तक कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है। मराठवाड़ा में अधिकांश स्थानों पर मध्यम बारिश होगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून अब उत्तरी अरब सागर की ओर बढ़ने लगा है।

सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने का हो रहा षड्यंत्र, अशोक गहलोत का दावा

एजेंसी

जोधपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल शर्मा को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने का बड़ा षड्यंत्र हो रहा है और इसकी प्लानिंग हो चुकी है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने दावा करते हुए कहा, हम विपक्ष में हैं और इसी वजह से हम जनता के हित में आवाज उठाते हैं, लेकिन वह इसे राजनीतिक आलोचना समझते हैं। मैं बताना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री के खिलाफ दिल्ली में उनकी पार्टी के भीतर और यहां राजस्थान में आंतरिक साजिश रची जा रही है। उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का षड्यंत्र चल रहा है और वह इसे समझ नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा, वह (भजनलाल शर्मा) पहली बार विधायक बने और उसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री भी बना दिया गया। मुझे लगता है कि यह एक बड़ी बात है और उनको (भाजपा) अपने निर्णय पर अडिग रहना चाहिए, बार-बार मुख्यमंत्री बदलने से क्या फायदा है? प्रदेश के अंदर हालात बहुत गंभीर हैं और जनता त्राहिमाम कर रही है। उनको (भाजपा) बताना चाहिए कि राजस्थान के अंदर वर्तमान में क्या

स्थिति है। अशोक गहलोत ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी राजस्थान सरकार पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, फ्रांस की एक महिला का रेप हो गया और हाल में अमेरिका ने एक एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि भारत के 6 राज्य ऐसे हैं, जहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और इसलिए वह अपना ध्यान रखें। मैंने इस बारे में मुख्यमंत्री को आगाह किया कि ये जो घटना हुई है, इसके कारण उस लिस्ट में राजस्थान का नाम न जुड़ जाए। यही सच्चाई मैंने उन तक पहुंचाई, मगर उन्हें ये आलोचना लग रही है। गहलोत ने भाजपा पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि अगर कोई पश्चिम बंगाल में रहता है तो ये लोग उन्हें भी बांग्लादेशी बताते हैं। अगर वह मुसलमान है तो उसे टारगेट करके बांग्लादेशी बता देते हैं। उनकी बातों से लोग भड़क जाते हैं और आपस में लड़ते हैं। कांग्रेस ने कभी भी हिंदू-मुसलमान के नाम पर हिंसा का समर्थन नहीं किया है। हिंदू-मुसलमान के नाम पर हिंसा हो जाए, लेकिन वे सिर्फ हिंदू-मुसलमान करते रहते हैं।

कहानी

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

अनंत भाई क्या आज कुछ सनाएँगे? बहुत दिनों से कुछ सुनाया नहीं। वैसे इस महीने आपकी जो कविता झरोखा पत्रिका में छपी है, वह बहुत अच्छी है। आप चाहें तो वही सुना दीजिए। अनंत नारायण बच्चों के कवि हैं अर्थात बाल साहित्यकार हैं। बच्चों के लिए लिखी गईं उनकी कविताएं मुझे बहुत पंसद हैं। वे अपनी कविताएं तो सुनाते ही हैं, दूसरों की बाल कविताएं भी सुनाते हैं। उनकी स्मरणशक्ति बहुत अच्छी है। मेरे साथ राजमणि भैया भी थे। ये मेरे बड़े भाई हैं। मेरे और राजमणि के कहने पर अनंत नारायण ने यह कविता सुनाई-

चुहिया लाई चावल चीनी बिल्ली लाई आटा
हरी सब्जियाँ ताता लाया धोकर उनको काटा
मुर्गी पूरा मटका भरकर दूध कहीं से लाई
आग जलाकर मीठी मीठी उसने खीर पकाई
पूड़ी बनी, बनी तरकारी सबने मिल जुलकर खाया
कामचोर कौवे का मन भी देख देख ललचाया

वाह वाह खूब कविता सुनाई। पर यह कविता मेरी नहीं है। अनंतनारायण बोला। यह एक अन्य बाल साहित्यकार की कविता है। मैं राजमणि भैया अनंत नारायण बड़ी देर तक बातें करते रहे। छुट्टी का दिन था। गंभीर बातें भी हुईं और हंसी मजाक वाली बातें भी। थोड़ी ही देर बाद अनंतनारायण की बेटी लतिका चाय लाई और अपने हाथ से बनाकर स्वादिष्ट पोहा। सबने चाय पी और पोहा खाया। अनंत नारायण ने कहा ललिता अपने चाचा लोगों को कोई गीत नहीं सुनाओगी? संगीत तो तुम्हारा सबसे प्यारा विषय है। लतिका सुनकर खुश हो गई। यह उसकी रूचि की बात थी। उसने कबीर का पद सुनाया

साधो यह तन ठाट तंबूरे का ऐंचत तार मरेरत खूंटी निकलराग हूजूरे का....

पद बड़ा था। पद सुनाते समय न केवल लतिका की आंखें बंद थीं, बल्कि हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा हैं, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है। मँडुआडीह से आगे कुछ दूर तक एकांत हो जाता है। तुम साथ रहोगे तो अच्छा रहेगा। बात सही है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा और तुम्हारे साथ ही वापस आऊँगा। दूसरे दिन मैं और आनंत नारायण बैंक गये। भीड़ ज्यादा थी। अनंतनारायण ने रूपये लेकर बैग में रखे। भीड़ पूरी घट गई थी। क्लर्क कागज की पुड़िया मुंह में रखकर वह बगल के साथी से बातें करने लगा। अनंतनारायण ने अपनी पासबुक मांगी। उसने ऐसे पासबुक उछालकर दी जैसे फुटबाल हो। अनंतनारायण को बुरा लगा। पासबुक पटल पर रखे या हाथ में दें। उछालकर देना तो अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय में तीस वर्ष पढ़ाया है। प्रोफेसर के सम्मानित पद से रिटायर हुए हैं। उनके साथ एक क्लर्क ऐसा व्यवहार करें, यह दुखद है। पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। लेकिन जब पासबुक देखी तो उसमें रूपये चढ़ाये नहीं गये थे। उन्होंने कहा साहब पासबुक में रूपये चढ़ा दीजिए। आपको रूपये मिल गये न? अब आप जाइए। पासबुक में रकम चढ़वानी है तो पासबुक छोड़ जाइए। कल आकर ले जाइएगा। रकम चढ़ जाएगी। एक बार यहां आने में सौ रूपये लगते हैं। कल फिर इतने ही रूपये लगेंगे। सिर्फ पासबुक के लिए ही कल मुझे आना पड़ेगा। मैंने जो कह दिया सो कह दिया। बहस मत करिये। मैं बोला ये इस विश्वविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर रहे हैं। ये बहुत विद्वान हैं। आप इन्हें नहीं जानते। होंगे प्रोफेसर। मैं इन्हें नहीं जानता। यहां तो सब अपने को प्रोफेसर ही कहते हैं।

यह बात मुझे बुरी लगी और अनंतनारायण को भी। हम दोनों मैनेजर के पास गये। मैंने अनंतनारायण का परिचय दिया और क्लर्क की शिकायत की। मैनेजर ने कहा, क्लर्क की शिकायतें औरों ने भी की हैं। पता नहीं यह कब सभ्य बनेगा। यह कहकर वे हम लोगों के साथ क्लर्क के पास आये, आप इस समय क्या कर रहे हैं? आराम फरमा रहे हैं। नहीं नहीं पान खाकर... थकान दूर कर रहे हैं। बैंक थकान दूर करने के लिए हैं या काम करने के लिए। इस समय आप कोई काम नहीं कर रहे हैं। फिर अनंतनारायण की ओर देखकर कहा आप पासबुक बिना रकम चढ़ाये वापस कर रहे हैं। सिर्फ पासबुक के लिए कल ये सौ रूपये फिर खर्च करेंगे। आप जानते हैं ये कौन हैं। ये विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और बहुत बड़े साहित्यकार हैं। आपके सामने इनका परिचय भी दिया गया। फिर भी कुछ समझ में नहीं आया। वे आगे बोले, अदरक बड़ी उपयोगी चीज होती हैं। भोजन में भी पड़ती है और दवा के काम भी आती है। पर बंदर को दे दी जाए तो वह दांत से कुतरकर फेंक देगा। वह अदरक का गुर जानेगा ही नहीं। इसी पर कहावत है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। यही हाल आपका है। आपके सामने एक महान व्यक्ति खड़े हैं। पर आपमें इतनी समझ नहीं है कि आप उन्हें सम्मान दें। मैं अभी पासबुक ठीक कर देता हूँ, कहकर एक मिनट में क्लर्क ने रकम चढ़ाकर पासबुक वापस कर दी। हम दोनों को मैनेजर साहब का व्यवहार तो अच्छा लगा ही, उनका हिंदी ज्ञान देखकर भी प्रसन्नता हुई। कहावत का उन्होंने बहुत सही प्रयोग किया था। पासबुक लेकर हम लोग साथ साथ वापस चले आये।

हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा है, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है।

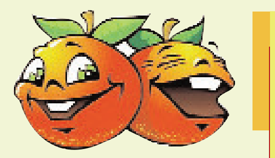

हंसगुल्ले

टीचर ने बच्चों की कॉपी पर नोट लिखकर भेजा - कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें।
बच्चों की माँ ने नोट जवाब में लिखा - कृपया बच्चों को पढ़ाया करें, सूंघा न करें।

● ● ● ● ●

नया कर्मचारी, `तुम इस दफ्तर में कब से काम कर रहे हो?'
पुराना कर्मचारी, `जब से बॉस ने मुझे निकालने की धमकी दी है।'

● ● ● ● ●

दादी नाराज होकर पोते से बोली ज्यादा परेशान करोगे तो मैं भगवान के घर चली जाऊंगी।
पोताः दादी रिक्शा लेकर आऊं क्या ?

● ● ● ● ●

एक चूहे ने हाथी से कहा, `यार अपनी शर्ट दो दिनों के लिए देना।'
हाथी हंसकर बोला, `हा.हा.हा. पहनेगा क्या ?'
चूहा, `नहीं, घर में शादी है, तंबू लगवाना है।'

● ● ● ● ●

बैरा, इधर आओ! ग्राहक चिल्लाया। बैरा सहमता हुआ ग्राहक के पास आ खड़ा हुआ।
`देखो चाए के प्याले मे मक्खी पड़ी हुई है!' बैरे ने तर्जनी उंगली से मक्खी प्याले से निकाली और बहुत गौर से देखने लगा। फिर बडी गंभीरता से उत्तर दिया--
हमारे होटल की नही है।

● ● ● ● ●

मज़दूर (मालिक से) : गधे की तरह काम कराया और मज़दूरी सिर्फ बीस रुपया ... कुछ तो न्याय कीजिए।
मालिक (मुनीम से) : ठीक है यह न्याय मांगता है तो इस के सामने घास डाल दो और रुपये ले लो।

● ● ● ● ●

एक व्यक्ति की अपने तोते से तबियत भर गई। उस ने उसे नीलाम किया। बोली 100 रुपये पर छूटी।
खरीददार मुस्कुराकर कहने लगा, खैर, ले लेता हूं लेकिन इतना बतादें कि यह बोलेगा भी? दुकानदार : अजी, यही तो आपके खिलाफ बोली बढ़ा रहा था!

● ● ● ● ●

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) : `सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।'
इंस्पैक्टर : `तो तुम उस गाड़ी के पीछे क्यों छिपे थे?'
नया सिपाही : `जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।'

जानिए

30 साल में बनती है एक डाली

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़नेवाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। सगुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैंगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

रंग भरो

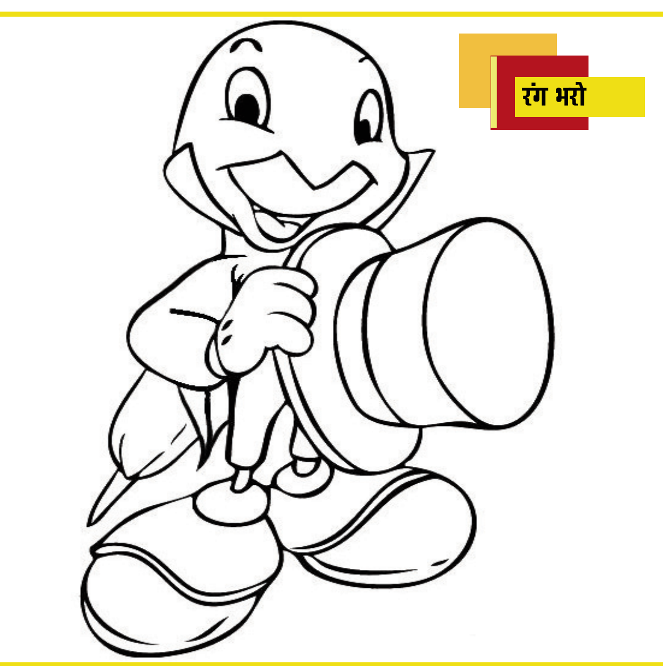

कविता

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती भूख यदि अचानक
तोड मधुर फल उसके खाते
आती कीचड-बाढ कहीं तो
झट उसके उपर चढ ज़ाते।

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

एक कहानी में सारे

आसमान कितना ऊँचा है !
कितने ऊँचे हैं तारे !
पर आ जाते जाने कैसे !
एक कहानी में सारे!

%दोस्त अगर बन जाएं मेरे
आसमान के, माँ तारे ?
तो मैं तेरे जन्म दिवस पर
दूँगी सब को गुब्बारे

मजा आएगा तब तो कितना
जाएंगे जब घर तारे
आसमान में तारों के संग
होंगे कितने गुब्बारे !

मगर कँहा से लाओगी माँ
इतने सारे गुब्बारे ?
बतला दूंगी, बतला दूंगी
जब आएंगे घर तारे !

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

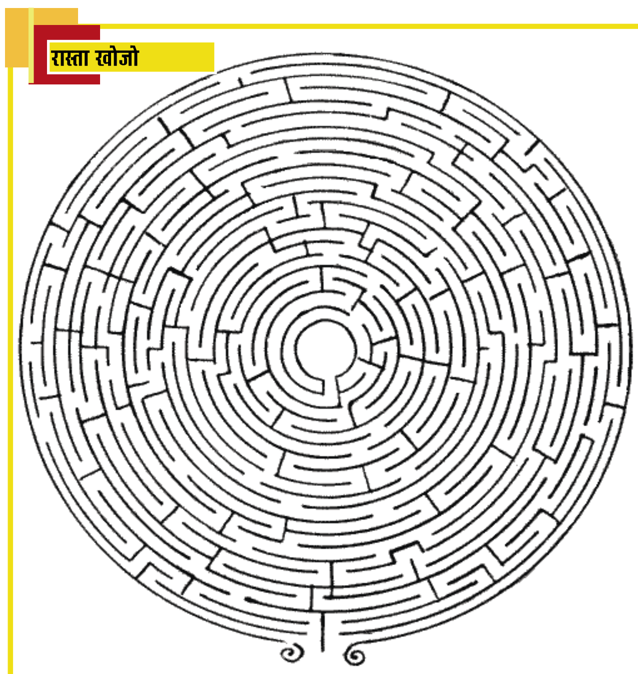

पहेलियां

लाल डिबिया में हैं पीले खाने,
खानों में मोती के दाने ?

❐ ❐ ❐ ❐

वह रहती नहीं बीमार, फिर भी खाती गोली,
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर उसकी बोली।

❐ ❐ ❐ ❐

धनदौलत से बड़ी है यह,
सब चीजों से ऊपर है यह,
जो पाए पंडित बन जाए
बिन पाए मूर्ख रह जाए ?

❐ ❐ ❐ ❐

जो करता है वायु शुद्ध,
फल देकर जो पेट भरे,
मानव बना है उसका दुश्मन,
फिर भी वह उपकार करे ?

❐ ❐ ❐ ❐

गोल है पर गेंद नहीं,
पूँछ है पर पशु नहीं,
पूंछ पकड़कर खेलें बच्चे,
फिर भी मेरे आंसू न निकलते ?

❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - अनार, बंदूक, विद्या, पेड़, गुब्बारा।

क्रोएशिया में फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग एन्जॉय कर रहे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया में अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं शूटिंग के दौरान वह हर पल का आनंद लेते दिखाई दिए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कई तस्वीर और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में कार्तिक बिजी शेड्यूल में भी मौज-मस्ती करते दिखे। अभिनेता तस्वीरों में सुंदर जगहों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले वीडियो में वह फुटबॉल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि, दूसरी तस्वीर में वह एक स्थानीय पिज्जा आउटलेट के बाहर पोज देते दिखाई दिए। दूसरी वीडियो में वह एक लाइव सॉन्ग कॉन्सर्ट को एन्जॉय कर रहे हैं। तीसरी वीडियो में वह कार में बैठे हुए अपनी दाढ़ी सेट करवाते दिखाई दे रहे हैं, उनके चारों ओर फिल्म के क्रू मेंबर्स हैं, सभी मिलकर हंसी-मजाक कर रहे हैं।

पोस्ट को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी कुछ दिन पहले, अनन्या पांडे ने क्रोएशिया में कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा किया था। इसको यादगार बनाने के लिए कार्तिक और अनन्या ने अपनी पिछली फिल्म पति पत्नी और वो के हिट ट्रैक धीमे धीमे पर डांस किया था। डांस में दोनों ने गाने का सिग्नेचर हुक स्टेप परफॉर्म किया, वीडियो शेयर कर कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, अपनी अनन्या का शेड्यूल रैप हो और हम धीमे-धीमे पर डांस ना करें, ऐसा कैसा हो सकता है।

करण जौहर के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के जरिए दोनों पहली बार किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर कर रहे हैं। इससे पहले यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी, जिसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक इन दिनों अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का अभी तक टाइटल सामने नहीं आया है।

इस वजह से एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया देशमुख

जेनेलिया देशमुख बॉलीवुड की सबसे चंचल अभिनेत्रियों में शामिल होती हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी अभिनय किया है। हालांकि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने फिल्मों से अचानक ब्रेक ले लिया। वह लगभग एक दशक तक फिल्मों से गायब रहीं। उनके फैंस हैरान थे कि अचानक वह लाइमलाइट से दूर क्यों हो गई थीं। जेनेलिया ने इसकी वजह बताई है।

एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया

जेनेलिया देशमुख फिल्मों से क्यों दूर हो गई उन्होंने इसके बारे में साल 2022 में बात की थी। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान जेनेलिया ने बताया पिछले 10 वर्षों तक मैं गृहणी थी। मैंने कुछ नहीं किया। मैं वहां सिर्फ रिश्ते के लिए थी। ईमानदारी से कहूं तो वही मेरी जिंदगी थी। उन्होंने बताया गृहणी बनने का काम सबसे कठिन काम है।

जेनेलिया ने परिवार को दी अहमियत

आपको बता दें कि साल 2012 में रितेश देशमुख से शादी करने के बाद जेनेलिया ने फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। उन्होंने घर की और मां की जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने अपने बच्चों रियान और राहिल के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने फिल्मों से संन्यास नहीं लिया था। उन्होंने बस परिवार को ज्यादा अहमियत दी थी।

जेनेलिया में है रियल आकर्षण

जहां कई अभिनेत्रियां ग्लैमरस भूमिकाओं के पीछे भागती हैं, वहीं जेनेलिया अपने आकर्षण के साथ अलग दिखती हैं। जेनेलिया ने बताया कि उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा विज्ञापन करने के लिए अवॉर्ड जीता है। लोग हैरान थे कि एक साधारण दिखने वाली एक्ट्रेस को लोग कैसे इतना ज्यादा पसंद करते हैं।

सितारे जमीन पर में किया बेहतरीन काम

जेनेलिया देशमुख साल 2022 में अपने पति के साथ वेद फिल्म में नजर आईं। अब जेनेलिया आमिर खान के साथ फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर दिया है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक कोच 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खूब चल रही है।

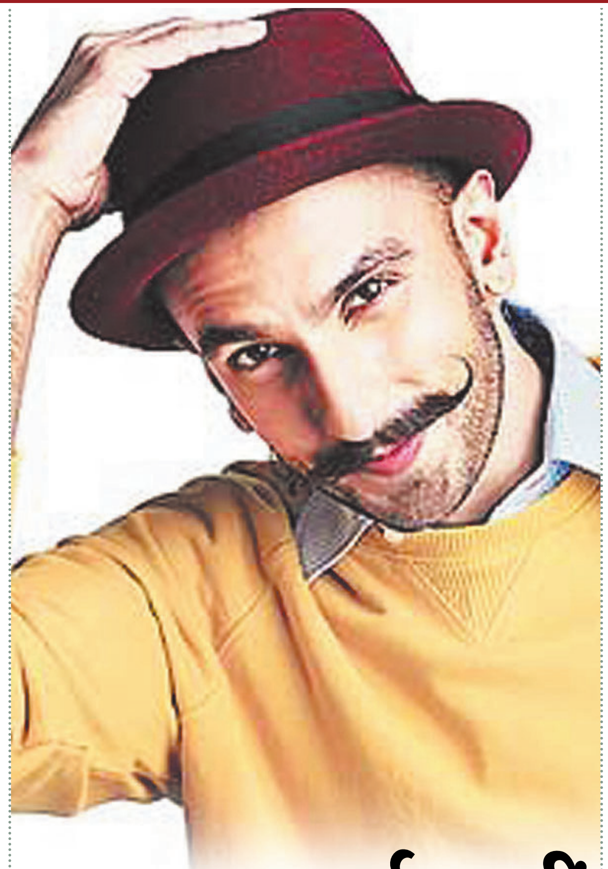

अल्लू अर्जुन नहीं रणवीर ही बनेंगे शक्तिमान

हाल ही में इंटरनेट पर अटकलों की एक नई लहर चली, जिसमें बताया गया कि अल्लू अर्जुन सुपरहीरो सीरीज शक्तिमान में लीड रोल प्ले कर सकते हैं। इस अफवाह ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया, खासकर तब जब एक्टर मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के करिश्मे और स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ की। हालांकि, मेकर्स ने अब क्लियर कर दिया है कि इस तरह का कोई कास्टिंग अपडेट कार्ड पर नहीं है। शक्तिमान फिल्म पर काम चल रहा है जो मिन्नल मुरली फिल्ममेकर बेसिल जोसेफ डायरेक्ट करेंगे। उन्होंने शुरू से ही रणवीर सिंह को लीड रोल में लेने को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। जहां इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट के बारे में अक्सर अफवाहें सामने आती रहती हैं, लेकिन प्रोडक्शन के एक करीबी सूत्र ने नई अपडेट को खारिज कर दिया है।

रणवीर सिंह ही होंगे शक्तिमान

सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, शक्तिमान कोई और नहीं कर रहा है। यह रणवीर सिंह ही हैं और कोई नहीं। जो कोई भी उनके हटने की अफवाहें फैला रहा है, उसका अपना एजेंडा है। मतलब साफ है कि इस तरह की अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया। निर्देशक बेसिल जोसेफ ने बॉलीवुड हंगामा से कहा, शक्तिमान केवल रणवीर सिंह के साथ बनाया जाएगा।

अल्लू अर्जुन को मुकेश खन्ना का सपोर्ट

पिछले साल मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक बयान दिया था। आधिकारिक तौर पर किसी का समर्थन किए बिना मुकेश खन्ना ने सुपरहीरो के रोल में अल्लू अर्जुन के बारे में बात की थी और कहा, मैं कमिट नहीं कर रहा हूं, बोल भी नहीं रहा हूं, जज भी नहीं कर रहा हूं लेकिन शक्तिमान बन सकता है वो। असल जिंदगी में भी अच्छा लुक है अच्छी हाइट है... इनके बारे में कहा जा सकता है, सोचा जा सकता है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन के अभिनय और पुष्पा 2 की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, फिल्म सिर्फ पैसा फेंकने से नहीं बनती। हर फ्रेम बताता है कि उन्होंने अच्छा काम किया है। जब आपको खुद पर भरोसा होता है, तो आप दर्शकों को भी कायल कर देते हैं।

स्पेशल ऑप्स 2 से विकास मनकतला की बहुप्रतीक्षित एंट्री

विकास मनकतला ने अपने ओटीटी करियर की धमाकेदार शुरुआत स्पेशल ऑप्स 2 से कर दी है। नीरज पांडे के इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शामिल होना उनके 19 साल लंबे करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। टीवी से शुरुआत करने वाले इस अभिनेता ने 2006 में चर्चित शो लेफ्ट राइट लेफ्ट से लोगों का दिल जीता था और तभी से वे कई टेलीविजन शोज़ में अपने अभिनय की छाप छोड़ रहे हैं। लगभग दो दशकों की मेहनत और सफर के बाद, विकास अब ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं और वह भी एक ऐसी सीरीज़ के साथ, जो पहले से ही अपनी थ्रिलिंग स्टोरीटेलिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। इस बदलाव को सिर्फ माध्यम का बदलाव नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में उनके नए अध्याय की शुरुआत माना जा सकता है। विकास ने अपनी तैयारी के बारे में बोलते हुए कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के लिए मेरी तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं थी, असली चुनौती थी उस एजेंट की मानसिक स्थिति को समझाना। वह मानसिक मजबूती, पल में निर्णय लेने की ताकत और उस जीवन की भावनात्मक कीमत। और यह सब नीरज सर की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन से ही मुमकिन हो पाया। हम सभी ने स्क्रीन पर असलियत लाने के लिए दिल से मेहनत की है। यह एक ऐसा रोल है, जो पूरी तरह से समर्पण माँगता है और हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए दिल से आभार है। विकास की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा और निरंतर प्रयास का फल जरूर मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में उनके किरदार को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है, और हर कोई देखना चाहता है कि ये अनुभवी अभिनेता इस हाई-ऑक्टेन सीरीज़ में क्या नया लेकर आ रहे हैं।

फातिमा ने कास्टिंग काउच पर की बात

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनो' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान फातिमा ने मी टू अभियान और कास्टिंग काउच को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में कैसे चीजें बदली हैं और क्या बदलाव आया है।

चीजों में आया है बदलाव

बातचीत के दौरान फातिमा ने कहा कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। काफी हद तक चीजें बदली हैं और जवाबदेही बढ़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं। लोग बहुत ज्यादा जवाबदेह हैं। वे थोड़े ज्यादा डरे हुए हैं। आज ज्यादातर फिल्म सेट पर दुराचार की शिकायतों को पुलिस मामलों में बढ़ने से पहले ही संबोधित करने के यूनिट हैं, ताकि आप उनसे इस मामलों से जुड़ी शिकायतें कर सकें। इन मुद्दों पर बातचीत को अब ज्यादा गंभीरता से लिया जाता है। अब बातचीत होती है। जांच होती है। यह हर इंडस्ट्री में होती है।'

यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'आप किसी के साथ काम कर रहे हैं, आप इंटीमेट हो गए हैं। लेकिन फिर आप समझ नहीं पाते, चीजें बदल जाती हैं। ये सब अक्सर होता है। संदेह का लाभ अक्सर सही ढंग से, महिलाओं को दिया जाता है। क्योंकि यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है। और अब, मी टू के बाद, महिलाएं इसके बारे में बात कर सकती हैं। आपको जवाबदेह ठहराया जाएगा।'

अपने अनुभवों को बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने बॉलीवुड में इसका सामना नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री खराब है। कोई भी घटना जो हुई है, वह बस एक छोटी सी, छोटी-मोटी बात और कोई बातचीत थी। इस तरह के मुद्दे केवल फिल्म सेट तक ही सीमित नहीं हैं। असल में कॉर्पोरेट जगत में भी यह समस्या उतनी ही गंभीर है। जब आप साथ होते हैं तो कॉर्पोरेट इंडस्ट्री ही जीवन है। इसलिए वहां यह और भी अधिक है। और भी अधिक खतरनाक है।' इस दौरान फातिमा ने पॉश की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस एजेंसी में कलाकारों, क्रू और सभी एचओडी के साथ आप बैठक कर सकते हैं। आपको बताया जाएगा कि आपके अधिकार क्या हैं, क्या उचित है, क्या नहीं।

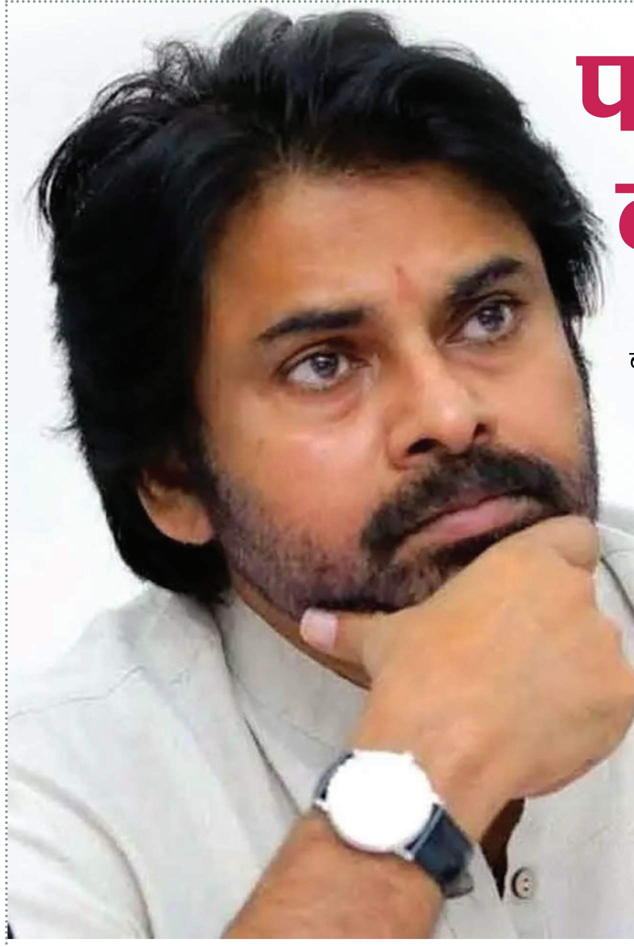

पवन कल्याण ने बॉलीवुड को कहा मजाक का पात्र

तेलुगू स्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बॉलीवुड के खिलाफ अपने हालिया बयानों से सबका ध्यान खींचा है। एक्टर आगे अपनी दो बड़ी फिल्मों की रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे साउथ सिनेमा अपनी भारतीय जड़ों के प्रति अधिक सच्चा रहा है, जबकि बॉलीवुड अधिक व्यवसायिक हो गया है। हाल ही में ऑर्गनाइजर वीकली से बातचीत में पवन कल्याण ने भारतीय सिनेमा शब्द को खारिज कर दिया और इस बारे में बात कि कैसे हर फिल्म इंडस्ट्री ने अपनी व्यक्तिगत ताकत दिखाई है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय जड़ों से जुड़ी हिंदी फिल्में मिलना बेहद मुश्किल है क्योंकि बॉलीवुड एक इंडस्ट्री के रूप में अधिक बिजनेस माइंडेड और पैसे के प्रति समर्पित हो गया है। इसे एक मजाकिया बात बताते हुए उन्होंने कहा, समय के साथ यह अलग-अलग पीढ़ियों से आए फिल्ममेकर्स के कारण बदल गया। खासकर, हिंदी सिनेमा। तब से कुछ ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने सांस्कृतिक रूप से जुड़े कैरेक्टर्स को मजाक बना दिया है।

पवन कल्याण ने आगे बताया कि कैसे बॉलीवुड की तुलना में साउथ सिनेमा ने लगातार भारतीय संस्कृति का अधिक प्रतिनिधित्व करने का प्रयास किया है। एक्टर के अनुसार हिंदी सिनेमा ने शायद ही कभी पारंपरिक रूप से जुड़ी हुई फिल्में बनाई हैं, जैसे आमिर खान की दंगल जो भारतीय संस्कृति का बढ़िया उदाहरण है। उन्होंने कहा, आजकल साउथ की फिल्में भारतीय संस्कृति का ज्यादा प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हिंदी सिनेमा में भी कुछ समय से ऐसा हो रहा है। उदाहरण के लिए, अगर आप दंगल देखें, तो दंगल भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। यह एक ऐसी फिल्म थी जिसका आपकी भारतीयता से जुड़ाव है। आजकल उस तरह का सिनेमा दुर्लभ हो गया है। वर्कफ्रंट पर पवन कल्याण अपनी अगली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पर नजर गड़ाए हुए हैं, जो 24 जुलाई, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है। इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म दे कॉल हिम ओजी है, जो इस साल 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके कैलेंडर में उस्ताद भगत सिंह भी शामिल है।

'निकिता रॉय' के लिए बहन सोनाक्षी सिन्हा परफेक्ट

फिल्म निर्माता कुश सिन्हा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को मुख्य भूमिका में चुनने की वजह बताई। कुश ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह से सोनाक्षी के टैलेंट और योग्यता पर आधारित था। बातचीत में कुश ने बताया, मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए सबसे सही थीं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय की विविधता कमाल की है। उनकी फिल्में 'अकीरा', 'लुटेरा' और 'दबंग' में उनका काम देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कमाल के एक्टिंग स्किल्स हैं। वह किरदारों में गहराई से उतरती हैं और स्क्रीन पर शानदार तरीके से निभाती हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुरू से ही उन्हें यकीन था कि सोनाक्षी 'निकिता रॉय' के किरदार को जीवंत कर देंगी, वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। फिल्म 'निकिता रॉय' को निर्देशित करने की प्रेरणा के बारे में कुश ने कहा, मुझे इसकी कहानी ने आकर्षित किया। यह कहानी नई है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के हर एक किरदार जैसे निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया में कुछ न कुछ बेहद खास है, जब किरदार मजबूत होते हैं, तो कहानी अपने आप दमदार बन जाती है। यही इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। उन्होंने बताया, सबसे मुश्किल काम स्क्रिप्ट को बेहतर बनाना था। पवन कृपालानी ने शानदार स्क्रिप्ट लिखी, लेकिन हमें इसे और गहरा करना था। स्क्रिप्ट को फिर से लिखना और उसे निखारना रचनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था।

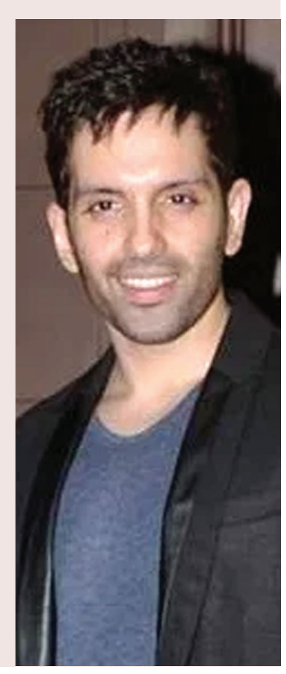

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

लीड्स (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है।

लार पर प्रतिबंध

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे।

डीआरएस प्रोटोकॉल

उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल

सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है ।

कंबाइंड रिव्यू

आइईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था। संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

नो बॉल पर फेयर कैच होगा रिव्यू

मान लीजिए कि ऐसा कोई मामला है, जिसमें दोनों ऑन-फील्ड अंपायर इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि कैच क्लीन पकड़ा गया है या नहीं, लेकिन जब वे विचार-विमर्श कर रहे होते हैं, तो टीवी अंपायर उन्हें बताता है कि यह नो-बॉल थी। प्लेइंग कंडीशन्स के पिछले संस्करण में, नो-बॉल का संकेत दिए जाने के बाद टीवी अंपायर को कैच की निष्पक्षता पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती थी, लेकिन अपडेट की गई प्लेइंग कंडीशन्स में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा और अगर यह एक फेयर कैच है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक अतिरिक्त रन मिलेगा। हालांकि, अगर कैच फेयर नहीं है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को बल्लेबाजों द्वारा लिए गए रन भी मिलेंगे।

जानबूझकर शॉर्ट रन

अभी तक, अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर शॉर्ट रन लेते हुए पकड़ा जाता था, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ती थी, लेकिन अपडेट किए गए नियमों में अगर कोई बल्लेबाज अतिरिक्त रन चुराने के लिए जानबूझकर मैदान पर नहीं जाता है, तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर रखना चाहते हैं। साथ ही, पांच रन की पेनल्टी भी सजा का हिस्सा बनी रहेगी। खेल की शर्तों के नियम 18.5.1 में कहा गया है, जानबूझकर लिया गया शॉर्ट रन बल्लेबाजों द्वारा एक से अधिक रन बनाने का प्रयास है, जबकि कम से कम एक बल्लेबाज

जानबूझकर एक छोर पर दूर तक ना जाए। बल्लेबाज रन ना लेने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते अंपायर को लगे कि संबंधित बल्लेबाज का अंपायरों को धोखा देने या ऐसा रन बनाने का कोई इरादा नहीं था, जिसमें उन्होंने क्रीज को नहीं बदला।

घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूर्ण-कालिक स्थानापन्न खिलाड़ी

गंभीर बाहरी चोट से पीड़ित खिलाड़ी के नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी ने बोर्ड से अपने घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी को मैदान में उतारने का परीक्षण करने के लिए कहा है, जो आकर टीम के प्रतिभागी की भूमिका निभा सकता है। रिप्लेसमेंट प्लेयर को एक जैसा होना होगा, जैसा कि एक कनकशन सब के मामले में होता है। चोट स्पष्ट होनी चाहिए और मैच अधिकारियों को दिखाई देनी चाहिए, तभी वे फुलटाइम रिप्लेसमेंट की अनुमति देंगे। यह उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो हैमस्ट्रिंग खिंचाव या छोटी-मोटी चोटों से पीड़ित हैं। यह नियम परीक्षण के आधार पर होगा और इसे पूरी तरह से सदस्य देशों पर निर्भर करता है कि वे अपने घरेलू प्रथम श्रेणी सर्किट में इसे लागू करें।

कैरीसा के नाम केयन्र्स कप का खिताब, भारत की हरिका तीसरे स्थान पर

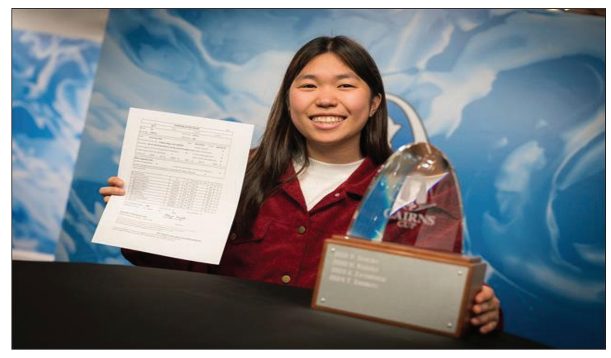

स्पोर्ट्स डेस्क। सयुंक्त राज्य अमेरिका के सेंट लुइस (निकलेश जैन) में 10 जून से शुरू हुई अमेरिका और विश्व की सबसे शक्तिशाली महिला शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक केयन्र्स कप का समापन मेजबान देश की ख़िताबी जीत से हुआ और मेजबान देश की ही कैरीसा यिप ने यह प्रतियोगिता जीतकर केयन्र्स कप का खिताब जीता, साथ ही साथ उन्होंने अपना दूसरा ग्रैंडमास्टर नॉर्म भी हासिल किया।प्रतियोगिता की कुल इनामी राशि 250000 डॉलर थी और कैरीसा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 65000 डॉलर अपने नाम किए। बड़ी बात यह रही की दूसरे स्थान पर भी यूएसए की ही खिलाड़ी एलिस ली रही जिन्होने 50,000 डॉलर अपने नाम किए , भारत की हरिका द्रोणावल्ली तीसरे स्थान पर रही और उन्होने 40,000 डॉलर अपने नाम किए । एक समय खिताब की बड़ी दावेदार लग रही कोनेरु हम्पी अंतिम दौर मे तीन अप्रत्याशित हार से पांचवें स्थान पर सरक गयी

इस प्रतियोगिता में 7 देशों से कुल 10 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता में हर एक खिलाड़ी ने बचे हुए 9 खिलाड़ियों से बाज़ियाँ खेलीं और प्रतियोगिता की समय सीमा के अंतर्गत यह एक क्लासिकल प्रतियोगिता थी जिसमें 90 मिनट शुरू की 40 चालों के लिए और उसके बाद अतिरिक्त 30 मिनट 41वीं चाल से दोनों ही खिलाड़ियों को मिले, साथ ही साथ पहली चाल से 30 सेकंड का बोनस भी था।

सूर्यकुमार की सर्जरी हुई

म्यूनिख। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की स्पोर्ट्स हर्निया के लिए जर्मनी के म्यूनिख शहर में सर्जरी हुई है। सूर्यकुमार पिछले कुछ समय से इसके कारण दर्द से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने टी20 क्रिकेट के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले सर्जरी कराना ही सही समझा। सूर्यकुमार का इलाज जर्मनी के म्यूनिख में हुआ। स्पोर्ट्स हर्निया से वे परेशान थे, इसी लिए आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद

वह सर्जरी के लिए वहां गये। इसकी सर्जरी सफल रही जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि वह अब सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया में हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही जिसके बाद अब मैं ठीक हो रहा हूं और बेसब्री से वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। सूर्यकुमार ने अभी अपनी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है पर उम्मीद है कि वह अगस्त तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे और पेशेवर क्रिकेट में लौट जाएंगे। अगस्त तक भारतीय टी20 टीम का कोई कार्यक्रम नहीं है, इससे सूर्यकुमार के बाहर होने से भी भारतीय टीम को कोई नुकसान नहीं होगा। भारतीय टीम को 17 अगस्त से बांग्लादेश के दौरे पर जाना है, जहां सीमित ओवरों की सीरीज होगी। पहले तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी और फिर इतने ही मैचों की टी20 सीरीज होनी है। इसी टी20 सीरीज से सूर्यकुमार वापस आयेंगे।

पृथ्वी शॉ ने मानी अपनी गलती बोले, में भटक गया था, कठिन समय में केवल ऋषभ ने दिया साथ

मुम्बई ।खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने माना है कि उन्होंने अपने करियर में गलतियां की हैं जिनका नुकसान अब उन्हें उठाना पड़ा है। साथ ही कहा कि वह खराब फैसले ले रहे।पृथ्वी ने कहा कि कठिन समय में केवल ऋषभ पंत ने ही उनका साथ दिया और हौंसला बढ़ाया।पृथ्वी के अनुसार जब वह अपनी जिंदगी में बेहद 'अकेले' थे तो वो केवल ऋषभ ही थे जिन्होंने उनसे संपर्क किया। एक समय वह भारतीय टीम में अगले सचिन तेंदुलकर माने जा रहे थे पर आज हालत इतनी खराब है कि वह मुंबई की घरेलू टीम से भी बाहर कर दिए गए हैं।इतना ही नहीं आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भी कोई खरीदार नहीं मिला। यह उस युवा बल्लेबाज़ के लिए गहरा झटका है, जिसने केवल 18 साल की उम्र में अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में टेस्ट शतक लगा दिया था। शॉ कहा, जब भी मैं टूटता था, ऋषभ पंत मुझसे बात करता था।वो आज भी करता है जब उसे लगता है कि मैं ठीक नहीं हूं, वो खुद मुझसे बात करता है। इससे साफ था कि अकेलपन ने शॉ को भीतर से तोड़ दिया है। पृथ्वी ने भावुक होकर माना, 'मैं बहुत मेहनती था, घंटों नेट्स में बल्लेबाजी करता था। मैदान मेरा घर था पर फिर धीरे-धीरे मैंने क्रिकेट को कम समय देना शुरू कर दिया। मैंने गलत फैसले लिए। खुद को गलत लोगों से घेर लिया।'

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3ः30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला

जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी।

दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं। इसमें भारतीय टीम 35 में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 52 टेस्ट में जीत मिली है जकि 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को अगर दूसरा टेस्ट जीतना है तो उसे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा।

भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

वॉन ने बदली अपने भविष्यवाणी बोले, इंग्लैंड 4-0 से जीतेगी

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वॉन भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद बेहद उत्साहित हैं। वॉन का कहना है कि इंग्लैंड टीम

इस सीरीज में 4-0 से जीतेगी जबकि सीरीज से पहले उन्होंने कहा था कि उनकी टीम सीरीज 3-1 से जीत रही है। पहले टेस्ट में जीत से वॉन की भविष्यवाणी भी बदल गयी। वॉन की आम तौर परः सोशल मीडिया में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर से बहस होती रहती है। ये दोनों दिग्गज कई बार एक दूसरे पर निशाना साधते रहे हैं। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में 471 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वॉन को जाफर पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा , हम सीरीज जीत रहे हैं। उम्मीद है जाफर आप ठीक होंगे जाफर ने इसके जवाब में वॉन की एक तस्वीर शेयर करते हुए लखा, 'खुशी है कि एक युवा भारतीय टीम ने आपको इस तरह से चिंतित कर दिया। जीत का आनंद लें, माइकल, हम वापस आएंगे।' वॉन यहीं नहीं रुके, जाफर के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की भविष्यवाणी कर दी। सीरीज शुरु होने से पहले वॉन ने कहा था कि इंग्लैंड 5 मैच की इस सीरीज को 3-1 से जीतेगा, मगर हेडिंग्ले में पहला टेस्ट जीतने के बाद उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अब यह सीरीज 4-0 से जीतने वाला है। दोनो टीमों के बीच दूसरी टेस्ट दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

जोसेफ और सील्स ने बिखेरा जलवा, एक ने 4 तो दूसरे ने चटकाए 5 विकेट, ऑस्ट्रेलिया 180 रन पर ढेर

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज का पहला मैच केंसिंग्टन ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पहली पारी में केवल 180 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को 180 पर रोकने का श्रेय वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजो को जाता है जिसमें जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की।

जायडेन सील्स और शमार जोसेफ ने कुल 9 विकेट चटकाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकने नहीं दिया। सील्स ने 60 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि जोसेफ ने 46 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। शमार जोसेफ ने अपनी

गेंदबाजी से एक बार फिर प्रभावित किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ मैच में 16 ओवर फेंके जिसमें 2.88 की इकॉनमी रेट से 46 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए जिससे उनकी टीम को विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में मदद मिली। इस प्रदर्शन ने उनके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन ट्रेविस हेड 78 गेंदो में 59 रन, जबकि उस्मान ख्वाजा के बल्ले से 128 गेंदो में 47 रन निकले।

वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी अटैक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए काल बनकर आया। इसके जवाब में कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने भी अच्छी गेंदबाज़ी करते हुए कुल 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी कराई। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही जिसमें दोनों ओपनर्स क्रैग और जॉन सस्ते में पवेलियन लौटे। पहले दिन के खेल खतम होने तक वेस्टइंडीज ने 57 रन पर 4 विकेट खो दिए। ब्रैंडन किंग (23) और रोस्टन चेज (1) रन बनाकर नाबाद क्रीज पर डटे हैं।

डब्ल्यूडब्ल्य ई नहीं बदलेगा कोडी रोड्स का कोडी रोड्स थीम सॉन्ग

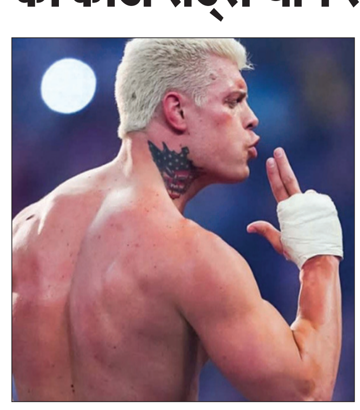

सेन डियागो ।डब्ल्यूडब्ल्यू ई के पूर्व चैम्पियान चैंपियन कोडी रोड्स एक बार फिर इसमें विजेता बनना चाहते हैं। वहीं डब्ल्यूडब्ल्य ई कई बदलाव करने जा रहा है। इसमें प्रवेश के समय बजाये जाने वाले थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव हो सकता है पर इसमें कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को नहीं बदला जा सकता है। इसको गाने वाले शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। सैप ने कहा कि कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। सैप ने साफ किया कि कंपनी में रोड्स की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है। सैप ने कहा, मुझे लगता है कि रोड्स के पास इतनी क्षमता है कि वह इससे बच सकता है। यह उसके परफॉर्मेंस और डब्ल्यूडब्ल्य ई के प्रदर्शन का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर रोड्स खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है पर इसके लिए कोई उनहें मजबूर नहीं करेगा ओर न ही ऐसी कोई संभावना है। रोड्स ने पहले अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस लाइन रेसलिंग हेज मोर देन वन रॉयल फैमिली को फिर से रिकॉर्ड करे जिससे कि गाने में उनकी भावनाएं शामिल हो।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी। इसके बाद भी अगर टीम नहीं मानती तो अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाएंगे। 80 ओवर तक यह दो वॉर्निंग चलेगी, इसके बाद इसे बदल दिया दिया जाएगा। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत से ही लागू हो गया है।

कैसे विश्व नंबर 6 शतरंज खिलाड़ी अब्दुसत्तारोव को मिली कभी ना भूलने वाली हार

ताशकंत , उज्बेकिस्तान ।उज़चेस कप सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के छठे राउंड में मेज़बान उज्बेकिस्तान के टॉप ग्रांडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को एक ऐसी अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा, जिसे वह शायद ही कभी भूल पाएंगे। अपने ही हमवतन नोदिरबेक याकूबबोएव के खिलाफ 131 चालों तक चले लंबे संघर्ष में अब्दुसत्तारोव ने लगभग ड्रॉ हो चुकी बाजी को आखिरी क्षणों में भारी गलती करते हुए गंवा दिया। इस बाजी में शुरुआत से ही याकूबबोएव बेहतर स्थिति में थे, लेकिन विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों में गिने जाने वाले अब्दुसत्तारोव ने अनुभव का परिचय देते हुए खेल को बराबरी पर ला खड़ा किया। स्थिति पूरी तरह से ड्रॉ की ओर बढ़ रही थी और दोनों खिलाड़ी 50-चाल नियम के

बेहद करीब थे, तभी अब्दुसत्तारोव से एक बड़ी चूक हो गई और खेल याकूबबोएव की झोली में चला गया। यह हार इसलिए और भी पीड़ादायक रही क्योंकि एक राउंड पहले तक अब्दुसत्तारोव टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर थे और प्रबल खिताबी दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन इस अप्रत्याशित पराजय ने न केवल उनकी बढ़त खत्म कर दी, बल्कि खिताबी दौड़ को भी और रोमांचक बना दिया। छठे राउंड के बाद अब्दुसत्तारोव, अर्जुन एरिगासी और परहम मघसूदलू 4 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। अब्दुसत्तारोव की यह हार न केवल उनकी व्यक्तिगत स्थिति के लिए झटका रही, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शीर्ष स्तर पर एक क्षणिक चूक भी पूरी बाजी को पलट सकती है। अब जबकि टूर्नामेंट में सिर्फ तीन राउंड बाकी हैं, देखना होगा कि क्या अब्दुसत्तारोव इस झटके से उबर पाते हैं या खिताब किसी और के हाथ लगने वाला है।

ग्रीनलैंड ःतीन महीने तक 24 घंटे सूरज की रोशनी में गुलजार होंगे फुटबॉल मैदान

नुउक (ग्रीनलैंड) (एजेंसी)। यूं तो ग्रीनलैंड साल में अधिकांश समय बर्फ से ढका रहता है लेकिन जून से अगले तीन महीने यहां 24 घंटे सूरज की रोशनी रहती है जिसका इंतजार फुटबॉल के दीवाने यहां के लोगों को बेसब्री से रहता है ताकि वे अपना पसंदीदा खेल देख सकें या मैदान पर अपना हुनर दिखा सकें। करीब 56000 की आबादी वाले द्वीप में 10 प्रतिशत यानी करीब 5600 लोग पंजीकृत फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

जून की शुरूआत में जब मध्य अमेरिका, उत्तर परिसंघ और कैरेबियाई फुटबॉल संघ (कोंकाकाफ) ने मिलकर ग्रीनलैंड फुटबॉल संघ का सदस्य बनने का आवेदन खारिज कर दिया तो यहां के फुटबॉल प्रेमियों को करारा झटका लगा। खनिजों से भरे और रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप पर कब्जा करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ख्वाहिश के चलते कुछ लोगों ने इसके लिए राजनीति को दोषी ठहराया।

कोंकाकाफ फीफा के अधीन छह उपमहाद्वीपीय महासंघों में से एक है। नाटो सहयोगी डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों की फटकार के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सैन्य बल के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं का कहना है कि यह द्वीप बिक्री के लिए नहीं है और उन्होंने अर्ध-स्वायत्त डेनमार्क के क्षेत्र पर अमेरिका द्वारा खुफिया जानकारी जुटाने की रिपोर्टों की निंदा की है। ग्रीनलैंड फुटबॉल टीम के कप्तान पैट्रिक फ्रेडरिकसेन ने हालांकि कहा कि यह फैसला आर्थिक कारणों से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी को पता है कि ग्रीनलैंड यात्रा करना कितन कठिन है।'

इस महीने की शुरूआत में अमेरिका से ग्रीनलैंड की सीधी उड़ान यहां पहुंची। न्यूजर्सी से नुउक तक का एक तरफ का टिकट 1200 डॉलर है। बाकी उड़ाने आइसलैंड या कोपेनहेगन होकर आती हैं। इन सभी के बीच यहां के निवासियों की फुटबॉल को लेकर दीवानगी कम नहीं हुई है। अगले तीन महीनों में जब तापमान पांच से 10 डिग्री सेल्सियस के करीब होगा, वे फुटबॉल खेलने में अधिकांश समय बिताना चाहते हैं।

एक खिलाड़ी एंगुटिमारिक क्रेउत्जमैन ने कहा, 'हम पूरी रात फुटबॉल खेलेंगे। अंधेरा नहीं होने वाला है तो हमारे पास समय ही समय है।' नुउक में एक क्लब के कोच आस्कर स्कॉट कार्ल ने कहा, 'आपको यहां एक मैच देखना चाहिए। इतने सारे लोग इसे देखने के लिए जुटते हैं। इससे देश में एकजुटता की

भावना आती है।' सर्दियों के लंबे मौसम में अधिकांश खिलाड़ी फुटसाल खेलते हैं जो एक खास तरह की गेंद से हैंडबॉल कोर्ट पर खेला जाने वाला इंडोर फुटबॉल खेल है। इसमें एक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं।